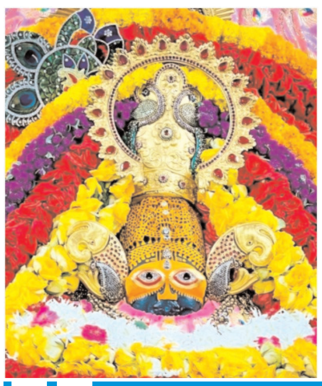

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:256। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शुक्रवार) 08 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

'अवैध रूप से रह रहे लोग वापस जाएंगे'

बांग्लादेश सरकार से सहयोग की उम्मीद: विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की वापसी, सिंधू जल संधि (आईडब्ल्यूटी) और आतंकवाद के मुद्दे पर अपना कड़ा रुख दोहराया है।

● विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में देश से जुड़े कई मुद्दों पर सरकार की राय रखी।

सरकार ने कहा कि भारत में अवैध रूप से रह रहे सभी विदेशी नागरिकों को कानून और द्विपक्षीय समझौतों के तहत वापस भेजा जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में देश से जुड़े कई मुद्दों पर सरकार की राय रखी। बंगाल में भाजपा की बंपर जीत के बाद बांग्लादेश के दो मंत्रियों की टिप्पणियां चर्चा में हैं, जिसमें अवैध प्रवासियों को वापस सीमा पार भेजने की आशंका है, तो उम्मीद है कि भारत ऐसा नहीं करेगा। बांग्लादेश के गृहमंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने पुशबैक की आशंका जताई, तो विदेश मंत्री खलीलपुर रहमान ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर जबरन लोगों को हमारी ओर भेजा जाएगा तो कार्रवाई की जाएगी।

इन्हीं टिप्पणियों को लेकर पूछे सवाल पर जायसवाल ने भारत की नीति स्पष्ट की। उन्होंने कहा, 'ऐसी टिप्पणियों को एक बैकग्राउंड के रूप में समझने की जरूरत है। मुख्य मुद्दा अवैध लोगों को यहां से वापसी का है। जाहिर है, इसके लिए बांग्लादेश के सहयोग की जरूरत है। बांग्लादेश के पास नागरिकता सत्यापन के 2,860 से ज्यादा मामले लंबित पड़े हैं, और इनमें से कई मामले पांच साल से भी ज्यादा समय से लंबित हैं। हमारी नीति है कि जो भी अवैध तरीके से रह रहे हैं, उन्हें यहां से जाना पड़ेगा। हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश राष्ट्रीय सत्यापन करेगा ताकि अवैध रूप से रह रहे लोगों को वापस भेजा जा सके।' वहीं, आईडब्ल्यूटी यानी सिंधु जल संधि को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा, 'सिंधु जल संधि पर हमारा रुख हमेशा एक जैसा रहा है। पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा दिए जाने के जवाब में आईडब्ल्यूटी को फिलहाल रोक दिया गया है। पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद के समर्थन पूरी तरह और हमेशा के लिए छोड़ देना चाहिए।'

जायसवाल ने यह भी कहा कि आतंकवाद लंबे समय से पाकिस्तान की राज्य नीति का हिस्सा रहा है और भारत को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने का पूरा अधिकार है। 7 मई की देर रात भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था; उसकी पहली वर्षगांठ पर सरकार ने कहा कि पूरी दुनिया ने पहलगाम आतंकी हमले की गंभीरता को देखा था और भारत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का करारा जवाब दिया था।

सुवेंदु अधिकारी के पीए की हत्या में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद

मालिक की नहीं हुई पहचान

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा में निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या की जांच कर रही विशेष जांच टीम ने उस मोटरसाइकिल को गुरुवार दोपहर को बरामद कर लिया, जिसका इस्तेमाल इस जघन्य हत्याकांड में किया गया था। हालांकि, जांच अधिकारी हत्या में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल और चार-पहिया वाहन के मालिकों की असली पहचान को लेकर अभी भी असमंजस में हैं। शुरुआती जांच में यह पता चला कि बुधवार रात जब अधिकारी के पीए भाजपा के एक कार्यक्रम से घर लौट रहे थे, तो मोटरसाइकिल सवार उनका पीछा कर रहा था, जिसे हत्यारा चला रहा था। अधिकारी के पीए की गाड़ी जैसे ही उत्तरी 24 परगना जिले के मध्यमग्राम स्थित दोहरिया क्रॉसिंग पर पहुंची, एक दूसरी चार-पहिया गाड़ी ने उनकी गाड़ी का रास्ता रोक दिया। जैसे ही रथ की गाड़ी उस चार-पहिया वाहन द्वारा रोके जाने के बाद रुकी, हेलमेट पहने हत्यारे द्वारा चलाई

जा रही मोटरसाइकिल उसके बगल में आकर रुकी और उसने बहुत करीब से अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिससे रथ की मौके पर ही मौत हो गई और उनकी गाड़ी का ड्राइवर बुद्धदेव बेरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

'यह अंत नहीं, नई शुरुआत है'

केरल चुनाव में हार के बाद पहली बार बोले विजयन

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम । पिनराई विजयन ने केरल विधानसभा चुनाव में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को मिली अप्रत्याशित हार के बाद पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने जनता के जनादेश को विनम्रता से स्वीकार करते हुए यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को जीत की बधाई दी और कहा कि एलडीएफ जनता का भरोसा दोबारा जीतने के लिए और अधिक मजबूती से काम करेगा। पिनराई विजयन ने कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे एलडीएफ के लिए पूरी तरह अप्रत्याशित रहे। उन्होंने कहा कि तमाम 'विरोधी अभियानों और हमलों' के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों ने एलडीएफ के साथ मजबूती से खड़े रहकर समर्थन दिया, जो उनके लिए आत्मविश्वास की बात है। उन्होंने कहा कि लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की उम्मीद टूटने के बावजूद यह जनसमर्थन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एलडीएफ के लिए यह जनादेश अंत नहीं, बल्कि

निरंतर राजनीतिक कार्य का एक नया प्रारंभ है। विजयन ने भरोसा जताया कि पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं ने समाज में बड़े बदलाव लाए हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं को रुकने से बचाने और आगे बढ़ाने के लिए मजबूत जनजागरूकता की जरूरत है।

पहले सरकारों का धन कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल, कब्जों और जातीय-साम्प्रदायिक तुष्टीकरण में खर्च होता था: सीएम योगी

'डबल इंजन सरकार की नीतियों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तस्वीर व तकदीर, दोनों बदली हैं'

एजेंसी

सहारनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अब 'तुष्टीकरण' नहीं, बल्कि 'संतुष्टिकरण' की राजनीति हो रही है। पहले सरकारों का धन कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल, कब्जों और जातीय-साम्प्रदायिक तुष्टीकरण में खर्च होता था, लेकिन आज वही पैसा सड़क, विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स कॉलेज, आरसीसी ड्रेन, एक्सप्रेसवे और धार्मिक-पर्यटन स्थलों के विकास में लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर, जो कभी दंगों, फतवों, पलायन के कारण बदनाम था, आज विकास, कनेक्टिविटी और औद्योगिक प्रगति की नई पहचान बन चुका है। मां शाकम्भरी धाम के पुनरुद्धार से लेकर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, प्रस्तावित एयरपोर्ट, स्पोर्ट्स कॉलेज, स्मार्ट सिटी परियोजनाओं और इंडस्ट्रियल-लॉजिस्टिक हब तक, सहारनपुर में विकास की नई धारा बह रही है। सीएम योगी गुरुवार को

सहारनपुर में 2,131 करोड़ रुपए की 325 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास/लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार की नीतियों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तस्वीर व तकदीर, दोनों बदली हैं। पहले सहारनपुर से दिल्ली पहुंचने में 6 घंटे और लखनऊ पहुंचने में 12-14 घंटे लगते थे, लेकिन अब एक्सप्रेसवे और आधुनिक कनेक्टिविटी के कारण दिल्ली मात्र ढाई घंटे और लखनऊ करीब 6 घंटे की दूरी पर रह गया है। उन्होंने कहा कि जो तत्व विकास में बाधक बनते हैं, वे जाति व तुष्टीकरण की राजनीति से समाज को बांटने का प्रयास करते हैं, लेकिन अब जनता विकास, सुरक्षा और राष्ट्रवाद के साथ खड़ी है। अच्छी सरकारें चुनी जाती हैं तो परिणाम भी अच्छे आते हैं और सहारनपुर इसका जीवंत उदाहरण बनकर उभरा है।सीएम योगी ने कहा कि सहारनपुर वही जनपद है, जहां वर्ष 2013 से 2016 तक दंगे, कर्फ्यू, पलायन और अराजकता का माहौल बना रहता था।

शिक्षा, खेल और उद्योग का कोई बड़ा केंद्र नहीं था। किसान परेशान था, नौजवान पलायन कर रहा था और व्यापारी भय में जी रहे थे। फतवों और कुसंस्कृति के कारण देवबंद बदनाम हो चुका था।

पर्दाफाश : जैन मुनि को फंसाने वाले कथित सिंडिकेट का भंडाफोड़

धर्म की आड़ में रची गई ब्लैकमेलिंग की सबसे बड़ी साजिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। ईडर से एक ऐसी सनसनीखेज सच्चाई सामने आई है, जिसने पूरे जैन समाज को झकझोर कर रख दिया है। यह कहानी सिर्फ एक आरोप की नहीं है, बल्कि करोड़ों रुपये ऐंठने के लिए संतों की छवि को दांव पर लगाने वाले एक संगठित गिरोह की है। महानगर मेट्रो न्यूज़ आज इस पूरी 'चांडाल चौकड़ी' और उनके घिनौने खेल का पर्दाफाश कर रहा है।

कैसे बुना गया साजिश का जाल?

पूरा मामला ईडर के जैन मुनि राजतिलक सागरजी महाराज से जुड़ा है। एक सोची-समझी और सुनियोजित साजिश के तहत उन्हें कथित हनीट्रैप में फंसाने की कोशिश की गई और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी गई। शुरुआती दौर में इस खबर ने समाज में हड़कंप मचा दिया था।

साजिशकर्ताओं का मकसद साफ था– दबाव बनाना और करोड़ों रुपये की ब्लैकमेलिंग करना। लेकिन जब पुलिस ने इस मामले की गहराई से जांच शुरू की, तो झूठ के सारे महल ताश के पत्तों की तरह ढहने लगे।

मास्टरमाइंड और पैसों के खेल का पर्दाफाश

जांच और न्यायिक प्रक्रिया में मुनि राजतिलक सागरजी महाराज पूरी तरह बेदाग और निर्दोष साबित हुए। लेकिन इस केस का सबसे बड़ा और चौंकाने वाला ट्विस्ट तब आया, जब शिकायतकर्ता किरण हर्षद भाई दोशी और उनकी पत्नी ने खुद एक एफिडेविट (हलफनामा) पेश किया। इस हलफनामे में उन्होंने साफ तौर पर अपनी मंशा जाहिर करते हुए कबूल किया कि यह पूरा षड्यंत्र सिर्फ और सिर्फ आर्थिक लाभ के लिए रचा गया था।

सूत्रों और सामने आए तथ्यों के अनुसार, यह कोई छिटपुट घटना नहीं थी। इस पूरे ब्लैकमेलिंग रैकेट और कथित चांडाल चौकड़ी के मास्टरमाइंड जगत पारेख, विक्रम सिंघवी, हार्दिक हुडिया और विक्रम बाफना बताए जा रहे हैं।

इसी गिरोह ने जैन समुदाय को बदनाम करने और पैसों की उगाही के लिए यह पूरा मास्टरप्लान तैयार किया था।

जैन समाज में भारी आक्रोश और सख्त कार्रवाई की मांग

सच्चाई सामने आने के बाद जैन समाज के हर वर्ग में भारी रोष और चिंता है।

समाज के प्रतिनिधियों का स्पष्ट कहना है कि यह केवल एक संत पर नहीं, बल्कि पूरे धर्म और उसकी साख पर किया गया सीधा हमला है। प्रतिष्ठित लोगों को टारगेट करने वाली इस कथित गैंग को लेकर अब समाज में निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

महानगर मेट्रो का स्टैंड

महानगर मेट्रो न्यूज़ इस पूरे सिंडिकेट और इनके द्वारा रचे गए कांडों को जैन समुदाय के सामने बेनकाब करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस जांच और न्यायपालिका ने दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया है।

धर्म की आड़ में ब्लैकमेलिंग का धंधा चलाने वाले इन चेहरों की सच्चाई अब सबके सामने है। हमारा उद्देश्य तथ्यों को सामने लाना है ताकि भविष्य में कोई भी गिरोह आस्था और विश्वास के साथ इस तरह का खिलवाड़ न कर सके। सच्चाई की जीत हुई है, लेकिन साजिशकर्ताओं के खिलाफ असली लड़ाई अब शुरू हुई है।

चारधाम यात्रा में अब तक 7.72 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

एजेंसी

देहरादून । उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पिछले 19 दिन से जारी है। बड़ी संख्या में लोग श्रद्धाभाव के साथ दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। नतीजन, चारधाम में अब तक 7 लाख 72 हजार से अधिक श्रद्धालुओं में दर्शन किए हैं।

जानकारी के अनुसार, चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से केदारनाथ में लगभग 3 लाख 45 हजार श्रद्धालु पहुंचे हैं, जबकि बद्रीनाथ धाम में 1 लाख 85 हजार के करीब श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। वहीं, यमुनोत्री में तकरीबन 1 लाख 16 हजार श्रद्धालु पहुंचे हैं, जबकि गंगोत्री में 1 लाख 15 हजार से अधिक श्रद्धालु आए हैं। चारधाम यात्रा के लिए अभी भी श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, लेकिन श्रद्धालुओं के लिए यात्रा चुनौतीपूर्ण भी बनी हुई है। 19 अप्रैल से शुरू हुई चारधाम यात्रा में अब तक स्वास्थ्य कारणों से 29 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है।

पुष्कर में विदेशी महिला ने ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी में कठिन साधना का लिया संकल्प

अजमेर। पुष्कर में रूस मूल की विदेशी साधिका और नाथ संप्रदाय में दीक्षित योगिनी अन्नपूर्णा नाथ ने ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी में कठिन अग्नि तपस्या का संकल्प लिया है। छोटी बस्ती स्थित श्मशान स्थल पर अघोरी सीताराम बाबा के आश्रम में उन्होंने नौ धधकती धूनियों के बीच 21 दिवसीय अग्नि तपस्या प्रारंभ की है। यह तपस्या 3 मई से शुरू हुई है, जो 25 मई तक चलेगी। इस दौरान योगिनी अन्नपूर्णा नाथ प्रतिदिन सवा तीन घंटे तक धधकती धूनियों के मध्य बैठकर शिव साधना और गुरु बीज मंत्र का जाप करेंगी। साधना के दौरान प्रतिदिन हवन, पूजन और आरती का आयोजन भी किया जा रहा है। तपस्या की पूर्णाहुति 25 मई को संत भंडारे के साथ होगी। योगिनी अन्नपूर्णा नाथ ने अपने गुरु बाल योगी दीपक नाथ रमते राम के सान्निध्य में इस तपस्या का आरंभ किया है।

'118 विधायक लाओ, तभी होगी शपथ'

अड़े तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र

विजय को दूसरी बार राजभवन से वापस भेजा

एजेंसी

कोलकाता । तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर सस्पेंस अभी बरकरार है। टीवीके प्रमुख विजय आज एक बार फिर राजभवन पहुंचे और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। हालांकि राज्यपाल ने साफ संकेत दे दिए हैं कि केवल सबसे बड़ी पार्टी होने भर से सरकार बनाने का रास्ता आसान नहीं होगा। सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल अपने रुख पर कायम हैं कि विजय को पहले विधानसभा में बहुमत का स्पष्ट आंकड़ा दिखाना होगा। राजभवन का मानना है कि तमिलनाडु जैसे बड़े राज्य में अस्थिर सरकार का जोखिम नहीं लिया जा सकता, इसलिए 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन साबित करना अनिवार्य होगा।

टीवीके के पास कितनी सीटें?

दरअसल, 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा

हासिल किया था। हालांकि विजय खुद दो सीटों से चुनाव जीते हैं और नियमों के मुताबिक उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। ऐसे में पार्टी की प्रभावी संख्या 107 रह जाएगी।

कांग्रेस ने दिया टीवीके को समर्थन

सरकार बनाने की कोशिश में टीवीके को उस समय बड़ी राहत मिली जब कांग्रेस ने डीएमके गठबंधन से अलग होकर विजय को समर्थन देने का फैसला किया। कांग्रेस के पांच विधायक टीवीके के साथ आए, लेकिन इसके बाद भी आंकड़ा केवल 112 तक पहुंच पाया। यानी बहुमत के जादुई आंकड़े 118 से अभी भी छह विधायक कम हैं। यही वजह है कि राज्यपाल ने फिलहाल शपथ ग्रहण को लेकर कोई हरी झंडी नहीं दी है।

विजय ने सरकार बनाने का दावा किया था पेश

विजय ने कांग्रेस के समर्थन पत्र के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया था। इसके अगले ही दिन वह फिर राजभवन पहुंचे। माना जा रहा है कि इस दौरान सरकार गठन के गणित और समर्थन जुटाने को लेकर चर्चा हुई। हालांकि राजभवन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

नोएडा एयरपोर्ट से 15 जून को पहली उड़ान, टिकट की बुकिंग शुरू

एजेंसी

नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 15 जून को पहली फ्लाइट बेंगलुरु के लिए जाएगी। यह फ्लाइट लखनऊ से नोएडा हवाई अड्डे होकर बेंगलुरु जाएगी। इसके लिए टिकट की बुकिंग शुरू हो गई है। पहली फ्लाइट इंडिगो एयरलाइंस की होगी। अकासा और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने नोएडा एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू करने की तिथि अभी घोषित नहीं की है। नोएडा हवाई अड्डे को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो से एयरपोर्ट सिक्योरिटी प्रोग्राम अप्रूवल मिलने के बाद इंडिगो ने 15 जून से विमान सेवा शुरू करने की घोषणा की थी। गुरुवार शाम को हवाई अड्डे से पहली फ्लाइट का शेड्यूल भी घोषित कर दिया गया। इंडिगो की फ्लाइट लखनऊ से नोएडा एयरपोर्ट आएगी और यहां से बेंगलुरु जाएगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि यह फ्लाइट सुबह आठ बजे के करीब यहां पहुंचेगी और कुछ देर नोएडा एयरपोर्ट पर रुकने के बाद बेंगलुरु के लिए रवाना हो जाएगी। देश के अन्य शहरों के लिए फ्लाइट शेड्यूल भी देर रात तक सामने आ जाएगा।

पश्चिम बंगाल में मतदान प्रक्रिया समाप्त

आयोग ने दो विशेष पर्यवेक्षकों को पद से मुक्त किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद चुनाव आयोग ने राज्य में नियुक्त दो विशेष पर्यवेक्षकों को उनके पद से मुक्त कर दिया है। आयोग ने राज्य में चुनाव की निगरानी के लिए विशेष पर्यवेक्षक के रूप में सुब्रत गुप्ता और विशेष पुलिस पर्यवेक्षक के रूप में एनके मिश्रा को नियुक्त किया था। गुरुवार को आयोग ने दोनों को पत्र भेजकर उनकी जिम्मेदारी समाप्त करने की जानकारी दी।

आयोग ने अपने पत्र में कहा कि राज्य में चुनावी प्रक्रिया अब पूरी तरह समाप्त हो चुकी है, इसलिए विशेष पर्यवेक्षक के पद से उन्हें मुक्त किया जा रहा है। आयोग ने बताया कि दोनों अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई थी और उन्होंने अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन किया। गौरतलब है कि, पिछले वर्ष अक्टूबर में राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया शुरू होने के समय से ही सुब्रत गुप्ता को विशेष रोल पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। बाद में उनके काम को देखते हुए उन्हें बंगाल विधानसभा चुनाव का विशेष पर्यवेक्षक बनाया गया। वहीं, विधानसभा चुनाव के लिए सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी एनके मिश्रा को विशेष पुलिस पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब राज्य में मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों को इस जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है।

TCS केस में चौंकाने वाला खुलासा !

TCS केस में चौंकाने वाला खुलासा, टीम लीडर तौसीफ अत्तार हिंदू कर्मचारियों को नमाज़ पढ़ने के लिए मजबूर करने का मास्टरमाइंड है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नासिक/अहमदाबाद। IT की बड़ी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ की नासिक यूनिट में हुई घटना ने पूरे देश में हलचल मचा दी है। 26 मार्च से 3 अप्रैल, 2026 के बीच 9 महिला कर्मचारियों द्वारा FIR दर्ज कराए जाने के बाद, अब इस मामले में काले सच सामने आ रहे हैं। जांच में पता चला है कि इस पूरे स्कैम का मास्टरमाइंड कोई और नहीं बल्कि टीम लीडर तौसीफ अत्तार है। ऑफिस में धर्मांतरण का ज़हरः शिव-ब्रह्मा का अपमान तौसीफ अत्तार के खिलाफ दर्ज 6 FIR में बहुत गंभीर आरोप लगाए गए हैंः ज़ जबरन नमाज़ः तौसीफ पर आरोप है कि उसने हिंदू कर्मचारियों को ऑफिस में नमाज़ पढ़ने के लिए मजबूर किया।

• **धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचानाः** जांच में पता चला कि उसने हिंदू देवी-देवताओं, खासकर भगवान शिव और ब्रह्मा के बारे में अपमानजनक कमेंट किए और उनका अपमान किया।

सेक्सुअल हैरेसमेंटः महिला कर्मचारियों ने भी उस पर काम की जगह पर सेक्सुअल हैरेसमेंट और धमकाने का आरोप लगाया है।

धर्मांतरण का केस क्यों कमज़ोर है?

एक तरफ, जांच में धार्मिक अपमान की बातें सामने आई हैं, लेकिन सूत्र बता रहे हैं कि 'धर्मांतरण' का केस कानूनी तौर पर कमज़ोर पड़ रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कर्मचारियों पर धार्मिक काम करने का दबाव बनाया जा रहा था, लेकिन कानूनी तौर पर धर्मांतरण के अभी तक काफ़ी सबूत नहीं मिले हैं। पुलिस अभी इसकी और गहराई से जांच कर रही है।

ऑफिस में डर का माहौलः 20 कर्मचारियों ने दिया इस्तीफ़ा इस विवाद और तौसीफ़ की हैरेसमेंट से तंग आकर अब तक TCS नासिक ऑफिस से करीब 20 कर्मचारियों ने इस्तीफ़ा दे दिया है। कर्मचारियों का कहना है कि ऑफिस का माहौल बहुत ज़्यादा ज़हरीला हो गया था और टीम लीडर को लगातार मानसिक रूप से टॉर्चर किया जा रहा था। पुलिस की कार्रवाई और कंपनी का रुख नासिक पुलिस ने तौसीफ़ अत्तर के खिलाफ़ कई धाराओं में केस दर्ज किया है और आगे की जांच कर रही है। दूसरी तरफ, TCS जैसी नामी कंपनी के कैंपस में ऐसी गतिविधियां कैसे चल रही थीं, यह भी एक बड़ा सवाल है। इस मामले के बाद IT सेक्टर में काम करने वाली महिलाओं की सुरक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता पर गंभीर चर्चा शुरू हो गई है।

अहमदाबाद साइबर क्राइम का 'वांटेड' फ्रॉड करने वाला आकिब लखेपोटा गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। भावनगर पुलिस ने उन अपराधियों पर नज़र रखी है जो धोखाधड़ी, जालसाजी और नकली डॉक्यूमेंट बनाकर पुलिस से बच रहे हैं। अहमदाबाद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज गंभीर अपराधों में शामिल आरोपी को भावनगर पैरोल फ्लो स्क्वॉड ने फिल्मी अंदाज में हलुरिया चौक से पकड़ा है। सूचना मिली और जाल बिछाया पैरोल फ्लो स्क्वॉड के स्टाफ को खास जानकारी मिली कि अहमदाबाद में साइबर धोखाधड़ी और डॉक्यूमेंट से छेड़छाड़ के अपराध में वॉन्टेड आरोपी आकिब जुसबभाई लखेपोटा (निवासी डूंगरपुर, ता. पालिताना) इस समय भावनगर शहर में है। जानकारी के आधार पर पुलिस ने हलुरिया चौक के पास निगरानी रखी और संदिग्ध हालत में खड़े आकिब को पकड़ लिया। आरोपी का क्रिमिनल हिस्ट्री पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी आकिब पर अहमदाबाद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में ये केस दर्ज हैंः धोखा और धोखाधड़ी झूठे डॉक्यूमेंट बनाना (जालसाजी) इंडियन पीनल कोड और IT एक्ट की कई गंभीर धाराओं के तहत क्राइम रजिस्टर्ड हैं। वह लंबे समय से गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार था, लेकिन भावनगर पुलिस की सतर्कता ने उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। गंगाजलिया पुलिस को सौंपा गया पैरोल फ्लो स्क्वॉड ने कानूनी कार्रवाई करते हुए आकिब लखेपोता को हिरासत में लिया है और आगे की जांच के लिए उसे गंगाजलिया पुलिस स्टेशन को सौंप दिया है। अब अहमदाबाद साइबर क्राइम पुलिस ट्रांसफर वारंट के आधार पर उसे अपने कब्जे में लेगी, ताकि इस धोखाधड़ी के नेटवर्क में और कितने लोग शामिल हैं, इसकी जानकारी सामने आ सके।

फुलवासन बाई यादव को अपहरणकर्ता ले जा रहे थे ट्रेफिक पुलिस की सूझबूझ से किडनैपर चढ़े पुलिस के हत्थे 5 आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। जिला पुलिस ने अपनी सक्रियता और सूझबूझ से एक बड़ी वारदात को होने से पहले ही टाल दिया है। पुलिस ने पद्मश्री सम्मानित श्रीमती फूलबासन बाई यादव के अपहरण के प्रयास को विफल करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह पूरी कार्रवाई चुस्त दुरुस्त पुलिसिंग का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आई है।

चेकिंग के दौरान खुला राज

?घटना 5 मई 2026 की सुबह करीब 11:00 बजे की है। गडुला रोड क्षेत्र में ट्रैफिक इंस्पेक्टर नवरत्न कश्यप, आरक्षक कपिल श्रीवास्तव और सुखदेव साहू नियमित वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो (नंबर CG08//2334) को संदिग्ध मानकर रोका गया। मिर्गी का बहाना बनाकर पुलिस को बरगलाने की कोशिश वाहन की जांच के दौरान पीछे बैठी महिला (श्रीमती फूलबासन बाई) की स्थिति असामान्य दिखी। जब पुलिस ने पूछताछ की, तो वाहन में सवार व्यक्तियों ने उन्हें 'मिर्गी की मरीज' बताकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस टीम की सतर्कता और महिला द्वारा दिए गए इशारे के बाद टीम ने तत्काल हस्तक्षेप किया और सभी को नीचे उतारकर पूछताछ की।

मिर्च स्प्रे और धमकी के दम पर किया था अपहरण

?पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने श्रीमती फूलबासन बाई यादव को बहला-फुसलाकर वाहन में बैठाया था और जबरन ले जा रहे थे। आरोपियों ने उन्हें मिर्च स्प्रे दिखाकर जान से मारने की धमकी दी थी और उन पर महिला समूह व अन्य कार्यों को लेकर दबाव बना रहे थे। गिरफ्तार आरोपी और बरामदगी पुलिस ने इस मामले में धारा 140(1), 140(3), 351(3), और 61(2) BNS के तहत अपराध क्रमांक 182/2026 दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम इस प्रकार हैंः खुशबू साहू (27 वर्ष) - बेमेतरा सलोनी महेश्वरी - बेमेतरा दिनेश बंजारे (35 वर्ष) - बेमेतरा गोपाल खेलवार (25 वर्ष) - दुर्ग चिनक राम साहू (38 वर्ष) - बेमेतरा पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन, मोबाइल फोन और मिर्च स्प्रे बरामद किया है। पुलिस टीम को मिलेगा पुरस्कारपुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन मार्गदर्शन में हुई इस त्वरित कार्रवाई की चहुंओर प्रशंसा हो रही है। महानिरीक्षक राजनांदगांव बालाजी राव और एसपी अंकिता शर्मा ने इस साहसी कार्य के लिए पुलिस टीम को उचित पुरस्कार देने की घोषणा की है।

बाइट एसपी अंकिता शर्मा राजनांदगांव

इस जुनून को सलाम! 85 साल की उम्र में गुजराती दादाजी मुंबई के हाईवे पर 'ट्रैफिक सिंघम' बन गएः न सैलरी चाहिए न यूनिफॉर्म

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कांदिवली। कहते हैं कि सेवा करने के लिए पद या पावर की ज़रूरत नहीं होती, बस मन में पक्का इरादा होना चाहिए। 85 साल के पक्के इरादे वाले गुजराती बुज़ुर्ग भरतभाई पांचाल ने इसे सच साबित कर दिया है। मुंबई के बिज़ी वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर, कांदिवली (ईस्ट) में ठाकुर कॉम्प्लेक्स सिग्नल के पास, हर शाम एक नज़ारा सबका ध्यान खींचता है - एक बुजुर्ग हाथ में सीटी और टॉर्च लिए ट्रैफिक कंट्रोल कर रहे हैं। कोई मतलब नहीं, बस नागरिकों की सुरक्षा ही रास्ता है भरतभाई लंबे समय से यहां अपनी सेवा दे रहे हैं, हर दिन शाम 4:30 बजे से रात 8 बजे तक, बिना एक भी दिन मिस किए। उनकी खासियत यह है कि

• **कोई सैलरी नहींः** वे इस काम के लिए एक भी रुपया नहीं लेते। ज़ कोई यूनिफॉर्म नहींः पुलिस की तरह उनके पास कोई ऑफिशियल यूनिफॉर्म नहीं होती, फिर भी गाड़ी चलाने वाले उनकी इज्ज़त करते हैं।

• **नियमों का पालनः** वे गलत लेन में जाने वालों को रोकते हैं और गाड़ी चलाने वालों से हेलमेट और सीटबेल्ट पहनने की अपील करते हैं।

यहां तक कि ट्रैफिक पुलिस का ऑफर भी विनम्रता से मना कर दिया। भरतभाई की बिना स्वार्थ की सेवा को देखकर, मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने उन्हें ऑफिशियल 'ट्रैफिक वार्डन' बनने और रिफ्लेक्टर जैकेट पहनने का ऑफर दिया। लेकिन, इस दानी बुजुर्ग ने विनम्रता से इसे मना कर दिया। उनका साफ मानना है, 'मैं यह काम पैसे या पद के लिए नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए करता हूं।' जहां आज की पीढ़ी कम उम्र में ही थक जाती है, वहीं 85 साल के भरतभाई बिना किसी दवा के एकदम फिट हैं। वे कहते हैं, 'हर दिन नए लोगों से मिलना और उन्हें नियम समझाना ही मेरी एनर्जी है। यह बिना स्वार्थ की सेवा मुझे मेंटली और फिजिकली हेल्दी रखती है।' पूरा जंक्शन उन्हें श्रद्धांजलि देता है सालों पहले, जब इस जंक्शन पर ट्रैफिक और एक्सीडेंट बढ़ गए थे, तो भरतभाई ने खुद यह चैलेंज लिया था। आज, हालात ऐसे हैंः लोकल व्यापारी, चाय वाले और नारियल बेचने वाले उन्हें पूरा सपोर्ट करते हैं।

• ट्रैफिक पुलिस ने खुद उन्हें सबके सामने श्रद्धांजलि दी है।

• उनकी मौजूदगी की वजह से, इस सिग्नल पर ट्रैफिक नियम तोड़ना बहुत कम हो गया है।

वडोदरा पुलिस की बड़ी कार्रवाईः अंकोदिया में लड़की की हत्या की गुत्थी कुछ ही घंटों में सुलझी, कातिल को जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। कल्चरल सिटी को हिला देने वाले अंकोदिया मर्डर केस में वडोदरा रूरल पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। खेत में गला रेतकर मिली लड़की के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है और कुछ ही घंटों में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या थी पूरी घटना?

पिछली तारीख। 04 मई, 2026 को शाम को, अंकोदिया गांव के बाहरी इलाके में एक अनजान लड़की की लाश मिली, जो वडोदरा तालुका पुलिस स्टेशन के दायरे में आता है।
ज़ डरावना मंजरः करीब 22 से 25 साल की लड़की के गले में केबल का तार लिपटा हुआ था, जो साफ तौर पर हत्या की ओर इशारा कर रहा था।
ज़ तुरंत एक्शनः घटना की गंभीरता को देखते हुए, वडोदरा रूरल पुलिस की अलग-अलग टीमें, L.C.B. और FSL की मदद से जांच में शामिल हुईं। पुलिस ने कैसे सुलझाई गुत्थी?
मौके पर मिले सबूतों और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से पुलिस आरोपी तक पहुंचने में कामयाब हो गई है। लड़की की पहचान के बाद जब उसके संपर्क में रहे संदिग्धों से पूछताछ की गई, तो हत्यारा टूट गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

हत्या के पीछे क्या वजह है?

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस दुखद घटना के पीछे आपसी रंजिश या प्रेम संबंध मुख्य वजह हो सकती है। हालांकि, आरोपी से कड़ी पूछताछ के बाद ही हत्या की सही वजह का पता चलेगा। पुलिस की तारीफः जिस तरह से वडोदरा ग्रामीण पुलिस ने लोगों में फैले डर के माहौल के बीच कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार किया है, उसकी पूरे इलाके में तारीफ हो रही है।

माइनिंग डिपार्टमेंट की टीम ने सुरेंद्रनगर में मिनरल माफिया पर छापा माराः चोरवीरा में करोड़ों की मिनरल चोरी पकड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर। झालावाड़ की ज़मीन पर कब्ज़ा जमाए बैठे मिनरल माफियाओं पर सुरेंद्रनगर माइनिंग डिपार्टमेंट ने नज़रें गड़ा दी हैं। सायला तालुका के चोरवीरा गांव के बाहरी इलाके में चल रही गैर-कानूनी माइनिंग की गतिविधियों पर सुबह-सुबह छापा मारकर टीम ने करोड़ों रुपये की मिनरल चोरी का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में कुल ?1.10 करोड़ ज़ब्त किए गए हैं, जिससे माइनर्स में दहशत फैल गई है।

सीक्रेट इंटेलिजेंस और सर्जिकल स्ट्राइक

माइनिंग डिपार्टमेंट को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि सायला पंथक में रात के अंधेरे में जियोलॉजिकल रिसोर्स चोरी किए जा रहे हैं। जानकारी के आधार पर, अधिकारियों की एक टीम ने चोरवीरा गांव के बाहरी इलाके में अचानक छापा मारा। पुलिस और मिनरल डिपार्टमेंट के काफिले को देखकर मिनरल माफिया घबरा गए। जांच में क्या मिला? (मामले की डिटेल्स) मौके पर जांच के दौरान पता चला कि बिना किसी परमिशन के बड़े पैमाने पर कार्बन और पत्थर की गैर-कानूनी माइनिंग की जा रही थी। डिपार्टमेंट ने ये कार्रवाई की हैः हिताची मशीन और डंपरः माइनिंग में इस्तेमाल होने वाली भारी मशीनें और गाड़ियां ज़ब्त कर ली गई हैं। कीमतः ज़ब्त किए गए सामान की अनुमानित कीमत ?1,10,00,000 (एक करोड़ दस लाख) आंकी गई है।

• **पेनल्टी की कार्रवाईः** मौके पर मिले मिनरल की मात्रा का मापन किया गया है और ज़िम्मेदार लोगों पर करोड़ों रुपये का जुर्माना लगाने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

मिनरल माफिया में खलबली

सुरेंद्रनगर जिले में मिनरल चोरी एक पुरानी समस्या रही है, लेकिन माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट की इस नई कार्रवाई से गैर-कानूनी कामों में शामिल लोगों में खलबली मच गई है। अधिकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में सायला, मूली और थान पंथकों में भी इसी तरह की छापेमारी की जाएगी।

शादी की रात पति का राज़ खुलाः दूल्हा देर रात उठकर मेकअप करने लगा, पत्नी बोली - 'मेरा पति गे है!'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरिद्वार। शादी के सात फेरे, खुशबूदार फूलों की क्यारियां और नई ज़िंदगी के सपने... एक दुल्हन के लिए इससे बड़ी खुशी और क्या हो सकती है? लेकिन हरिद्वार की एक युवती के लिए यह खुशी बस कुछ ही घंटों की मेहमान साबित हुई। शादी की पहली ही रात जब उसके पति की असली सच्चाई सामने आई तो दुल्हन के पैरों तले से ज़मीन खिसक गई। अपनी पसंद के युवक से शादी करने के बाद पत्नी को पता चला कि उसका पति 'गे' (होमोसेक्सुअल) है।

मेकअप का शौकीन पतिः रात में उठकर मेकअप करने लगता है पीड़िता ने राज्य महिला आयोग में दर्ज अपनी शिकायत में चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। पत्नी ने कहा किः ज़ शादी की रात पति ने फिजिकल इंटरकोर्स करने से साफ मना कर दिया था। पति अचानक रात में उठता है और पत्नी की तरह मेकअप करने लगता है और अजीब हरकतें करता है। ज़ पत्नी का दावा है कि युवक ने अपनी पहचान छिपाकर उसे धोखा दिया और शादी कर ली। **परिवार का गुस्साः** 'अपनी बेटी की ज़िंदगी क्यों बर्बाद की?' इस घटना के सामने आने के बाद दुल्हन का परिवार सदमे में है। इसी साल हरियाणा के यमुनानगर के रहने वाले युवक ने बड़ी धूमधाम से शादी की थी। पीड़ित के पिता ने नम आंखों से कहा, 'अगर उनका बेटा गे था, तो उसने हमारी बेटी की शादी करके उसकी ज़िंदगी नरक क्यों बना दी? ससुराल वालों ने जानबूझकर हमें अंधेरे में रखा और धोखा दिया।

महिला आयोग में शिकायत

धोखाधड़ी का शिकार हुई नवविवाहिता ने अब न्याय की उम्मीद लेकर महिला आयोग का दरवाज़ा खटखटाया है। ससुराल वालों और पति के खिलाफ गंभीर धाराओं में कार्रवाई की मांग की गई है। इस मामले ने सोशल मीडिया पर भी बड़ी बहस छेड़ दी है कि शादी जैसे पवित्र रिश्ते में इस तरह की धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

होटल में कमरा न मिलने पर पुलिसवाला 'गुंडा' बना, युवक को बाल पकड़कर ताने मारे, वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की ज़िम्मेदारी निभाने वाले पुलिसवाले ही जब रक्षक की जगह भक्षक बन जाएं, तो जनता किसके पास जाए? अहमदाबाद में पुलिस की गुंडागर्दी का एक शर्मनाक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिसमें एक पुलिसवाला आम नागरिक को धमकाते और पीटते हुए दिख रहा है। **क्या है पूरा मामला?** वायरल वीडियो के मुताबिक, घटना एक होटल में हुई मानी जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिकः झगड़े की वजहः पुलिसवाला कमरा मांगने होटल पहुंचा था। लेकिन, होटल में कमरा न होने की वजह से वहां मौजूद युवक ने कमरा देने में अपनी असमर्थता दिखाई। पुलिसवाले गुस्से में थेः कमरा न मिलने पर पुलिसवाला होश खो बैठा और गुंडों जैसी हरकतें करने लगा। वीडियो में देखा जा सकता है कि पुलिसवाले ने युवक के बाल खींचे और उसे बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। गुंडागर्दी कैमरे में कैद यह पूरी हरकत होटल में लगे CCTV या वहां मौजूद लोगों के मोबाइल फोन में कैद हो गई। वीडियो में पुलिसवाले का रवैया और आम युवक की बेबसी साफ दिख रही है। अपनी 'खाकी' का रौब दिखाकर एक आम नागरिक का अपमान करने का यह वीडियो जैसे ही वायरल हुआ, लोगों में काफी गुस्सा है। **सवाल उठता हैः** क्या एक खाकी के लिए कानून अपने हाथ में लेना जायज़ है? इस घटना के बाद कई सवाल उठे हैंः क्या पुलिसवाला होने के नाते किसी को किसी भी नागरिक पर हाथ उठाने का अधिकार है? अगर आम जनता की सुरक्षा के लिए नियुक्त पुलिसवाले ही गुंडागर्दी करेंगे, तो लोगों का पुलिस पर से भरोसा क्यों नहीं उठेगा? क्या बड़े अधिकारी इस 'गुंडा' पुलिसवाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे और एक मिसाल कायम करेंगे? जनता की मांगः लोग इस वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं और पुलिस कमिश्नर से मांग कर रहे हैं कि ऐसे पुलिसवाले को तुरंत सस्पेंड किया जाए और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। वडोदरा या सूरत की तरह अब अहमदाबाद में भी पुलिस का ऐसा व्यवहार चिंता का विषय बन गया है।

9 मई को शपथ ग्रहण समारोह शुभेंदु अधिकारी की लॉटरी लग सकती है पश्चिम बंगाल के अगले सीएम सुभेनदु अधिकारी के नाम में लगभग सहमति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की एकतरफा जीत ने पूरे विश्व को आश्चर्यचकित कर दिया है 207 सीटों पर बीजेपी की जीत जहां तृणमूल कांग्रेस के 15 साल की सत्ता को पल भर में उखाड़ फेंका यह एक ऐसा जीत जिसमें तृणमूल कांग्रेस के पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अब तक इस्तीफा नहीं दिया है उन्हें अब भी यकीन नहीं हो रहा है कि वह चुनाव हार चुकी है वहीं दूसरी ओर अब पश्चिम बंगाल में विधानसभा के नेता चुनने की बारी है यानी कि अब मुख्यमंत्री कौन बनेगा इस पर बहस प्रारंभ हो गई मुख्यमंत्री की दौड़ में फिलहाल सबसे अव्वल ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट से हराने वाले सुभेंदरू अधिकारी का नाम सबसे ऊपर है दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी अगर संघ पृष्ठभूमि को तरजीह देगी तो उस लिस्ट में साभिक भट्टाचार्य दिलीप घोष शामिल है जिन्होंने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को स्थापित करने में अहम रोल अदा किया है
हालांकि बीजेपी के किंगमेकर अमित शाह को पश्चिम बंगाल का पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाने से यह लगभग तय है कि लगातार दो बार तृणमूल कांग्रेस के सुप्रीमो ममता बनर्जी को मार देने वाले सुभेद्र अधिकारी की लॉटरी लग सकती है जी हां दिल्ली सुत्रो से मिली जानकारी के अनुसार शुभेंदु अधिकारी पर पूरी सहमति बन चुकी है और 9 मई यानी कि रविंद्र नाथ टैगोर की जन्म जयंती के अवसर पर सुभेद्र अधिकारी की ताजपोशी होने की पूरी पूरी संभावना दरअसल 15 वर्ष के वनवास के बाद भारतीय जनता पार्टी की पहली बार पश्चिम बंगाल में सरकार बनने जा रही है यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल की जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सुभेनदु अधिकारी को मुख्यमंत्री की ताजपोशी कर सकती है
सुभेनदु अधिकारी यह वह शख्स है जो पहले तृणमूल कांग्रेस में थे उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की पश्चिम बंगाल में वह कट्टर हिंदूवादी नेता के रूप में उभरे और भारतीय जनता पार्टी की पिछले दो-तीन वर्षों का अगर ट्रैक रिकॉर्ड देखा जाए तो वह दूसरे पार्टी से आए हुए लोगों को भी राज्य के सबसे बड़े पद में ताजपोसी करते आई है
इसका शानदार उदाहरण है पड़ोसी राज्य असम जहां पर हेमंत विश्व शर्मा को जो कि पहले कांग्रेस में थे बीजेपी में आने के बाद उन्हें चीफ मिनिस्टर की कमान सौंपी गई है जो कि पश्चिम बंगाल में स्थानीय क्षेत्रवाद का बेहद महत्व रहा है और अधिकारी पश्चिम बंगाल में जन्मा है यहीं पर उन्होंने राजनीति की है और सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने ममता बनर्जी को भारी भरकम वोटो से हराया है दूसरी बात यह है कि अपने क्षेत्र के 16 सीटों पर तृणमूल की करारी हार में अधिकारी का अहम रोल है दूसरी तरफ भाजपा के मेनिफेस्टो में भी यह शामिल है कि पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार पश्चिम बंगाल का ही व्यक्ति होगा और यह बेहद आश्चर्य की बात है कि शुभेंदु अधिकारी इन सारी चीजों पर हंड्रेड परसेंट खरा उतर रहे हैं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में पार्टी के रणनीतिकार एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है जाहिर सी बात है कि उनके गुड बुक में सुभेद्र अधिकारी ही होंगे याने की अब सिर्फ औपचारिकता ही बाकी है 9 तारीख को शुभेंदु अधिकारी की ताजपोशी लगभग तय हेमंत वर्मा की कलम से

महिलाओं के नाम जमीन रजिस्ट्री पर 50% शुल्क छूट महिला सशक्तिकरण की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा निर्णय

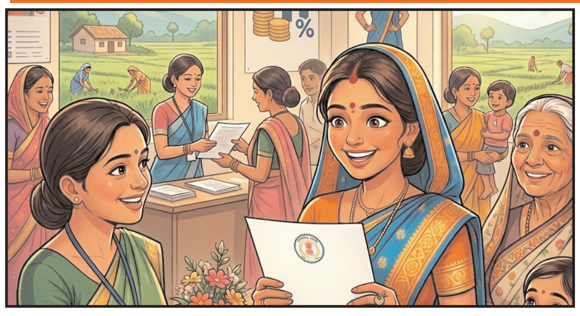

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उनके नाम पर कराए जा रहे भूमि रजिस्ट्रेशन शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी करने का फैसला लिया है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में माननीय पंजीयन मंत्री श्री ओ पी चौधरी की पहल पर यह प्रस्ताव तैयार किया गया .मंत्रिपरिषद द्वारा इस प्रस्ताव को मंजूरी दिये जाने के उपरान्त अधिसूचना प्रकाशन से यह छूट प्रभावशील हो गई है।इस निर्णय से महिलाओं के नाम संपत्ति के रजिस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा जिससे महिला सशक्तिकरण को बल मिलेगा. अधिसूचना के अनुसार, महिलाओं के पक्ष में निष्पादित अचल संपत्ति अंतरण से जुड़े दस्तावेजों पर लागू पंजीयन शुल्क में पचास फीसदी की छूट दी जाएगी। वर्तमान में ऐसे दस्तावेजों पर संपत्ति के बाजार मूल्य के आधार पर 4 प्रतिशत की दर से पंजीयन शुल्क लिया जाता है। अब महिलाओं के नाम पर होने वाले रजिस्ट्री में पंजीयन शुल्क दो प्रतिशत लगेगा। महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन को बढ़ावा देने के लिए यह एक दूरदर्शी और सकारात्मक पहल है। वर्ष 2024-25 में महिलाओं के नाम पर 82,755 दस्तावेजों का पंजीयन हुआ है।नए प्रावधान के लागू होने से अनुमानित रूप से करीब 200 करोड़ रुपये के राजस्व में कमी आ सकती है।राजस्व में कमी के बावजूद महिलाओं को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण है।इस निर्णय से महिलाओं के नाम पर संपत्ति पंजीयन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और समाज में उनकी आर्थिक भागीदारी मजबूत होगी।

मेहसाणा साइबर क्राइम की बड़ी कामयाबी: लोन दिलाने के बहाने लाखों की ठगी करने वाला आदतन अपराधी ऋषभ पटवा पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। मेहसाणा साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे शातिर ठग को पकड़ा है जो गुजरात समेत पूरे देश के भोले-भाले लोगों को अपने जाल में फंसाकर पैसे की ठगी कर रहा था। क्रेडिट कार्ड सेटलमेंट और सस्ते लोन दिलाने के बहाने लाखों रुपये हड़पने वाले आरोपी की गिरफ्तारी के बाद चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

फ्रॉड नेटवर्क: 17 बैंक अकाउंट और 19 लाख की ठगी

पुलिस जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी ऋषभकुमार मुकेशभाई पटवा (मेहसाणा में रहने वाला) ने 11 अलग-अलग बैंकों में कुल 12 अकाउंट खोले थे। टेक्निकल एनालिसिस से पता चला कि • आरोपी के खिलाफ पूरे भारत में कुल 15 साइबर क्राइम की शिकायतें दर्ज हैं। ज़ वह अब तक साइबर फ्रॉड के ज़रिए करीब ?19,00,000 (उन्नीस लाख) की रकम हड़प चुका था। • जांच में पता चला कि वह 12 मेन अकाउंट के अलावा 5 दूसरे बैंक अकाउंट और 5 अलग-अलग मोबाइल नंबर का भी एक्टिवली इस्तेमाल कर रहा था।

पुलिस को भी गुमराह करने का था प्लान!

इस मामले में सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि आरोपी ने पकड़े जाने से बचने और पैसे बचाने के लिए एक मास्टर प्लान बनाया था। उसने खुद को विक्टिम बताते हुए NCCRP पोर्टल पर झूठी शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उसके साथ ?77.52 लाख की ठगी हुई है। आरोपी का इरादा: झूठी शिकायत के ज़रिए साल 2023 से अब तक किए गए सभी ट्रांज़ैक्शन की रकम को फ्रीज़ करना और फिर कोर्ट का ऑर्डर लेकर कानूनी तौर पर यह रकम वापस लेना था।

सैनिकों और पूर्व सैनिकों को स्टाम्प शुल्क में 25% छूट छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा फैसला, ?25 लाख तक की संपत्ति खरीद पर मिलेगा लाभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ सरकार ने सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं के सम्मान और कल्याण को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने ?25 लाख तक की संपत्ति की रजिस्ट्री पर स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में पंजीयन मंत्री श्री ओपी चौधरी की पहल पर विभाग द्वारा यह प्रस्ताव तैयार किया गया । अधिसूचना जारी होने पश्चात सैनिक एवं भूतपूर्व सैनिको को मिलने वाली यह छूट प्रभावशील हो गई है।

अधिसूचना के अनुसार, सैनिकों एवं भूतपूर्व सैनिकों एवं दिवंगत होने पर उनके जीवन साथी को इस छूट की पात्रता केवल एक बार के लिए होगी। ?25 लाख तक की सीमा तक यह छूट मिलेगी । यदि संपत्ति का मूल्य इससे अधिक होता है, तो अतिरिक्त राशि पर नियमानुसार स्टाम्प शुल्क देय होगा। देश की सेवा करने वाले सैनिकों के योगदान को सम्मान देने के लिए यह एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील निर्णय है।

वर्तमान में अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय विलेखों पर लगभग 5 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क देय होता है, अब इस नई व्यवस्था से पात्र हितग्राहियों को स्टाम्प शुल्क में राहत मिलेगी। मातृभूमि की रक्षा के लिए अपनी जन्मभूमि से दूर रहकर सेवा करने वाले सैनिकों को आवास क्रय लागत में कमी की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है।

अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि छूट का लाभ लेने के लिए छत्तीसगढ़ का मूल निवासी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। साथ ही, लाभ केवल एक बार ही लिया जा सकेगा, जिसके लिए शपथ पत्र देना होगा तथा संबंधित सैनिक/पूर्व सैनिक या विधवा होने के दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

महा-टकराव: 'हटाना है तो हटा दो, जरूरत पड़ी तो इंटरनेशनल कोर्ट जाऊंगी

ममता के कथित बयान से बंगाल की सियासत में भूचाल, टकराव पर बढ़ी चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता/नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर देश की सबसे बड़ी बहस बनती दिख रही है। चुनावी नतीजों के बाद राज्य में राजनीतिक तापमान लगातार बढ़ रहा है और अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के एक कथित बयान ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। सत्ता के गलियारों में 'संवैधानिक टकराव' और केंद्र-राज्य संघर्ष की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस की एक अहम अंदरूनी बैठक में ममता बनर्जी ने बेहद आक्रामक रुख अपनाते हुए कथित तौर पर कहा– अगर वे मुझे हटाना चाहते हैं तो हटा दो... अगर वे बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहते हैं तो लगा दो... जरूरत पड़ी तो मैं इंटरनेशनल कोर्ट तक जाऊंगी। 'इस कथित बयान के सामने आने के बाद बंगाल की राजनीति में नया भूचाल आ गया है। विपक्ष इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं को चुनौती देने वाला बयान बता रहा है, जबकि TMC इसे केंद्र सरकार के खिलाफ राजनीतिक प्रतिरोध की आवाज करार दे रही है।

विपक्ष का हमला तेज विपक्षी दलों ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और सरकार संवैधानिक संस्थाओं से टकराव की राजनीति कर रही है। विपक्ष का कहना है कि इस तरह के बयान राज्य में अस्थिरता का माहौल पैदा कर सकते हैं।

TMC का पलटवार दूसरी तरफ तृणमूल कांग्रेस पूरी मजबूती से अपनी नेता के समर्थन में उतर आई है। पार्टी नेताओं का कहना है कि बंगाल की जनता ने भारी जनादेश देकर ममता बनर्जी पर भरोसा जताया है और दिल्ली में बैठी ताकतों को उस जनादेश का सम्मान करना चाहिए।

क्या बढ़ रहा है संवैधानिक संकट?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 'इंटरनेशनल कोर्ट' तक जाने का जिक्र यह संकेत देता है कि ममता बनर्जी किसी भी राजनीतिक दबाव के आगे झुकने के मूड में नहीं हैं। हालांकि अब तक केंद्र सरकार या राजभवन की ओर से किसी संवैधानिक कार्रवाई का आधिकारिक संकेत नहीं मिला है, लेकिन बयान ने राजनीतिक अटकलों को जरूर हवा दे दी है।

अगर केंद्र और राज्य के बीच यह टकराव और बढ़ता है, तो इसका असर सिर्फ बंगाल तक सीमित नहीं रहेगा। इसका प्रभाव राष्ट्रीय राजनीति और आगामी चुनावी रणनीतियों पर भी पड़ सकता है।

ह्नअब पूरे देश की नजर बंगाल पर

बंगाल की सियासत को लेकर अब तीन बड़े सवाल सबसे ज्यादा चर्चा में हैं–

क्या आने वाले दिनों में केंद्र और राज्य के बीच टकराव और तेज होगा?

क्या राष्ट्रपति शासन को लेकर राजनीतिक बयानबाजी किसी बड़े कदम की ओर इशारा है?

या फिर यह सब केवल समर्थकों को एकजुट रखने और राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति है?

इन सवालों के बीच पश्चिम बंगाल एक बार फिर देश की सबसे बड़ी राजनीतिक रणभूमि बन चुका है। आने वाले दिन बंगाल ही नहीं, राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी बेहद अहम माने जा रहे हैं।

अमेरिका के बड़े बैंक में भूचाल: एक भारतीय बैंकर ने 37 साल की महिला बॉस पर यौन शोषण और ड्रग्स देने के गंभीर आरोप लगाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

न्यूयॉर्क। कॉर्पोरेट दुनिया में महिलाओं के शोषण की कहानियां अक्सर सामने आती रहती हैं, लेकिन अमेरिका के सबसे बड़े बैंक जेपी मॉर्गन चेस में इससे बिल्कुल उल्टा और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। भारतीय मूल के एक जूनियर बैंकर ने बैंक की 37 साल की महिला एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के खिलाफ यौन शोषण, ड्रग्स देने और नस्लभेदी कमेंट करने का सनसनीखेज मामला दर्ज कराया है। प्रमोशन छीनने की धमकी देकर किया शोषण पीड़ित बैंकर ने न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में इस बैंक की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर लोर्ना हाइडिनी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप के मुताबिक, यह मानसिक उत्पीड़न मई 2024 में एक मामूली घटना से शुरू हुआ। इसके बाद महिला बॉस जूनियर के अपार्टमेंट में गई और उसे प्रमोशन और

नौकरी बचाने के लिए सेक्स करने के लिए मजबूर किया। अगर पीड़ित ने विरोध किया तो उसे जेपी मॉर्गन जैसे बड़े संगठन से निकालने की धमकी दी गई। 'ब्राउन इंडियन बॉय' कहकर नस्लभेदी बेइज्ज़ती

इस केस में सिर्फ़ फिजिकल अब्यूज़ ही नहीं, बल्कि गंभीर नस्लवाद भी शामिल है। महिला बॉस ने पीड़ित की पत्नी के बारे में बुरे शब्दों का इस्तेमाल किया था और उसे 'ब्राउन इंडियन बॉय' और 'करी' कहकर बेइज्ज़त किया था, क्योंकि वह इंडियन मूल का था। इतना ही नहीं, आरोपी महिला ने जूनियर को अपना 'बॉय टॉय' कहकर उसका मानसिक शोषण किया था। ड्रग्स देकर परान के साथ अफेयर करने का दावा सबसे चौंकाने वाला आरोप यह है कि लोर्ना ने पीड़ित को रोहिप्नोल (डेट रेप ड्रग) नाम की ड्रग देकर बेहोश कर दिया था और उसी हालत में उसका फिजिकल अब्यूज़ किया था। इसके साथ ही, कोर्ट में यह दावा किया गया है कि महिला बॉस ने उसके पर्सनल बैंक अकाउंट पर भी गैर-कानूनी तरीके से नज़र रखी थी। इंसाफ मिलने के बजाय, नौकरी जाने की नौबत आ गई जब युवा पीड़ित ने मई 2025 में HR डिपार्टमेंट में शिकायत करने की हिम्मत की, तो इंसाफ मिलने के बजाय, उसे अनजान नंबरों से धमकियां मिलने लगीं। उसे अमेरिका से निकालने की धमकी दी गई और आखिर में बैंक ने उसे कंपल्सरी लीव पर भेज दिया। फिलहाल जेपी मॉर्गन बैंक ने इन सभी आरोपों से इनकार किया है,

बरेली में हंगामा: फिटनेस सेंटर में महिला डॉक्टर के साथ घिनौना जुर्म, जिम मैनेजर और उसके भाई को जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने कानून-व्यवस्था को हिलाकर रख दिया है। शहर के पॉश इलाके सिविल लाइंस में मौजूद एक फिटनेस सेंटर में महिला डॉक्टर के साथ सुनियोजित तरीके से गंभीर जुर्म किया गया है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में पुलिस ने जिम मैनेजर और उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया है।

कैबिनेट मंत्री के भाई के घर में चल रहा था जिम

इस मामले में सबसे बड़ी और चौंकाने वाली बात यह है कि जिस जगह यह जुर्म किया गया, वह जिम राज्य सरकार के ताकतवर कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के भाई के घर के ऊपरी फ्लोर पर चल रहा था।

• 10 साल से चल रहा था सेंटर: यह फिटनेस सेंटर पिछले एक दशक से चल रहा था और यहां हर दिन सैकड़ों लोग आते थे।

• सुनियोजित साजिश: पुलिस के मुताबिक, महिला डॉक्टर को टारगेट करके इस जुर्म की बहुत ही ठंडे दिमाग से योजना बनाई गई थी। पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया

घटना की सूचना मिलते ही बरेली पुलिस एक्शन मोड में आ गई। पीड़ित महिला डॉक्टर की शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

1. **गिरफ्तारी:** जिम मैनेजर और उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया गया है।

2. **जांच:** पुलिस अभी जिम और दूसरे कर्मचारियों के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज से पूछताछ कर रही है ताकि पता चल सके कि इस साज़िश में कोई और तो शामिल नहीं है।

लोगों में भारी गुस्सा

जब किसी सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में किसी प्रतिष्ठित पेशे से जुड़ी महिला डॉक्टर के साथ ऐसी घटना होती है, तो सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठते हैं। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है और आरोपियों को सख्त से सख्त सज़ा देने की मांग की जा रही है।

चूंकि यह काम मंत्री के भाई के घर में चल रहा है, इसलिए अब विपक्ष भी सरकार पर हमला बोल रहा है। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल में डाल दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

गुजरात बॉर्डर पर पोल्ट्री की 'मौत का खतरा': 2 लाख से ज़्यादा पोल्ट्री क्यों मारी गईं? बर्ड फ्लू के डर के बीच बड़ा ऑपरेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवसारी/वलसाड। गुजरात के दक्षिणी बॉर्डर पर पोल्ट्री फार्म में पिछले कुछ दिनों से बहुत अफरा-तफरी मची हुई है। हाल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुजरात-महाराष्ट्र बॉर्डर के पास के इलाकों में साइंटिफिक तरीकों से लगभग दो लाख पोल्ट्री को मारा गया है। इस बड़े कदम के पीछे मुख्य वजह 'बर्ड फ्लू' सामने आई है।

इतना सख्त फैसला क्यों लिया गया?

बॉर्डर इलाकों में अचानक बड़ी संख्या में पोल्ट्री के मरने के बाद एनिमल हस्बैंड्री डिपार्टमेंट हरकत में आया। जांच में ये वजहें सामने आईं:

• **बर्ड फ्लू का खतरा:** लैब टेस्ट में पोल्ट्री में एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस के पॉजिटिव लक्षण मिले। यह फैसला इस वायरस को दूसरे पक्षियों में फैलने से रोकने के लिए लिया गया है क्योंकि यह बहुत ज़्यादा फैलने वाला है।

• **इंसानों की सुरक्षा:** बर्ड फ्लू के कुछ वेरिएंट पक्षियों से इंसानों में भी फैल सकते हैं, जो जानलेवा साबित हो सकते हैं। लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने इन्फेक्टेड एरिया के 1 से 9 द्वद्व के दायरे में सभी पोल्ट्री को नष्ट करने का आदेश दिया था।

• **वायरस को फैलने से रोकना:** अगर इन पोल्ट्री को ज़िंदा रखा जाता या बाज़ार में बेचा जाता, तो वे पूरे राज्य में यह महामारी फैला सकते थे।

ऑपरेशन 'किलिंग': इसे कैसे अंजाम दिया गया? पशुपालन विभाग की टीमों ने PPE किट पहनकर इन पोल्ट्री को पकड़ा और उन्हें गैस या इंजेक्शन से बेहोश करने के बाद एक गहरे में दबा दिया गया। इस दौरान पूरे एरिया को सैनिटाइज़ किया गया। पोल्ट्री इंडस्ट्री को बड़ा झटका एक साथ दो लाख पोल्ट्री के नष्ट होने से पशुपालकों और पोल्ट्री फार्म मालिकों को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है।

हालांकि, सरकार ने नियमानुसार मुआवजा देने का भरोसा दिया है। फिलहाल, बॉर्डर चेक पोस्ट पर दूसरे राज्यों से आने वाली पोल्ट्री और बत्तखों के ट्रांसपोर्ट पर भी कड़ी नज़र रखी जा रही है।

'अघोरी पूजा' और इलाज के बहाने 13 साल की नाबालिग से खौफनाक दरिंदगी, श्मशान घाट में दिया वारदात को अंजाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

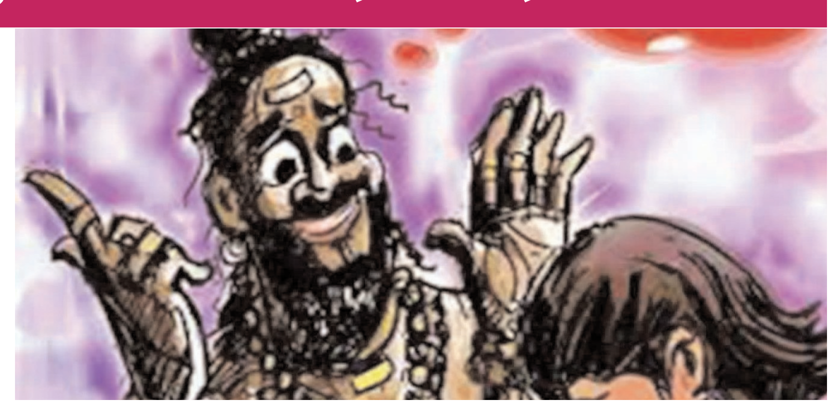

डहाणू। इलाके में अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र की आड़ में एक बेहद खौफनाक और इंसानियत को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 13 साल की मासूम बच्ची को 'अघोरी पूजा' और इलाज का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म की घिनौनी वारदात को अंजाम दिया गया है। इस घटना के सामने आने के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और लोगों में भारी आक्रोश है। बीमारी ठीक करने का दिया था झांसा प्राप्त जानकारी के अनुसार, 13 वर्षीय नाबालिग पीड़िता पिछले कुछ समय से मासिक धर्म (पीरियड्स) से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से परेशान थी। इसी परेशानी के चलते वह 30 अप्रैल को डहाणू के रहने वाले शिवराम पराश सावर नामक शख्स के संपर्क में आई। आरोपी शिवराम ने मासूम बच्ची और उसके परिजनों को यह भरोसा दिलाया कि वह अपनी खास जड़ी-बूटियों (दवा) और तांत्रिक क्रियाओं से उसकी यह बीमारी पूरी तरह जड़ से खत्म कर देगा। आधी रात को श्मशान घाट में रची खौफनाक साजिश अंधविश्वास के इस खौफनाक खेल का असली चेहरा 4 मई की आधी रात को सामने आया। आरोपी ने अपनी साजिश के तहत नाबालिग पीड़िता को डहाणू के कासा के पास चारी पवन इलाके में स्थित श्मशान घाट पर बुलाया। जब पीड़िता वहां पहुंची, तो उसके साथ आए लोगों को चालाकी से गाड़ी में ही बाहर रोक दिया गया। इसके बाद आरोपी तांत्रिक नाबालिग को अकेले श्मशान घाट से लगे जंगल वाले सुनसान इलाके में ले गया। वहां उसने अघोरी पूजा और इलाज के नाम पर डरा-धमका कर इस खौफनाक जुर्म को अंजाम दिया। जान से मारने की दी धमकी, खौफ में थी पीड़िता वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी शिवराम ने मासूम बच्ची को धमकाया कि यदि उसने इस घटना के बारे में किसी को भी बताया, तो वह उसे जान से मार देगा। इस खौफनाक वारदात और आरोपी की धमकियों के कारण नाबालिग पूरी तरह सहम गई और काफी समय तक डर के मारे खामोश रही।

इलाके में भारी उबाल, पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

जैसे ही इस घिनौनी वारदात का सच स्थानीय लोगों और परिजनों के सामने आया, तो पूरे इलाके में गुस्से की लहर दौड़ गई। लोग अंधविश्वास के नाम पर मासूमों की जिंदगी बर्बाद करने वाले ऐसे पाखंडियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पूरे घटनाक्रम की गहनता से जांच की जा रही है। इलाके के लोगों की मांग है कि ऐसे अपराधियों को जल्द से जल्द सलाखों के पीछे भेजकर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर लगाम लग सके।

जितनी बड़ी जीत भरोसे पर खरा उतरने की उतनी बड़ी चुनौती!

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

यह बदलाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति के नए अध्याय की शुरूआत के लिए है राज्य में संदेश खाली और आरजीकर कालेज की बर्बरतापूर्ण अपराधिक वारदातों के बाद महिलाओं में असुरक्षा की भावना घर कर गई थी वही पिछले एक दशक में तीन सौ से अधिक भाजपा व हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता हिंसा का शिकार बने राज्य में कानून व्यवस्था का लगातार पतन अराजकता का माहौल आम जनमानस को सरकार के खिलाफ उद्वेलित कर रहा था जिस का भाजपा के चाणक्य अमित शाह और पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कुशलता भरी संगठित नीति बद्ध तैयारी से भाजपा जीत का रास्ता तैयार हुआ अब चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह लगातार हिंसा की वारदातों की झड़ी लगी है और तीन लोगों की जान जा चुकी है यह चिंता जनक है ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के साथ ही नौ मई को भाजपा सरकार की ताजपोशी की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस चुनाव ने राज्य को राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। राज्य में यह सत्ता बदलने का संकेत नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े वैचारिक और सामाजिक बदलाव की आहट भी हैं।जितना बडलंबे समय तक ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को बंगाल की राजनीति का सबसे मजबूत केंद्र माना जाता था। 2011 में वाम शासन को समाप्त कर सत्ता में आई ममता बनर्जी ने बंगाल की राजनीति को अपनी शैली, अपनी भाषा और अपने संगठन के बल पर चलाया। लेकिन इस बार के नतीजों ने यह साफ कर दिया है कि कोई भी राजनीतिक किला स्थायी नहीं होता। मतदाता जब बदलाव का मन बना लेता है, तो सबसे मजबूत शासन भी कमजोर पड़ सकता है। मतगणना के बाद अनुसार भाजपा ने 206 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि तृणमूल कांग्रेस काफी पीछे रह कर सिर्फ 81 सीट पर जीत हासिल कर सकी है । बंगाल का राजनीतिक इतिहास संघर्ष, विचारधारा और जनभावना से भरा रहा है। कभी वामपंथी राजनीति का मजबूत किला रहे इस राज्य में बाद के वर्षों में तृणमूल कांग्रेस ने अपनी मजबूत पकड़ बनाई। ममता बनर्जी ने लंबे समय तक खुद को बंगाल की जनता की आवाज के रूप में प्रस्तुत किया। लेकिन लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि जनता समय-समय पर सत्ता को परखती है और आवश्यकता पड़ने पर बदलाव का निर्णय भी करती है। इस चुनाव में सामने आए रुझान बताते हैं कि जनता ने विकास, रोजगार, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही के मुद्दों पर गंभीरता से मतदान किया है। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह परिणाम अभूतपूर्व है, क्योंकि जिस राज्य में कभी पार्टी की उपस्थिति सीमित मानी जाती थी, वहां बहुमत की दहलीज तक पहुंचना संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर की तैयारी और राजनीतिक रणनीति की सफलता को दशार्ता है। भाजपा ने पिछले वर्षों में बंगाल के ग्रामीण इलाकों, सीमावर्ती क्षेत्रों, चाय बागान क्षेत्रों, मतुआ समाज, आदिवासी इलाकों और शहरी मतदाताओं के बीच अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश की। इस चुनाव में उस मेहनत का असर रुझानों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का विषय है। हकिकत यह कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए लंबे समय तक सत्ता में बने रहना एक बड़ी चुनौती होता है। समय के साथ सत्ता के प्रति जनता की अपेक्षाएं बढ़ती हैं। यदि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, महिला सुरक्षा और प्रशासनिक निष्पक्षता जैसे मुद्दों पर लोगों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, तो असंतोष धीरे-धीरे जनादेश में बदल जाता है। बंगाल में भी एंटी-इंकंवेंसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई प्रतीत होती है। तृणमूल के कई मजबूत नेताओं की हार या पिछड़ना इस बात का संकेत है कि जनता ने केवल पार्टी के नाम पर नहीं, बल्कि स्थानीय प्रदर्शन और जनसंपर्क के आधार पर भी मतदान किया है। इस बदलाव की पहली बड़ी वजह मतदाता सूची की पुनर्समीक्षा रही। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद राज्य की मतदाता सूची से करीब 91 लाख नाम हटाए गए है। मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर 24 परगना जैसे जिलों में बड़ी संख्या में नाम हटे, जिन्हें तृणमूल कांग्रेस के मजबूत इलाकों में गिना जाता रहा है। चुनाव आयोग की दृष्टि से यह प्रक्रिया मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए थी, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से इसका असर बहुत गहरा दिखाई दिया। टीएमसी का पारंपरिक सामाजिक समीकरण कमजोर पड़ा और भाजपा को इसका लाभ मिला। दूसरी अहम वजह बंगाली अस्मिता की लड़ाई रही। ममता बनर्जी लंबे समय से भाजपा को बाहरी बताकर बंगाल की की संस्कृति, भाषा और खानपान से जोड़कर राजनीति करती रही हैं। लेकिन भाजपा ने इस बार इस प्रतीक को अपने खिलाफ हथियार बनने नहीं दिया। उसने यह संदेश देने की कोशिश की कि उसका हिंदुत्व बंगाल की संस्कृति से टकराता नहीं, बल्कि बंगाल की शाक्त परंपरा, मां काली की उपासना और स्थानीय जीवनशैली के साथ चल सकता है। यही वह मोड़ था जहां ममता बनर्जी का सांस्कृतिक एकाधिकार कमजोर पड़ा। तीसरी वजह पहचान और ध्रुवीकरण की राजनीति रही। बंगाल में पहले भी धार्मिक पहचान चुनावी विमर्श का हिस्सा रही है, लेकिन इस बार भाजपा ने इसे अधिक आक्रामक ढंग से उठाया। तृणमूल कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए भाजपा ने हिंदू मतदाताओं को एक साझा राजनीतिक मंच पर लाने की कोशिश की। काली बनाम काबा जैसे नारों ने चुनावी बहस को भावनात्मक और धार्मिक पहचान की दिशा में मोड़ दिया। यह राजनीति विवादास्पद हो सकती है, लेकिन चुनावी दृष्टि से इसका असर साफ दिखा। जिन इलाकों में हिंदू मतों का बिखराव था, वहां भाजपा ने उन्हें अपने पक्ष में संगठित करने में सफलता पई। चौथी वजह युवा मतदाताओं की आकांक्षा रही। बंगाल का एक बड़ा युवा वर्ग पिछले पंद्रह वर्षों से तृणमूल शासन के वातावरण में बड़ा हुआ। इस पीढ़ी के सामने सवाल केवल नकद सहायता योजनाओं या स्थानीय लाभों का नहीं था, बल्कि रोजगार, उद्योग, निवेश और बेहतर भविष्य का था। भाजपा ने सोनार बांग्ला और डबल इंजन सरकार के नारे के जरिए इसी आकांक्षा को छुआ। यह संदेश दिया गया कि केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होने से निवेश, आधारभूत ढांचा और रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। मतुआ समुदाय के बीच नागरिकता के मुद्दे को उठाकर भाजपा ने एक और महत्वपूर्ण सामाजिक आधार को अपने पक्ष में मजबूत किया। पांचवीं वजह कांग्रेस और वाम दलों की राजनीतिक अनुपस्थिति रही। बंगाल की राजनीति कभी वामपंथ का गढ़ थी। कांग्रेस भी लंबे समय तक राज्य में प्रभावशाली रही। लेकिन इस चुनाव में मुकाबला लगभग सीधे भाजपा और टीएमसी के बीच सिमट गया। जब तीसरी ताकत कमजोर हो जाती है, तो सत्ता विरोधी वोट सीधे सबसे मजबूत विपक्षी दल को मिलते हैं। भाजपा को यही लाभ मिला। 2021 में जिन सीटों पर भाजपा मामुली अंतर से हार गई थी, इस बार वोट स्विंग ने उन सीटों को उसके पक्ष में मोड़ दिया। हालांकि इस जनादेश को केवल भाजपा की जीत और तृणमूल की हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह बंगाल के मतदाता का संदेश भी है कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरी हैं, लेकिन वे शासन की कमियों, रोजगार की कमी, भ्रष्टाचार के आरोपों और संगठनात्मक अहंकार की भरपाई हमेशा नहीं कर सकीं। ममता बनर्जी ने बंगाल को वाम शासन से बाहर निकालकर नई दिशा दी थी, लेकिन लंबी सत्ता अपने साथ थकान भी लाती है। सत्ता जब संगठन से बड़ी हो जाती है, तो जनता विकल्प तलाशने लगती है। भाजपा के लिए यह जीत जितनी बड़ी है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। बंगाल केवल एक चुनावी राज्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, बौद्धिक और राजनीतिक चेतना की भूमि है। यहां शासन करना केवल बहुमत से संभव नहीं होगा। भाजपा को यह साबित करना होगा कि वह बंगाल की भाषा, संस्कृति, विविधता और सामाजिक संतुलन का सम्मान करते हुए विकास का मौडल दे सकती है। यदि वह केवल ध्रुवीकरण तक सीमित रही, तो यह जनादेश जल्द ही चुनौती में बदल सकता है। बंगाल का यह चुनाव बताता है कि लोकतंत्र में कोई भी सत्ता स्थायी नहीं होती। जनता चुप रहती है, देखती है, परखती है और समय आने पर फैसला सुनाती है। 2026 के इसी फैसले की गूंज हैं। यह बदलाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति के नए अध्याय की शुरूआत के लिए है राज्य में संदेश खाली और आरजीकर कालेज की बर्बरतापूर्ण अपराधिक वारदातों के बाद महिलाओं में असुरक्षा की भावना घर कर गई थी वही पिछले एक दशक में तीन सौ से अधिक भाजपा व हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता हिंसा का शिकार बने राज्य में कानून व्यवस्था का लगातार पतन अराजकता का माहौल आम जनमानस को सरकार के खिलाफ उद्वेलित कर रहा था जिस का भाजपा के चाणक्य अमित शाह और पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कुशलता भरी संगठित नीति बद्ध तैयारी से भाजपा जीत का रास्ता तैयार हुआ अब चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह लगातार हिंसा की वारदातों की झड़ी लगी है और तीन लोगों की जान जा चुकी है यह चिंता जनक है ।बंगाल की सत्ता में आने पर भाजपा की जिम्मेदारी है कि उसे अपने कार्यकताओं को टीएमसी सरीखा बनने से बचाना है और इस विशाल जनमत का सम्मान करते हुए प्रदेश के विकास और भविष्य की दिशा में काम करना है ताकि बंगाल के लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

संपादकीय

चेतावनी के धमाके

गाहे-बगाहे पंजाब में शांति भंग करने के अनेक कुत्सित प्रयास होते नजर आए हैं। सीमा पार से पंजाब का सुख-चैन छीनने के षड ़्यंत्र काले दौर से लेकर अब तक रुके नहीं हैं। नशे और बेरोजगारी को हथियार बनाकर भटके युवाओं को इन साजिशों का हथियार बनाने के मामले भी उजागर हुए हैं। पंजाब में हाल ही में दो धमाके हुए, पहला जालंधर में बीएसएफ चौकी के बाहर और दूसरा अमृतसर में सेना की छावनी के पास हुआ। सेना और सुरक्षा बलों को लक्षित इन हमलों के घातक मंसूबों को समझा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर समय और लक्ष्य के लिहाज से इतने करीबी हमलों के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है कि ये महज सामान्य मामले नहीं थे। अब भले ही इन धमाकों की तीव्रता कम रही हो,लेकिन इनमें गंभीर रणनीतिक चेतावनी छिपी है। वह ये कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों की हिफाजत को आंका जा रहा है। वहीं दूसरी ओर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा सैन्य क्षेत्र के पास हुए धमाकों में विस्फोटक उपकरण यानी आईडीपी के इस्तेमाल की पुष्टि करना, खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं। ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है। अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षड ़्यंत्र हो, मगर तौर-तरीका स्पष्ट है। हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका दोष भाजपा पर मढ़ा है। वहीं भाजपा आप सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह राज्य को सुरक्षा देने में विफल रही है। बहरहाल, भले ही आरोप-प्रत्यारोप का यह खेल नेताओं को राजनीतिक लाभ-हानि के गणित के अनुरूप लगता हो, मगर राज्य की सुरक्षा के नजरिये से अदूरदर्शी कदम ही कहा जाएगा। यह विडंबना ही है कि पंजाब के राजनेता अतीत के स्याह दौर की घातकता से कोई सबक नहीं सीखते हैं। राजनेताओं की संकीर्णता और दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज करके की गई बयानबाजी ही चिंगारी को आग बनाने का काम करती है। जिसकी कीमत दशकों तक पंजाब के लोगों व राज्य की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है। यह सामान्य तथ्य है कि कि जब भी इस संवेदनशील व सीमावर्ती राज्य पर कोई सुरक्षा संकट पैदा हो, उसके लिये राजनीतिक भेदभाव भुलाकर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है।

चिंतन-मनन

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई।

डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

पुराने दोस्त द्रमुक का हाथ दिया झटक, सत्ता के लिए पाला बदलने में कांग्रेस को कभी नहीं होती हिचक

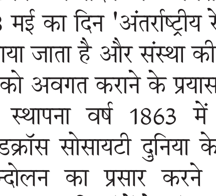

नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु की राजनीति में आज एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिला, जब कांग्रेस ने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम यानि टीवीके को सरकार गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा कर दी। इस फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम यानि द्रमुक और कांग्रेस के बीच दो दशक से अधिक पुराने राजनीतिक रिश्ते पर लगभग विराम लग गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि उसका यह गठबंधन केवल सरकार गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय सदन में 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई है और अब सरकार गठन के लिए केवल पांच और विधायकों की आवश्यकता रह गई है। विजय ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है।

कांग्रेस ने अपने समर्थन के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। पार्टी ने कहा है कि टीवीके किसी भी परिस्थिति में भाजपा या उसके सहयोगी दलों को सरकार या गठबंधन का हिस्सा नहीं बनाएगी। तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और संवैधानिक मूल्यों वाली राजनीति के साथ खड़ी है और जनता के जनादेश का सम्मान करना उसका कर्तव्य है।

उधर, कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे ह्यपीठ में छूरा घोंपनाह्ल बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी माना जाता रहा है। दोनों दल पहली बार 1971 में साथ आए थे और बाद में 2004 से 2013 तक द्रमुक केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का अहम हिस्सा रही थी। 2016 के बाद दोनों ने फिर मिलकर चुनाव लड़े और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी राजनीति की मजबूत धुरी बने।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह कदम केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी पड़ेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कांग्रेस और द्रमुक तमिलनाडु में आमने सामने होंगे, तब क्या वह राष्ट्रीय स्तर पर एक मंच पर बने रह पाएंगे। कांग्रेस यह तर्क दे रही है कि वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस की तरह अलग अलग राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद इंडिया गठबंधन जारी रह सकता है। लेकिन द्रमुक की नाराजगी और कांग्रेस के नए रुख ने विपक्षी एकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ विजय और उनकी पार्टी टीवीके को मिलता दिखाई दे रहा है। पहली बार चुनाव लड़कर सबसे बड़ी पार्टी बनना और उसके तुरंत बाद कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का समर्थन हासिल करना विजय को राज्य की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करता है। यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकताओं ने चेन्नई स्थित सत्यमूर्ति भवन में जश्न मनाया और इसे नई राजनीतिक शुरूआत बताया।

विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बात कर उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित भी किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों दल भविष्य में स्थायी राजनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि विजय ने राहुल गांधी और खरगे को फोन कर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि सरकार गठन का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं है। कांग्रेस के समर्थन के बाद भी टीवीके बहुमत से पांच सीट दूर है। ऐसे में नजर अब अन्नाद्रमुक पर टिकी है, जिसके पास 47 विधायक हैं। यदि अन्नाद्रमुक किसी रूप में समर्थन देती है, तो विजय आसानी से बहुमत हासिल कर सकते हैं। लेकिन यही वह स्थिति है जिसने कांग्रेस को असहज कर रखा है, क्योंकि उसने स्पष्ट कहा है कि भाजपा या उसके सहयोगियों की भागीदारी स्वीकार नहीं होगी। ऐसे में देखना होगा कि क्या अन्नाद्रमुक में विभाजन होता है या फिर अन्नाद्रमुक भाजपा का साथ छोड़कर विजय के साथ आ जाती है।

देखा जाये तो तमिलनाडु की राजनीति का इतिहास भी बताता है कि यहां गठबंधन स्थायी नहीं रहे हैं। कभी कांग्रेस और द्रमुक साथ रहे, फिर कांग्रेस अन्नाद्रमुक के साथ चली गई। 1999 में द्रमुक ने भाजपा के साथ हाथ मिलाया, जबकि 2004 में वह फिर कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौट आई। इस बार भी सत्ता समीकरण ने पुराने रिश्तों को बदल दिया है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो कांग्रेस का यह फैसला व्यावहारिक राजनीति का उदाहरण माना जा रहा है। पार्टी को यह एहसास हो गया था कि द्रमुक के साथ रहते हुए उसकी भूमिका सीमित होती जा रही थी। वहीं टीवीके के साथ आने से उसे भविष्य में अधिक सीटें और सत्ता में भागीदारी मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। दूसरी ओर द्रमुक के लिए यह संकट का समय है, क्योंकि उसका सबसे पुराना सहयोगी अब उसके विरोधी खेमे में खड़ा दिखाई दे रहा है।

आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या इंडिया गठबंधन इस राजनीतिक झटके को संभाल पाता है या फिर राज्यों में बदलते समीकरण राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता को कमजोर कर देंगे। फिलहाल इतना तय है कि तमिलनाडु की राजनीति में विजय का उदय और कांग्रेस का नया दांव देश की राजनीति में एक नए दौर की शुरूआत का संकेत दे रहा है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

70 की उम्र में 20 साल की लड़की से चौथा निकाह, 11 बच्चे और मेहर की प्रॉपर्टी... हाजी खलील की ऐसी करस्तानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। के कैला भट्ठा इलाके में इन दिनों एक परिवार का विवाद चर्चा का विषय बना हुआ है. मामला समाजवादी पार्टी के पूर्व पार्षद हाजी खलील से जुड़ा है, जिन पर उनकी दूसरी पत्नी ने गंभीर आरोप लगाए हैं. 70 साल की उम्र में 20 वर्षीय युवती से चौथा निकाह करने के बाद परिवार के भीतर शुरू हुआ विवाद अब पुलिस कमिश्नर कार्यालय तक पहुंच गया है. दूसरी पत्नी नाजरीन ने हाजी खलील पर उत्पीड़न, धोखाधड़ी, संपत्ति कब्जाने की कोशिश और जान से मारने की धमकी देने जैसे आरोप लगाए हैं.

पूर्व पार्षद हाजी खलील की दूसरी पत्नी नाजरीन अपने बेटे के साथ पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचीं. वहां उन्होंने अतिरिक्त पुलिस आयुक्त को शिकायत पत्र सौंपकर सुरक्षा की मांग की. नाजरीन का आरोप है

कि जिस संपत्ति पर वह लंबे समय से रह रही हैं, उस पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है. उन्होंने कहा कि यह संपत्ति उन्हें मेहर में मिली थी और अब नई शादी के बाद उन्हें घर से हटाने का दबाव बनाया जा रहा है. महिला का आरोप है कि विरोध करने पर उन्हें और उनके बेटे को धमकियां दी जा रही हैं.

निकाह के समय नहीं बताया था पहली शादी

नाजरीन ने शिकायत में बताया कि उनका निकाह वर्ष 1991 में हाजी खलील से हुआ था. लेकिन उस समय उन्हें यह जानकारी नहीं दी गई थी कि खलील पहले से शादीशुदा हैं. उनके मुताबिक, पहली पत्नी से हाजी खलील के आठ बच्चे हैं. नाजरीन से भी उनके तीन बच्चे हुए,

जिनमें दो बेटियां और एक बेटा शामिल हैं. महिला का कहना है कि उन्हें लंबे समय तक यह भरोसा दिलाया गया कि परिवार सामान्य तरीके से चल रहा है, लेकिन समय के साथ विवाद बढ़ता चला गया. तीसरी शादी और फिर तलाक नाजरीन के मुताबिक, वर्ष 2010 में हाजी खलील ने तीसरा निकाह किया था.

राम मंदिर से राष्ट्रपति भवन तक: हर बड़े लैंडमार्क पर लगेगी 'मेड इन स्वक' वैदिक घड़ी, सोशल मीडिया पर भी मचाया धमाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। काशी विश्वनाथ मंदिर में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा भेंट की गई विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की सफलता के बाद, अब केंद्र और राज्य सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब देश के सभी प्रमुख मंदिरों और सरकारी लैंडमार्क्स पर दुनिया की पहली ऐसी घड़ी लगाई जाएगी, जो पारंपरिक भारतीय समय की गणना करेगी।

अयोध्या से लेकर PMO तक पहुंचेगी वैदिक घड़ी

मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार श्रीराम तिवारी ने बताया कि इस योजना का खाका तैयार हो चुका है। पहले चरण में देश के सभी 12 ज्योतिर्लिंगों में ये घड़ियां लगाई जाएंगी। काशी के बाद अब अगला नंबर गुजरात के सोमनाथ मंदिर और फिर उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर का है। इसके बाद अयोध्या के राम मंदिर समेत देश के बड़े मंदिरों, संसद भवन, राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री कार्यालय में भी ये घड़ियां समय बताएंगी।

क्या है इस घड़ी की खासियत?

यह घड़ी दुनिया के सामान्य 24 घंटे वाले सिस्टम से बिल्कुल अलग है। इसमें दिन की शुरुआत रात के 12 बजे से नहीं, बल्कि सूर्योदय से होती है। **30 मुहूर्त:** पूरे दिन को 24 घंटों के बजाय 30 मुहूर्तों में बांटा गया है। हर मुहूर्त लगभग 48 मिनट का होता है।

लोकल मीन टाइम यह घड़ी सूर्य की स्थिति के आधार पर सटीक स्थानीय समय बताती है।

डिजिटल पंचांग: समय के साथ-साथ इसमें तिथि, नक्षत्र, त्यौहार, ग्रहण और चंद्रमा की कलाओं की जानकारी भी मिलती है।

ग्लोबल कनेक्ट: संदर्भ के लिए इसमें भारतीय मानक समय और ग्रीनविच मीन टाइम भी डिस्प्ले होता है।

सोशल मीडिया पर विक्रम का जलवा

29 अप्रैल को पीएम मोदी की काशी यात्रा के दौरान इस घड़ी की तस्वीरों ने इंटरनेट पर धूम मचा दी थी। माइक्रोब्लॉगिंग साइट X पर #Vikramotsav_Varanasi टॉप ट्रेंड में रहा। अधिकारियों के मुताबिक, वैदिक घड़ी से जुड़े हैशटैग्स को करोड़ों व्यूज मिले, जो दर्शाता है कि आज की युवा पीढ़ी भी अपनी सनातन संस्कृति और प्राचीन समय गणना प्रणाली को लेकर काफी उत्सुक है। मध्य प्रदेश की देन है यह अनूठी तकनीक इस वैदिक घड़ी का डिजाइन और विकास पूरी तरह से मध्य प्रदेश में हुआ है। फिलहाल ऐसी घड़ियां उज्जैन शहर, भोपाल में मुख्यमंत्री आवास और वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में काम कर रही हैं। सरकार का लक्ष्य है कि भारत का समय-धरती का समय थीम के साथ इस प्राचीन भारतीय ज्ञान को घर-घर तक पहुंचाया जाए।

घर से दूर होटल में चल रही थी डॉक्टर साहब की आशिकी, रूम का नजारा देखकर पत्नी का सनका माथा, मचाया बवाल

पत्नी और उसके परिवार के लोगों ने दोनों की जमकर पिटाई कर दी है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंदसौर। शहर के नाहटा चौराहा स्थित समता होटल में बुधवार रात उस वक्त हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जब एक पत्नी ने अपने डॉक्टर पति को दूसरी महिला के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया। शामगढ़ में प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टर अपनी कथित प्रेमिका के साथ होटल के कमरे में मौजूद थे, तभी पत्नी ने परिजनों के साथ वहां दबिश दे दी। इसके बाद कमरे के भीतर ही काफी देर तक हंगामा चलता रहा।

दरवाजा खटखटाया तो मचा बवाल

जानकारी के अनुसार शामगढ़ निवासी डॉक्टर जुलफिकार बुधवार को मंदसौर आए थे। वे यहां नाहटा चौराहे के पास स्थित समता होटल के एक कमरे में अपनी प्रेमिका के साथ ठहरे हुए थे। डॉक्टर को लगा था कि वह शामगढ़ से दूर मंदसौर में सुरक्षित है और किसी को उसकी भनक नहीं लगेगी। लेकिन उसकी पत्नी को पति की इस हरकत

की जानकारी पहले ही मिल चुकी थी। बुधवार रात करीब 9 बजे पत्नी अपने कुछ रिश्तेदारों और परिवार के लोगों के साथ अचानक होटल पहुंच गई।

कमरे का नजारा देख उड़ गए होश

होटल पहुंचने के बाद पत्नी सीधे उस कमरे तक जा पहुंची जहां डॉक्टर रुका हुआ था। जैसे ही कमरा खुला, अंदर का नजारा देख पत्नी का गुस्सा फूट पड़ा। डॉक्टर अपनी प्रेमिका के साथ वहां मौजूद था। पति को किसी और महिला के साथ देख पत्नी ने वहीं उसकी क्लास लगाना शुरू कर दी। होटल के कमरे में काफी देर तक चीख-पुकार और बहस होती रही। शोर सुनकर होटल स्टाफ और आसपास के लोग भी जमा हो गए। बर्थडे के नाम पर निकला था डॉक्टर डॉक्टर अपनी प्रेमिका के साथ घर से दूर आकर होटल में ठहरा पत्नी को खबर मिली तो वह परिजनों के साथ पहुंच गई होटल होटल में पत्नी ने शुरू कर दी प्रेमिका की पिटाई

इस दौरान होटल में जमकर मचा बवाल

होटल में मची खलबली रात के वक्त अचानक हुए इस हंगामे से होटल में हड़कंप मच गया। होटल में ठहरे अन्य मुसाफिर भी अपने कमरों से बाहर निकल आए। पत्नी का आरोप था कि डॉक्टर उसे धोखे में रखकर लंबे समय से इस महिला से मिल रहा है। विवाद इतना बढ़ गया कि बात हाथापाई तक पहुंच गई। परिजनों ने भी डॉक्टर को जमकर खरी-खोटी सुनाई।

आरोपी पुलिस पर फायरिंग कर भागने की कोशिश कर रहे थे. इस दौरान जवाबी कार्रवाई में दो आरोपियों के पैर में गोली लगी.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में भैंस चोरी करने वाले गिरोह की पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई. इस दौरान पांच आरोपियों को पकड़ा गया है. दो आरोपी पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली लगने से घायल हो गए. वहीं मौके से चोरी की पांच भैंसें, तमंचे, कारतूस और चोरी में इस्तेमाल किया गया पिकअप वाहन बरामद किया गया है. मंझनपुर थाना क्षेत्र के बंधवा रजबर गांव निवासी संतोष कुमार और भेलखा गांव निवासी अर्जुन कुमार ने पुलिस से शिकायत की थी कि 29 और 30 अप्रैल की रात अज्ञात चोर उनकी भैंसें चोरी कर

पिकअप वाहन से फरार हो गए. लगातार हो रही पशु चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एसपी सत्यनारायण ने मामले के खुलासे के लिए मंझनपुर थाना पुलिस और सर्विलांस टीम को लगाया था. इसी बीच पुलिस टीम को सूचना मिली कि भैंस चोरी में शामिल आरोपी पतौना पुल की तरफ से गुजरने वाले हैं. सूचना मिलते ही पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी. पुलिस ने वाहन रोकने का इशारा किया, लेकिन आरोपियों ने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी और भागने की कोशिश की. इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की. मुठभेड़ के दौरान दिलशाद और राज उर्फ भोला कलीम के पैर में गोली लग गई, जिससे दोनों घायल हो गए. पुलिस ने मौके से पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपियों में दिलशाद, राज उर्फ भोला कलीम, भोला, जवील और सलमान अहमद शामिल हैं. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचा 315 बोर, चार खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस, 10 हजार 300 रुपये कैश, चोरी में इस्तेमाल किया गया

पिकअप वाहन और उसमें लदी पांच चोरी की भैंसें बरामद की हैं. पूछताछ में आरोपियों ने कई खुलासे किए हैं. पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने कबूल किया है कि उन्होंने 29-30 अप्रैल की रात बंधवा रजबर और भेलखा गांव से भैंस चोरी की थी. इसके अलावा 24 मार्च को थाना कौशांबी क्षेत्र के गुरौली गांव से भी एक भैंस और उसके बच्चे की चोरी की थी. डीएसपी सदर शिवांक सिंह ने बताया कि आरोपी चोरी की भैंसों को दूसरे जिलों में बेच देते थे और उससे मिलने वाली रकम आपस में बांट लेते थे.

संदिग्ध आतंकी कृष्णा मिश्रा का गोरखपुर से क्या है कनेक्शन? ATS खंगाल रही नेटवर्क, एजेंसियां भी जांच में जुटीं

वह पिछले कई महीनों से शाहपुर थाना क्षेत्र के कौवाबाग इलाके में किराए के मकान में रह रहा था।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड द्वारा इंटरनेट मीडिया के जरिए संचालित आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के बाद गोरखपुर भी जांच एजेंसियों के रडार पर आ गया है। कुशीनगर निवासी संदिग्ध आतंकी कृष्णा मिश्रा की गिरफ्तारी के बाद अब ATS, खुफिया एजेंसियां और स्थानीय पुलिस उसके गोरखपुर कनेक्शन की गहराई से पड़ताल कर रही हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि 20 वर्षीय कृष्णा मिश्रा पिछले कई महीनों से शाहपुर थाना क्षेत्र के कौवाबाग इलाके में किराए के मकान में रह रहा था। उसकी गिरफ्तारी के बाद इलाके में हलचल बढ़ गई है और एजेंसियां यह जानने में जुटी हैं कि आखिर वह किन लोगों के संपर्क में था और शहर में रहते हुए क्या गतिविधियां संचालित कर रहा था। कौवाबाग इलाके से ञ्रस ने लिया हिरासत में जानकारी के मुताबिक कृष्णा मिश्रा कुशीनगर जिले के जटहाबाजार थाना क्षेत्र के हरपुर गांव का रहने वाला है। मंगलवार को यूपी

ञ्रस ने इंटरनेट मीडिया के जरिए संचालित एक संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए उसे हिरासत में लिया। सूत्रों के अनुसार कृष्णा को गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित कौवाबाग इलाके से उठाया गया। गिरफ्तारी के बाद स्थानीय पुलिस भी सक्रिय हो गई है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर उसकी गतिविधियों और दिनचर्या की जानकारी जुटाई जा रही है। स्थानीय लोग बोले- शांत रहता था कौवाबाग इलाके में रहने वाले लोगों का कहना है कि कृष्णा मिश्रा काफी शांत स्वभाव का था और ज्यादा किसी से बातचीत नहीं करता था। पड़ोसियों के मुताबिक वह ज्यादातर अपने कमरे में ही रहता था और उसकी गतिविधियां सामान्य नजर आती थीं। हालांकि जांच एजेंसियों को आशंका है कि वह इंटरनेट मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए कुछ संदिग्ध लोगों के संपर्क में था। यही वजह है कि अब उसके स्थानीय संपर्कों और ऑनलाइन गतिविधियों को खंगाला जा रहा है। मोबाइल, कॉल डिटेल और सोशल मीडिया की जांच ATS और खुफिया एजेंसियां कृष्णा मिश्रा के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) और सोशल मीडिया अकाउंट्स की गहराई से जांच कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार जिन नंबरों और लोगों से उसकी लगातार बातचीत होती थी, उन्हें भी निगरानी में लिया गया है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि गोरखपुर में रहते हुए उसने किन लोगों से संपर्क बनाए और कहीं कोई स्थानीय नेटवर्क तो विकसित नहीं किया। कुछ संदिग्ध संपर्क सूत्रों की पहचान कर उनकी गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है।

मकान मालिक और आसपास के लोगों से पूछताछ

एजेंसियां कृष्णा मिश्रा के मकान मालिक और आसपास रहने वाले लोगों से भी पूछताछ कर रही हैं। हालांकि अभी तक ATS ने स्थानीय पुलिस के साथ उसकी गतिविधियों से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। फिलहाल जांच का फोकस उसकी दिनचर्या, आने-जाने वालों और डिजिटल गतिविधियों पर है।

सिर पटकने लगी गाय, टेंशन में आए अधिकारी, 250 लोगों को लगाना पड़ा इंजेक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छिंदवाड़ा। जिले में एक शादी समारोह के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया. गांव में बारातियों और स्थानीय लोगों को उस गाय के दूध से बनी छाछ परोसी गई थी, जिसमें बाद में रेबीज़ जैसे लक्षण दिखाई दिए. मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने तुरंत गांव में स्वास्थ्य कैंप लगाकर लोगों को एहतियातन एंटी रेबीज़ वैक्सीन लगानी शुरू कर दी.

कुत्ते ने काट लिया था गाय को

जानकारी के मुताबिक, गांव में एक दिन पहले शादी समारोह आयोजित हुआ था, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भोजन के साथ छाछ का सेवन किया. अगले ही दिन गाय की अचानक तबीयत बिगड़ गई. जांच में पता चला कि कुछ समय पहले उस गाय को एक कुत्ते ने काट लिया था. इसके बाद गांव वालों में डर का माहौल बन गया. गाय की जांच करने

पहुंचे पशु चिकित्सक डॉ. लोकेश बेलवंशी ने बताया कि गाय में रेबीज से मिलते-जुलते कई लक्षण दिखाई दे रहे हैं. उन्होंने बताया कि गाय लगातार लार गिरा रही थी, असामान्य रूप से गुस्सैल व्यवहार कर रही थी और सिर पटक रही थी. पशु चिकित्सक के अनुसार ये सभी लक्षण रेबीज़ संक्रमण की ओर संकेत करते हैं.

250 लोगों को लगाए गए इंजेक्शन

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम तुरंत गांव पहुंची. बीएमओ डॉ. पुष्पारानी सिंह ने बताया कि जिन लोगों ने बीमार गाय के दूध से बने दही और छाछ का

सेवन किया था, उन्हें सावधानी के तौर पर एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई जा रही है. उन्होंने कहा कि अब तक करीब 250 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है. स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार शादी में आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में मेहमान शामिल हुए थे. ऐसे में प्रशासन उन सभी लोगों की पहचान कर उनसे संपर्क करने की कोशिश कर रहा है, जिन्होंने समारोह में भोजन किया था. स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार गांव में मौजूद हैं और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है.

मेरठ में रिटायर्ड अफसर की करतूत: 4 महीने तक बेटी की लाश के साथ घर में रहा, बदबू छिपाने के लिए छिड़कता था परफ्यूम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। के सदर बाजार थाना क्षेत्र के तेली मोहल्ला निवासी 72 वर्षीय उदयभानु विश्वास को अपनी बेटी का शव घर में छिपाकर रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. उदयभानु ने 35 वर्षीय प्रियंका की 1 दिसंबर 2025 को बीमारी से हुई मौत के बाद उसका अंतिम संस्कार नहीं किया और शव को एक कमरे में बंद कर दिया. पड़ोसियों द्वारा घर से तेज दुर्गंध आने की शिकायत पर अप्रैल में पुलिस ने छापा मारकर कंकाल बन चुका शव बरामद किया. पुलिस ने कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और बुधवार को आरोपी पिता को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया.

परफ्यूम से दबाता रहा मौत की गंध

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि प्रियंका की मौत के बाद उदयभानु कई दिनों तक उसी घर में शव के साथ रहा. घर से आने वाली सड़ांध को दबाने के लिए वह कथित तौर पर परफ्यूम और इत्र का इस्तेमाल करता था ताकि किसी को शक न हो.

हालांकि, समय बीतने के साथ दुर्गंध इतनी बढ़ गई कि मोहल्ले के लोगों का रहना मुहाल हो गया, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई. 10 अप्रैल को जब पुलिस अंदर पहुंची, तो कमरे का नजारा देखकर दंग रह गई.

रिटायर्ड अफसर की चौंकाने वाली करतूत

पुलिस के मुताबिक, आरोपी उदयभानु विश्वास मूल रूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला है और शिक्षा विभाग से प्रशासनिक अधिकारी के पद से रिटायर्ड है. एक पढ़े-लिखे और जिम्मेदार पद पर रहे व्यक्ति द्वारा अपनी ही बेटी के शव के साथ ऐसा व्यवहार करना हर किसी को हैरान कर रहा है. पुलिस इस मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है कि आखिर उसने ऐसा क्यों किया.

कानपुर: हूटर बजाती स्कॉर्पियो रोकी तो महिला दारोगा को दांत से काटा, दो बहनें गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में हूटर बजाती स्कॉर्पियो को रोकना पुलिस के लिए मुसीबत का सबब बन गया. चेकिंग के दौरान वाहन रोकने पर स्कॉर्पियो सवार दो सगी बहनों ने जमकर हंगामा किया. पुलिस ने दोनों पर महिला दारोगा से अभद्रता और धक्का-मुक्की करने का आरोप लगाया है. जानकारी के मुताबिक, बीते दिन स्थानीय पुलिस वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी. इसी दौरान हूटर लगी एक स्कॉर्पियो को रोककर उसके दस्तावेज मांगे गए. आरोप है कि इस बात को लेकर गाड़ी में मौजूद दोनों बहनें नाराज हो गईं और पुलिसकर्मियों से बहस शुरू कर दी. इस पर पुलिस स्कॉर्पियो को थाने ले आई और नियमों के उल्लंघन में वाहन सीज कर दिया. इसके बाद दोनों बहनें थाने पहुंचीं, जहां काफी देर तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा. आरोप है कि हंगामे के दौरान एक महिला दारोगा के हाथ में दांत से काट लिया गया और पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की भी की गई.

40 साल बाद हॉस्पिटल में बिछड़े परिवार का भावुक मिलन

करीब आधे घंटे तक चले विवाद के बाद पुलिस ने दोनों महिलाओं को हिरासत में ले लिया. उनके खिलाफ शांतिभंग समेत अन्य धाराओं में कार्रवाई की गई है. पुलिस का कहना है कि तेज आवाज में हूटर बजाना यातायात नियमों का उल्लंघन है. वहीं, थाने में हंगामा और पुलिसकर्मियों से अभद्रता किए जाने पर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई है. फिलहाल, ये घटना इलाके में चर्चा का विषय है.

प्यासे छपरी गांव का 'मसीहा' बना यह बुजुर्ग दंपत्ति, सरकारी नल सूखे तो खुद के बोरवेल से पिला रहे पानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। जिले के फंदा ब्लॉक की छपरी पंचायत में इन दिनों हाहाकार मचा है। करीब 2000 की आबादी पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष कर रही है। विडंबना देखिए कि जहां सरकारी बोरवेल सूख चुके हैं और केरवा पाइपलाइन प्रोजेक्ट अपनी डेडलाइन मिस कर चुका है, वहीं एक बुजुर्ग दंपत्ति की दरियादिली ग्रामीणों की जान बचा रही है।

बुढ़ापे में समाज सेवा की मिसाल

छपरी गांव में रहने वाले दुलारी शर्मा और उनके पति शील सागर शर्मा एक आटा चक्की चलाते हैं। बढ़ते बिजली बिल की परवाह किए बिना यह दंपत्ति अपने निजी बोरवेल से पूरे गांव को मुफ्त में पानी बांट रहा है। पानी से ज्यादा जरूरी कुछ नहीं है, लेकिन हमारे यहां यह एक लग्जरी बन गया है। हमने खुद पानी के लिए बहुत संघर्ष किया है, इसलिए जब हमने अपना बोरवेल लगवाया तो तय

किया कि किसी से पैसे नहीं लेंगे। यह समाज की सेवा है। शील सागर शर्मा (ग्रामीण)

रातीबड़ से अलग होते ही गहराया संकट

ग्रामीणों का कहना है कि संकट तब और बढ़ गया जब छपरी को रातीबड़ पंचायत से अलग कर दिया गया। अलग होते ही रातीबड़ से होने वाली पानी की सप्लाई बंद हो गई और गांव के स्थानीय बोरवेल भी सूख गए। हालात इतने खराब हैं कि ग्रामीण हेमंत शर्मा ने 650 फीट गहरा खुदवाया, लेकिन पानी की एक बूंद नहीं निकली। लोग अब 2-3 लाख रुपये खर्च करने से डर रहे हैं क्योंकि पानी मिलने की कोई गारंटी नहीं है।

सरकारी वादे और फेल होती डेडलाइन

30 किलोमीटर लंबी केरवा पाइपलाइन का काम पिछले दो साल से चल रहा है। पहले इसकी डेडलाइन 15 अप्रैल रखी गई थी, जिसे बढ़ाकर 30 अप्रैल किया गया, लेकिन काम अब भी अधूरा है। ग्रामीण संतोष राय का कहना है कि वोट तो बुनियादी सुविधाओं के लिए देते हैं, लेकिन योजनाएं हम तक नहीं पहुंचतीं। गांव की दुर्गा ठाकुर को आज भी रोजाना 8-10 डिब्बे पानी भरने के लिए नेहरू नगर या पिपलेश्वर महादेव मंदिर जाना पड़ता है। सरपंच अनिल शर्मा का कहना है कि रातीबड़ से अलग होने के बाद उन्होंने कई बार विधायक और अधिकारियों के दरवाजे खटखटाए, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। वहीं, जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने उम्मीद जताई है कि पाइपलाइन का काम लगभग पूरा है

साल 2024 में महिलाओं के खिलाफ 13,396 केस दर्ज
तमिलनाडु में 2023 की तुलना में 1.5% कम क्राइम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। रिपोर्ट बताती है कि 2024 में मेट्रो शहरों में दिल्ली महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के मामले में शीर्ष पर रही है। 2024 में महिलाओं के खिलाफ 13,396 मामले दर्ज किए गए, जो 2023 में 13,366 थे। तमिलनाडु में महिलाओं के खिलाफ अपराध घटे हैं। 2024 में महिलाओं के खिलाफ 4,41,534 मामले दर्ज हुए, जो 2023 से 1.5' कम थे। सबसे अधिक 27.2' मामले पति के क्रूरता और अपहरण से संबंधित थे।

दिल्ली में बुजुर्गों के खिलाफ अपराध बढ़ा

दिल्ली में बुजुर्गों के खिलाफ 1,267 अपराध दर्ज किए गए। दिल्ली में बुजुर्गों के खिलाफ अपराधों की दर प्रति लाख आबादी पर 110 मामले रही, जो केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे ज्यादा दरों में से एक रही। मध्य प्रदेश सबसे ऊपर रहा, जहां 2024 में 5,875 मामले दर्ज किए गए, यह संख्या 2023 के 5,738 मामलों से ज्यादा है। दूसरी तरफ, देश में बुजुर्गों के खिलाफ अपराधों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। 2024 में कुल 32,602 मामले दर्ज किए गए, जो 2023 के मुकाबले 16.9' ज्यादा हैं।

देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध में 1.5% की गिरावट

महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी 1.5' की गिरावट दर्ज की गई। महिलाओं के खिलाफ अपराध का रेट 2023 में 66.2 से घटकर 2024 में 64.6 हो गया। 2024 में ऐसे 4.41 लाख केस दर्ज हुए, जबकि 2023 में यह संख्या 4.48 लाख थी। अनुसूचित जाति के खिलाफ अपराधों में भी 3.6' की कमी आई। 2024 में 55,698 केस दर्ज हुए, जबकि 2023 में यह संख्या 57,789 थी। अनुसूचित जनजाति के खिलाफ अपराधों में 23.1' की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 2024 में ऐसे 9,966 मामले सामने आए, जबकि 2023 में 12,960 केस दर्ज हुए थे। 'हर्ट' यानी चोट से जुड़े मामलों में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। ये केस 2023 में 6.36 लाख से घटकर 2024 में 4.41 लाख रह गए, यानी 30.58' की कमी आई।

देश भर में कुल अपराध 6% घटे

एनसीआरबी के मुताबिक, देश में कुल अपराध 6' घट गए हैं। 2024 में 58.85 लाख अपराध दर्ज किए गए, जबकि 2023 में 62.41 लाख मामले दर्ज किए गए थे। अपराध दर (प्रति लाख आबादी पर दर्ज मामले) भी एक साल में 448.3 से घटकर 418.9 रह गई। अपराध सुलझाने के केस में पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल सबसे आगे रहे।

साइबर क्राइमः मेट्रो शहरों में बेंगलुरु सबसे आगे

2024 में 1 लाख से ज्यादा साइबर क्राइम दर्ज, 17.9' बढ़ोतरी
देश में 2024 के दौरान कुल 1,01,928 साइबर क्राइम मामले दर्ज किए गए। 2023 के 86,420 मामलों के मुकाबले 17.9' ज्यादा हैं।
देश में साइबर क्राइम की दर 2023 में 6.2 से बढ़कर 2024 में 7.3 हो गई। दिलचस्प यह है कि दिल्ली से कम आबादी वाले गाजियाबाद में 2024 में 479 साइबर क्राइम मामले दर्ज हुए, जबकि दिल्ली में थोड़ा ज्यादा यानी 404 केस दर्ज किए गए। मेट्रो शहरों में 2024 में साइबर अपराध के मामलों में बेंगलुरु सबसे ऊपर रहा। 17,561 मामले दर्ज किए गए। मेट्रो शहरों में बेंगलुरु के बाद मुंबई दूसरे स्थान पर रहा। मुंबई में 4,939 मामले दर्ज हुए। हैदराबाद में 4,009 मामले दर्ज किए गए।

तरबूज खाने से 4 लोगों की मौत मामले में आया अपडेट, रिपोर्ट में नहीं मिला बैक्टीरिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। में तरबूज खाने के बाद चार लोगों की मौत के मामले में जांच जारी है. माइक्रोबायोलॉजी विभाग की प्रारंभिक रिपोर्ट में मृतकों के शरीर में किसी भी प्रकार का बैक्टीरियल संक्रमण नहीं मिलने की बात सामने आई है. यह रिपोर्ट पुलिस को सौंप दी गई है, जबकि मौत के असली कारण का खुलासा अब फॉरेंसिक साइंस लैब की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा.
दरअसल, यह मामला मुंबई के इस्माइल कुर्ते रोड स्थित घारी मोहल्ला में रहने वाले डोकाडिया परिवार से जुड़ा है.
25 अप्रैल की रात परिवार ने रिश्तेदारों के साथ एक गेट-टुगेदर रखा था. रिश्तेदारों के जाने के बाद 26 अप्रैल की रात करीब 1 बजे अब्दुल्ला डोकाडिया (40), उनकी पत्नी नसरिन (35) और बेटियां आयशा (16) व जैनब (13) ने तरबूज खाया.
इसके कुछ ही घंटों बाद सभी की तबीयत अचानक बिगड़ गई. तड़के उन्हें तेज उल्टी और दस्त शुरू हो गए, जिसके बाद परिवार को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया. वहां से गंभीर हालत देखते हुए उन्हें सरकारी जेजे अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान चारों की मौत हो गई.

जांच के लिए जुटाए गए नमूने

घटना के बाद मुंबई पुलिस, फॉरेंसिक विशेषज्ञों और खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) की टीम ने परिवार के घर का दौरा किया. जांच के दौरान परिवार के आखिरी भोजन से जुड़े सभी खाद्य पदार्थों के नमूने इकट्ठा किए गए. इन नमूनों में चिकन पुलाव, तरबूज,
पानी और अन्य खाद्य सामग्री शामिल थी. सभी नमूनों को जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लैब भेजा गया.
पोस्टमार्टम के बाद मृतकों के विसरा को भी रासायनिक विश्लेषण के लिए सुरक्षित रखा गया. अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके.

माइक्रोबायोलॉजी रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

सरकारी जेजे अस्पताल के माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट पुलिस को सौंप दी है.
रिपोर्ट के मुताबिक अब तक मृतकों के शरीर में किसी भी प्रकार का बैक्टीरियल संक्रमण नहीं पाया गया है और उनके खून में भी कोई बैक्टीरिया नहीं मिला.
अधिकारियों ने बताया कि मौत का सटीक कारण फॉरेंसिक साइंस लैब की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा.
यह रिपोर्ट यह भी बताएगी कि परिवार ने जिस भोजन का सेवन किया, उसमें किसी तरह का जहरीला पदार्थ मौजूद था या नहीं.
फिलहाल जांच जारी है और सभी की नजर अंतिम रिपोर्ट पर टिकी हुई है.

इस्तीफा देने के बावजूद जस्टिस यशवंत वर्मा हाईकोर्ट जज बने हुए हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ऐसा लगता है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। ऐसा इसलिए करीब एक महीने पहले इस्तीफा देने के बावजूद जस्टिस वर्मा हाई कोर्ट के जज बने हुए हैं। हाईकोर्ट के आधिकारिक पोर्टल पर जजों की सूची में उनका नाम चौथे नंबर पर है, और उनसे पहले जस्टिस एमसी त्रिपाठी, अरिंदम सिन्हा और रंजन रॉय के नाम हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि जाहिर तौर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अभी तक हाईकोर्ट जज के पद से जस्टिस वर्मा का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है।

9 अप्रैल को भेजा इस्तीफा, अब भी कैसे बने हुए जज

इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने बीते 9 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा भेजा था। जस्टिस वर्मा ने उस समय कहा था कि वह तत्काल प्रभाव से अपने पद से हट रहे हैं। अपने पत्र में उन्होंने गहरा दुख भी व्यक्त किया था। उनका इस्तीफा, कैश बरामदगी को लेकर चल रहे विवाद और महाभियोग की प्रक्रिया के बीच आया था।

अपने पत्र में जस्टिस वर्मा ने क्या कहा था

9 अप्रैल को राष्ट्रपति को लिखे अपने इस्तीफे में जस्टिस वर्मा ने कहा था कि हालांकि मैं आपके गरिमामयी कार्यालय पर उन कारणों का बोझ नहीं डालना चाहता, जिनकी वजह से मुझे यह पत्र सौंपना पड़ा। फिर भी मैं गहरे दुख के साथ, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जज पद से तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा देता हूं।

ऐसे मामले में सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा था

अनुच्छेद 217(1) के अनुसार, कोई जज उस समय अपने पद पर नहीं रहता, जब वह राष्ट्रपति को संबोधित करते हुए अपने हाथ से रिजाइन लेटर भेजता है और खुद पद से इस्तीफे की बात कंफर्म करता है। 15 फरवरी, 1978 को गोपाल चंद्र मिश्रा मामले में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ ने इस मुद्दे पर विचार किया था। इसमें उन्होंने कहा था किसी जज का इस्तीफा कैसे प्रभावी होता है।

'जब कोई जज इस्तीफा राष्ट्रपति भेजता है तो...'

पीठ इस बात पर एकमत थी कि एक बार जब कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेज देता है, तो यह मान लिया जाता है कि वह अब जज नहीं रहा। इस मामले में, जज ने अपने इस्तीफे के प्रभावी होने के लिए एक भविष्य की तारीख तय की थी, और उस तारीख के आने से पहले ही उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने चार-एक के बहुमत से यह फैसला दिया था कि, चूंकि इस्तीफा भविष्य की तारीख के लिए था,

मार्कशीट में खुद को फर्स्ट दिखाया, गुस्साए पिता ने लकड़ी काटने वाले कटर से मासूम बेटी का गला काटा,आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले के दौंड तालुका के देउलगांव राजे गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता पर अपनी ही 9 साल की बेटी की हत्या कर दी. इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है. आरोपी की पहचान शांताराम चव्हाण के रूप में हुई है, जिसने कथित तौर पर गुस्से में आकर अपनी बेटी की हत्या कर दी. पुलिस के अनुसार, आरोपी ने लकड़ी काटने वाले कटर से बच्ची के गले पर वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. इसके बाद उसने सबूत मिटाने के लिए शव को कपड़े में लपेटकर आग के हवाले कर दिया. दौंड पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर जांच की गई. वहां से बच्ची का आंशिक रूप से जला हुआ शव बरामद किया गया. पुलिस ने पंचनामा कर शव को कब्जे में लिया और आगे की जांच के लिए पुणे के ससून जनरल अस्पताल भेज दिया है, जहां डीएनए जांच की जाएगी. शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस वारदात की वजह एक मामूली सा विवाद था, जो स्कूल के रिजल्ट को लेकर शुरू हुआ. कुछ दिन पहले अनामिका और एक अन्य बच्चे संस्कार का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ था. इसमें संस्कार को पहला स्थान मिला था, जबकि अनामिका दूसरे स्थान पर रही थी.
बताया जा रहा है कि रिजल्ट के बाद संस्कार ने अनामिका को चिढ़ाया था, जिससे वह आहत हो गई थी. इसके बाद अनामिका ने कथित तौर पर अपनी मार्कशीट में बदलाव कर खुद को पहले स्थान पर और संस्कार को दूसरे स्थान पर दिखा दिया. इसी बात को लेकर आरोपी पिता शांताराम चव्हाण गुस्से में आ गया और उसने इस जघन्य वारदात को अंजाम दे दिया. पुलिस का कहना है कि आरोपी ने गुस्से में आकर बच्ची की हत्या की और फिर सबूत मिटाने की कोशिश की. इस मामले में पुलिस ने आरोपी की पत्नी के खिलाफ भी केस दर्ज किया है. उस पर आरोप है कि उसने घटना की जानकारी होने के बावजूद पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी. फिलहाल पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गोपाल पवार ने बताया कि आरोपी ने अपनी ही बेटी की हत्या गले पर कटर से वार कर की और बाद में शव को जलाने की कोशिश की. उन्होंने कहा कि पुलिस को मौके से आंशिक रूप से जला हुआ शव मिला है

ऑपरेशन सिंदूर का एक सालःक्क्रमोदी ने सोशल मीडिया डीपी बदली, ऑपरेशन का लोगो लगाया, लिखा- देश सेनाओं के शौर्य को सलाम करता है

यह पहल पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किए गए सैन्य ऑपरेशन की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना के साहस को ट्रिब्यूट देने के लिए की गई।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पहलगाम। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। 7 मई 2025 को लॉन्च किए गए ऑपरेशन सिंदूर में, भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में नौ बड़े आतंकी लॉन्चपैड को नष्ट कर दिया था। इस दौरान लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन की सुविधाओं को निशाना बनाया गया। भारतीय सशस्त्र बलों ने इस कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया था। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक के लिए जरिए सेनाओं के पराक्रम को सलाम किया है। उन्होंने लिखा- उदीर्णमनसो योधा वाहनानि च भारत। यस्यां भवन्ति सेनायां ध्रुवं तस्यां जयं वदेत्...। यानी हे भारत, जिस सेना के योद्धा ऊंचे उत्साह और मजबूत मनोबल वाले हों, और जिसके पास अच्छे वाहन/साधन हों, उस सेना की विजय निश्चित मानी जाती है।एक साल पहले, हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बेजोड़ साहस, सटीकता और संकल्प का प्रदर्शन किया था। उन्होंने उन लोगों को करारा जवाब दिया, जिन्होंने पहलगाम में बेकसूर भारतीयों पर हमला करने की हिम्मत की थी। पूरा देश हमारी सेनाओं के शौर्य को सलाम करता है।ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की मजबूत प्रतिक्रिया और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए उसके अटूट संकल्प को दर्शाया। इसने हमारी सेनाओं के पेशेवरपन, तैयारी और समन्वित शक्ति को भी उजागर किया। साथ ही, इसने हमारी सेनाओं के बीच बढ़ते तालमेल को भी दिखाया और इस बात पर जोर दिया कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की भारत की कोशिश ने हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को कितनी ताकत दी है।आज, एक साल बाद भी, हम आतंकवाद को हराने और उसे बढ़ावा देने वाले पूरे तंत्र को तबाह करने के अपने संकल्प पर पहले की तरह ही अडिग हैं। 8 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब सेना के अधिकारियों जानकारी देने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई थी, तब बताया था कि ऑपरेशन के लिए 5 नाम तय हुए थे। सबसे आखिर में 2 नाम ऑपरेशन मंगलसूत्र और सिंदूर चुना गया। पहलगाम आतंकी हमले में कई महिलाओं के सुहाग उजाड़े गए थे,

इसलिए पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को मंजूरी दी। क्या हुआः भारतीय वायुसेना ने 23 मिनट में पीओके और पाक के भीतर 9 आतंकी ठिकाने उड़ाए। 100 आतंकी मारे गए। शाम को पाक ने मिसाइलें दागीं। 15 शहर निशाने पर थे, पर हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने करारा जवाब दिया। मईः देर रात 2 से सुबह 4 बजे क्या हुआः पाक ने लेह से गुजरात तक 1000 ड्रोन से 36 जगह हमला बोला। हमने 98' को मार गिराया। पाक के 4 एयर डिफेंस सिस्टम, एक रडार तबाह। 9 मईः रात 10:30 से 1:55 बजे क्या हुआः पाक ने 26 जगहों पर लंबी दूरी के हथियार दागे। भारत ने ड्रोन और सुखोई विमानों से 'ब्रह्मोस' दागी। इसने पाक के 11 एयरबेस और कई विमान तबाह किए।

आरोपी गैंग ने नौवीं शादी भी करवाई और पीड़ित से लाखों रुपये लेकर महिला फरार हो गई. पुलिस में शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है.

महाराष्ट्र के बीड जिले में फर्जी शादी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला को अलग-अलग पुरुषों से शादी कराकर लाखों रुपये ठगे गए.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बीड . उमापुर गांव से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक ही महिला को अलग-अलग पुरुषों से शादी कराकर ठगी करने वाले एक गिरोह का खुलासा हुआ है. इस मामले ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है. पीड़ित योगेश शिंदे ने इस मामले की शिकायत दर्ज कराई है. उनके अनुसार, वह और उनका परिवार उनके लिए दुल्हन की तलाश कर रहा था. इसी दौरान एक स्थानीय शादी कराने वाला एजेंट उनके संपर्क में आया और उसने एक लड़की का रिश्ता दिखाया. एजेंट ने इस शादी के लिए 3.5 लाख रुपये की मांग की. बताया जा रहा है कि बातचीत के बाद योगेश शिंदे के परिवार ने 3 लाख रुपये देने पर सहमति जताई. इसमें से 1 लाख रुपये नकद और 2 लाख रुपये डिजिटल ट्रांसफर के जरिए दिए गए. पैसे मिलने के तीन दिन बाद एजेंट लड़की को लेकर आया और पास के एक मंदिर में दोनों की शादी करा दी गई. शादी के लगभग एक महीने बाद पीड़ित को एक महिला से मिलवाया गया, जिसे लड़की की मां बताया गया था. बाद में पता चला कि वह महिला भी इस गिरोह का हिस्सा थी और खुद को झूठा रिश्तेदार बताकर धोखाधड़ी कर रही थी. पीड़ित के अनुसार, शादी के दो महीने के भीतर ही महिला अचानक घर से फरार हो गई. जाते समय वह घर से करीब 6 ग्राम सोना और 80 हजार रुपये नकद लेकर चली गई. इसके बाद जब पीड़ित ने जांच की, तो उसे पता चला कि यह कोई सामान्य मामला नहीं है, बल्कि एक संगठित ठगी का हिस्सा है. शिकायत में बताया गया है कि यही महिला पहले भी आठ अलग-अलग पुरुषों से शादी कर चुकी थी और हर बार इसी तरह पैसे लेकर फरार हो जाती थी. यानी यह उसकी नौवीं शादी थी, जिसके जरिए एक और व्यक्ति को ठगा गया. पीड़ित योगेश शिंदे ने बताया कि इस पूरी घटना में उन्हें करीब 9 लाख रुपये का नुकसान हुआ है. इसमें शादी के खर्चे और घर से चोरी हुए सामान की कीमत भी शामिल है. उन्होंने कहा कि इस ठगी के कारण वह मानसिक रूप से काफी परेशान हो गए हैं और आत्महत्या जैसे विचार आने लगे हैं. इस मामले में बीड के चाकलांबा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है. पीड़ित ने न्याय की मांग करते हुए पुलिस अधीक्षक से भी संपर्क किया है और पूरे मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. बताया जा रहा है कि यह गिरोह साल 2023 से सक्रिय है और ग्रामीण इलाकों के लोगों को निशाना बना रहा है. शादी के नाम पर भरोसा जीतकर यह गिरोह लोगों से पैसे लेता है और फिर महिला को फरार करवा देता है.

पीड़ित ने पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

इस घटना ने एक बार फिर यह दिखाया है कि शादी जैसे पवित्र रिश्ते को भी कुछ लोग ठगी का जरिया बना रहे हैं. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है.

ताज और ट्राइडेंट होटल में आतंकी हमले की धमकी, मुंबई पुलिस ने सायन से आरोपी को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई स्थित ताज होटल और ट्राइडेंट होटल को लेकर बुधवार को एक धमकी भरा कॉल मिलने से हड़कंप मच गया। कॉलर ने फोन पर दावा किया कि इन दोनों होटलों में आतंकवादी हमला होने वाला है। धमकी मिलने के तुरंत बाद होटल प्रबंधन ने इसकी सूचना मुंबई पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गईं। दोनों होटलों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और चप्पे-चप्पे पर निगरानी बढ़ा दी गई। बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने मौके पर पहुंचकर सघन जांच अभियान चलाया।

सायन इलाके से पकड़ा आरोपी

मुंबई पुलिस के अनुसार, धमकी भरे कॉल को गंभीरता से लेते हुए तुरंत सुरक्षा बढ़ा दी गई और कॉलर की पहचान करने के लिए तकनीकी टीम को लगाया गया। इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कॉलर को ट्रेस कर मुंबई के सायन इलाके से उसे हिरासत में ले लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

शराब के नशे में किया कॉल

मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने शराब के नशे में धमकी भरा कॉल किया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह अपने घरेलू समस्याओं से परेशान था, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस के अनुसार, आरोपी हाउसकीपिंग का काम करता है

सच्िन तेंदुलकर के साथ किया टीम इंडिया का डेब्यू, अब हुई ये बीमारी... CID और इन फिल्मों में किया है काम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज सललि अंकोला इन दिनों डिप्रेशन से जूझ रहे हैं. पुणे के पास एक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज करा रहे हैं. 58 वर्षीय अंकोला ने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ कराची टेस्ट में सचनि तेंदुलकर के साथ इंटरनेशनल डेब्यू किया था. वहीं उनका वनडे डेब्यू भी उसी साल गुजरांवला में सचनि तेंदुलकर के साथ हुआ था.
सललि अंकोला की पत्नी रिया अंकोला ने TOI को बताया कि अक्टूबर 2024 में मां के निधन के बाद वह मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगे थे. वह इस दुख से बाहर नहीं निकल पा रहे थे और लगातार बीमार भी पड़ रहे थे. इसके बाद उन्होंने खुद इलाज कराने का फैसला लिया.
रिया ने कहा कि परिवार इस बात से खुश है कि सललि ने समय रहते ब्रेक लेकर खुद को संभालने का फैसला किया. उन्होंने बताया कि अंकोला अब तेजी से रिकवर कर रहे हैं और नियमित रूप से वर्कआउट भी शुरू कर चुके हैं. रिया अंकोला के मुताबिक- क्रिकेट हमेशा उनका पहला प्यार रहा है. वह हमेशा फाइटर रहे हैं और हर मुश्किल से पहले से ज्यादा मजबूत होकर बाहर आए हैं. उन्होंने यह भी कहा कि क्रिकेट जगत ने सललि के फैसले का पूरा समर्थन किया है. करीब दो दशक पहले सललि अंकोला शराब की लत से भी जूझ चुके हैं और उन्होंने रिहैबिलिटेशन सेंटर में इलाज कराया था. हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक इस बार उनकी मानसिक स्थिति का शराब से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि उन्होंने काफी पहले शराब छोड़ दी थी.

नेशनल सेलेक्टर भी रहे हैं सललि अंकोला

सललि अंकोला ने जनवरी 2023 से अगस्त 2024 तक भारतीय टीम के नेशनल सेलेक्टर की भूमिका निभाई थी. इससे पहले वह 2021 से 2023 तक मुंबई क्रिकेट टीम के चीफ सेलेक्टर भी रहे. क्रिकेट करियर की बात करें तो अंकोला ने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था. कराची टेस्ट में उन्होंने दोनों पारियों में एक-एक विकेट लिया, लेकिन इसके बाद उन्हें दोबारा टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिला. कुछ हफ्तों बाद उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ ही वनडे डेब्यू किया. उन्होंने भारत के लिए 20 वनडे मुकाबले खेले और 13 विकेट हासिल किए. वहीं घरेलू क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड शानदार रहा. उन्होंने 54 फर्स्ट क्लास मैचों में 181 विकेट और 75 लिस्ट-मुकाबलों में 70 विकेट झटके.
क्रिकेट के बाद सललि अंकोला ने मनोरंजन जगत में भी पहचान बनाई. उन्होंने टीवी शो CID में काम किया और कई फिल्मों व टीवी सीरियल्स में नजर आए. उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और फिटनेस को काफी पसंद किया गया था. अब फैन्स और क्रिकेट जगत को उम्मीद है कि सलि ल अंकोला जल्द पूरी तरह स्वस्थ होकर फिर से अपने पुराने अंदाज में लौटेंगे.

संसद तक पैदल मार्च निकाल रहे थे, सजा पूरी कर चुके सिखों की रिहाई की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली. जानकारी के अनुसार, ये सभी 1984 के सिख दंगों के बंदियों की रिहाई की मांग के लिए दिल्ली गए थे। पहले सभी प्रदर्शनकारी दिल्ली स्थित श्री बंगला साहिब गुरघर में एकत्रित हुए। वहां से सभी ने काले कपड़े या जैकेट पहनकर हाथों में हथकड़ी डालकर पैदल मार्च निकालते हुए संसद तक जाने का फैसला लिया। जैसे ही प्रदर्शनकारी गुरुघर से बाहर रोड पर हाथों में हथकड़ी डालकर पैदल मार्च निकालने लगे। तभी दिल्ली पुलिस वहां आ पहुंची और 100 से ज्यादा सिख प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया। इस दौरान उन्होंने रोष जताया और दिल्ली की बीजेपी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने, आज भी हम बेड़ियों में हैं, बंदी सिंह रिहा करो के नारे लगाए। इस पैदल मार्च में सिरसा से किसान नेता लखविंद्र सिंह और अंग्रेजी सिंह कोटली, दलजीत सिह रंगा, सरदूल सिहं भटटी एवं तिरलोक सिंह खैरा शामिल रहे। किसान नेता लखविंद्र सिंह ने बताया, अभी दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया हुआ है। इससे सभी प्रदर्शनकारियों में रोष का माहौल है। वे सभी शांतिपूर्ण तरीके से पैदल मार्च कर संसद जा रहे थे। रास्ते में पुलिस ने धक्काशाही करते हुए हिरासत में लिया है। उनकी मांग है कि सिख दंगों के जो आरोपी अपनी सजा पूरी कर चुके हैं और उनको 35 साल होने को गए। आज भी जेल में हैं। संविधान के अनुसार उनकी सजा पूरी हो चुकी है, परंतु सरकार उनको रिहा नहीं कर रही। उन्होंने मांग है कि सभी सिख बंदियों को रिहा किया जाए।

भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट जबलपुर टीम की मासिक बैठक संपन्न, नशामुक्ति जन-जागरूकता अभियान चलाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट जबलपुर टीम की मासिक बैठक दिनांक 06 मई 2026 को दयानगर पार्क, जबलपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष श्रीमती ममता यादव एवं जिला अध्यक्ष श्री धनराज सोनकर के नेतृत्व में किया गया। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, सामाजिक गतिविधियों एवं जनहित कार्यों को प्रभावी रूप से संचालित करने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही आगामी कार्यों की रूपरेखा तैयार कर संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के पश्चात भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट की जबलपुर टीम द्वारा नशामुक्ति जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आमजन के बीच जाकर नशामुक्ति संबंधी पैम्फलेट वितरित किए तथा लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। जनसम्पर्क अभियान के माध्यम से लोगों को 'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो' एवं 'स्वस्थ जीवन, खुशहाल परिवार' का संदेश दिया गया। साथ ही मानव अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए 'मानव अधिकार सबका अधिकार' विषय पर भी लोगों को जानकारी दी गई। संगठन द्वारा लोगों से अपील की गई कि यदि किसी भी प्रकार की सामाजिक, पारिवारिक अथवा मानव अधिकार संबंधी समस्या हो तो भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट से संपर्क करें। जबलपुर जिला हेल्पलाइन के माध्यम से हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष श्रीमती ममता यादव,जिला अध्यक्ष श्री धनराज सोनकर,महामंत्री श्रीमती अर्चना यादव,गोरखपुर तहसील अध्यक्ष श्रीमती रश्मी केवट,जिला कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती रेखा पटेल,जिला कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती रूपा दहिया,जिला कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती आशा गोस्वामी उपस्थित रहें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह यादव ने कहा कि समाज में जागरूकता और जनसंपर्क के माध्यम से ही नशामुक्त एवं सशक्त भारत का निर्माण संभव है। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट निरंतर मानव अधिकार संरक्षण, सामाजिक न्याय एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। उन्होंने जबलपुर टीम द्वारा चलाए गए नशामुक्ति अभियान की,

मालसगोदा में अवैध शराब बिक्री के विरोध में भारतीय मानव अधिकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवासः-भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट द्वारा देवास जिले की ग्राम पंचायत मालसगोदा में अवैध शराब बिक्री एवं उससे प्रभावित आदिवासी परिवारों की समस्याओं को लेकर महत्वपूर्ण पहल की गई। संगठन के देवास जिला अध्यक्ष श्री सतीश जी खण्डेलवाल, देवास जिला संगठन मंत्री श्रीमती रीना जी खण्डेलवाल, देवास जिला मंत्री श्री महेन्द्र जी गुर्जर, कन्नौद नगर प्रभारी श्री शंकर जी जाट एवं देवास जिला कार्यकारिणी सदस्य श्री अशोक जी गुर्जर सहित संगठन के समस्त पदाधिकारियों ने ग्राम पंचायत मालसगोदा पहुंचकर पीड़ित आदिवासी महिला एवं परिवार की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने कन्नौद एडिशनल एसपी श्रीमती सौम्या जैन मैडम जी से मुलाकात कर ग्रामीण क्षेत्र में हो रही अवैध शराब बिक्री, उससे प्रभावित परिवारों की स्थिति एवं सामाजिक दुष्प्रभावों से अवगत कराया। साथ ही पीड़ित महिला उर्मिला पति अशोक, जाति अहिरवाल, की पारिवारिक समस्याओं को भी विस्तारपूर्वक प्रशासन के समक्ष रखा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल एसपी मैडम जी द्वारा तत्काल संबंधित थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया कि ग्राम में चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों को समझाइश दी जाए एवं समस्या का उचित समाधान सुनिश्चित किया जाए। एडिशनल एसपी मैडम जी ने पीड़ित महिला को आश्वस्त करते हुए कहा कि भविष्य में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर तुरंत 112 पर कॉल कर प्रशासन को सूचित करें। प्रशासन हर संभव सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेगा। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट द्वारा ग्रामीण एवं आदिवासी परिवारों के हित में निरंतर जनसेवा, सामाजिक न्याय, मानव अधिकार संरक्षण एवं जागरूकता के कार्य किए जा रहे हैं। संगठन समाज के कमजोर एवं पीड़ित वर्गों की आवाज बनकर उनके अधिकारों की रक्षा हेतु निरंतर प्रयासरत है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब बिक्री समाज एवं परिवारों को खोखला कर रही है। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट सदैव पीड़ित एवं शोषित परिवारों के साथ खड़ा है। संगठन का उद्देश्य समाज में जागरूकता लाकर सामाजिक न्याय एवं मानव अधिकारों की रक्षा करना है। प्रशासन एवं समाज के संयुक्त प्रयासों से ही इस प्रकार की सामाजिक बुराइयों पर नियंत्रण संभव है।

जनगणना-2027 का शुभारंभः सीएम योगी बोले, यह समग्र और समावेशी विकास का आधार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में जनगणना-2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ किया। हमारी जनगणना, हमारा विकास की भावना के साथ मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य का श्रीगणेश किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना भर नहीं है, बल्कि समग्र, समावेशी और सुनियोजित विकास का सशक्त आधार है।

सीएम योगी ने कहा कि आज का युग डेटा आधारित निर्णयों का है, और जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़े आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि यह विकास की धारा में समाज के अंतिम व्यक्ति की समान सहभागिता सुनिश्चित करने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में पहली बार डिजिटल

जनगणना हो रही है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्य होने है। आमजन को 07 से 21 मई, 2026 तक स्वगणना का विकल्प उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते है। इसके उपरांत जनगणना कार्मिक घर-घर जाकर सूचीकरण का कार्य करने वाले है। द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। इस बार जनगणना में जातीय गणना को भी सम्मिलित किया गया है, साथ ही पहली बार वन ग्रामों को भी जनगणना प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्वरित बनाया गया है। इसके लिए एक विशेष जनगणना पोर्टल तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से ग्राम एवं वार्ड स्तर तक कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। उत्तर प्रदेश की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या करीब 25 करोड़ 70 लाख है। यह व्यापक कार्य प्रदेश के 18 मंडलों, 75 जनपदों सहित 1 लाख 4 हजार राजस्व ग्रामों में संपादित किया जाएगा। इस सफल संचालन हेतु लगभग 5.47 लाख कार्मिकों की तैनाती की जा रही है, जिनमें 4.50 लाख प्रगणक, 85 हजार सुपरवाइजर तथा 12 हजार राज्य एवं जनपद स्तरीय अधिकारी शामिल हैं। लगभग 5.35 लाख कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

दिल्ली मंडल में चेन पुलिंग पर सख्त कार्रवाई: 1483 लोग गिरफ्तार, यात्रियों को चेतावनी

नई दिल्ली(एजेंसी) । उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने ट्रेन में अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) के दुरुपयोग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस साल 2026 के शुरुआती चार महीनों में ही 1483 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 2025 में आंकड़ा 5180 था। रेलवे ने चेतावनी दी है कि अनावश्यक रूप से चेन खींचने पर रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत एक साल तक की जेल, 1000 रुपये का जुर्माना या दोनों सजाएं हो सकती हैं। रेलवे के अनुसार, अलार्म चेन की सुविधा केवल आग लगने, मेडिकल इमरजेंसी, आपराधिक घटना या चढ़ते-उतरते समय हुए गंभीर हादसों जैसी वास्तविक आपात स्थितियों के लिए है। हालांकि, कई यात्री अक्सर अपनी ट्रेन छूटने या बीच रास्ते में उतरने जैसी सामान्य वजहों से इसका दुरुपयोग करते हैं। इससे न केवल संबंधित ट्रेन लेट होती है, बल्कि उसके पीछे चलने वाली अन्य एक्सप्रेस और उपनगरीय ट्रेनों का पूरा शेड्यूल भी बिगड़ता है, जिससे हजारों यात्रियों को असुविधा होती है। दिल्ली रेल मंडल ने उन मार्गों और स्टेशनों की पहचान की है जहाँ यह समस्या सबसे अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, गाजियाबाद, गुरुग्राम, नई दिल्ली, पानीपत और रोहतक जैसे स्टेशन, और दिल्ली-मुजफ्फरनगर तथा नई दिल्ली-कुरुक्षेत्र रेल सेक्शन मामले में सर्वाधिक प्रभावित हैं। रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि किसी भी समस्या के लिए चेन खींचने के बजाय रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल करें या ऑन-ड्यूटी टीटीई से संपर्क करें।ट्रेन की चेन खींचने पर ब्रेक पाइप में हवा का दबाव कम हो जाता है, जिससे लोको पायलट को तीन बार हॉर्न बजाकर ट्रेन रोकनी पड़ती है। ट्रेनों में लगे इमरजेंसी फ्लैशर या गार्ड की जांच से तुरंत पता चल जाता है कि चेन कहाँ से खींची गई है, और रेल पुलिस बिना वजह चेन पुलिंग करने वालों को मौके पर ही पकड़ लेती है। रेलवे ने सभी यात्रियों से जिम्मेदार नागरिक बनने और इस महत्वपूर्ण सुविधा का केवल वास्तविक आपातकाल में ही उपयोग करने का आग्रह किया है।

आय छिपाने का मामला: हाईकोर्ट में थलापति विजय के खिलाफ याचिका दायर

-एफआईआर दर्ज करने की मांग

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में आए बड़े बदलाव के बीच सुपरस्टार थलापति विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के लिए नई कानूनी चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। एक ओर जहां विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और हाल ही में उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया है, वहीं दूसरी ओर मद्रास हाईकोर्ट में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर एक रिट याचिका दायर की गई है।

यह याचिका चेन्नई निवासी एम. राजकुमार द्वारा दाखिल की गई है, जिसमें अभिनेता विजय पर साल 2015 के दौरान अपनी वास्तविक आय और वित्तीय लेन-देन छिपाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह विवाद मुख्य रूप से उनकी फिल्म पुली की रिलीज के समय का है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि आयकर विभाग विजय के खिलाफ आधिकारिक अभियोजन शुरू करे और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करें। साथ ही, यह भी अनुरोध किया गया है कि आयकर विभाग जब्त की गई सामग्रियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपे ताकि मनी लॉन्ड्रिंग के संभावित पहलुओं की जांच की जा सके। मद्रास हाईकोर्ट की रजिस्ट्री ने बुधवार को इस रिट याचिका को नंबर दे दिया है और जल्द ही इस पर सुनवाई होने की संभावना है। इससे पहले, मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की खंडपीठ ने 8 अप्रैल को रजिस्ट्री को इस याचिका को स्वीकार करने के निर्देश दिए थे। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सत्ता संभालने की तैयारियों के बीच विजय के खिलाफ इन पुराने मामलों का फिर से उभरना उनके भविष्य के समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। फिलहाल, सभी की निगाहें हाईकोर्ट के अगले रुख पर टिकी हैं। मामले की जड़ें 30 सितंबर 2015 को आयकर विभाग द्वारा विजय के आवास और कार्यालयों पर की गई छापेमारी से जुड़ी हैं। विभाग को तलाशी के दौरान ऐसे दस्तावेज मिले थे जिनसे संकेत मिला कि पुली के निर्माताओं ने विजय को चेक के माध्यम से दी गई फीस के अलावा 4.93 करोड़ रुपये नकद दिए थे। उस समय मेकर्स ने केवल चेक की राशि पर टीडीएस जमा किया था। पूछताछ के दौरान विजय ने कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये नकद लेने की बात स्वीकार की थी और उस पर टैक्स देने की सहमति जताई थी। विवादों को सुलझाने के लिए विजय ने वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए 15 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय घोषित की थी। हालांकि, बाद में जब उन्होंने अपनी आय का रिटर्न दाखिल किया, तो उन्होंने फैंस क्लब के खर्चों और संपत्तियों के अवमूल्यन पर छूट की मांग की। आयकर विभाग ने इन दावों को खारिज करते हुए उन पर जुर्माना लगा दिया था।

इस्तीफा देने के बाद भी हाईकोर्ट में जज बने हुए हैं जस्टिस वर्मा, सूची में तीसरा नाम

-अब तक राष्ट्रपति मुर्मू की ओर से वर्मा के इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है

प्रयागराज (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट का जज रहते हुए जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर बड़े पैमाने पर कैश मिला था। वहीं कुछ कैश जला हुआ भी पाया गया था और इसे लेकर सवाल उठे तो उनका ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया गया था। वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग की प्रक्रिया भी लाने पर विचार हुआ। इस बीच पिछले दिनों उन्होंने खुद ही जस्टिस के पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन वह अब भी जज बने हुए हैं। ऐसा शायद इसलिए है क्योंकि अब तक राष्ट्रपति की ओर से उनके इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इलाहाबाद हाईकोर्ट में जजों की तैनाती इलाहाबाद और लखनऊ में है। लखनऊ खंडपीठ में 28 जजों की तैनाती है, जबकि इलाहाबाद में 79 जज हैं। हाईकोर्ट के पोर्टल पर इलाहाबाद स्थित जजों की सूची में अब भी जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम तीसरे स्थान पर है उनसे ऊपर जस्टिस एमसी त्रिपाठी और जस्टिस अरिंदम सिन्हा का नाम है। ऐसा शायद इसीलिए है क्योंकि अब तक जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा लंबित है और उस पर कोई फैसला नहीं हो सका है।

बता दें जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखकर इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि मैं नहीं चाहता कि आपके शुचितापूर्ण दफ्तर पर किसी तरह की ऐसी चीजें पहुंचे, जो गलत हों। मुझे बेहद दुख है कि ऐसी चीजों में मेरा नाम लिया गया। ऐसी स्थिति में मैं इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के पद से इस्तीफा देता हूं। जस्टिस वर्मा ने अपने इस्तीफे में तत्काल प्रभाव वाली बात लिखी थी। नियम के मुताबिक उन्हें तत्काल ही जज की सूची से हट जाना चाहिए।

इसके अनुसार यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति के नाम लिखता है तो वह जिस तारीख से उसके लागू होने की बात करेगा, उसी दिन से वह माना जाएगा। यदि वह तत्काल प्रभाव वाली बात लिखता है तो फिर वही लागू होगी। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच ने 15 फरवरी, 1978 को जस्टिस गोपाल चंद्र मिश्रा के केस में फैसला दिया था और बताया था कि यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजता है तो फिर उसे निश्चित तारीख से माना जाएगा। बता दें जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच में सुनवाई भी हुई थी। उन्होंने

अपने फैसले में जस्टिस यशवंत वर्मा की फाइल को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के समक्ष भेजा था और कहा था कि उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर चेताया, भारत न भूलता है, न माफ करता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई 2025 में सीमा पार आतंकी ठिकानों पर की गई ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को आज एक साल पूरा हो गया है। इस अवसर पर भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना ने एक विशेष वीडियो साझा कर दुनिया और विशेष रूप से शत्रु देशों को स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अपनी सुरक्षा और अखंडता के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। वायुसेना ने अपने आधिकारिक संदेश में बेहद सख्त लहजे का इस्तेमाल करते हुए कहा कि भारत न कुछ भूलता है और न ही किसी को माफ करता है। यह बयान आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को मजबूती से दोहराता है। जारी किए गए वीडियो की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संबोधन से होती है, जिसमें उन्होंने देश की इच्छाशक्ति को प्रकट करते हुए कहा था कि भारत आतंकियों और उनके मददगारों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और उनका खात्मा करेगा। यह संकल्प केवल एक बयान नहीं, बल्कि भारत की नई सैन्य कूटनीति की आधारशिला बन गया है। पिछले साल मई में भारतीय जांबाजों ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर सीमा पार सक्रिय आतंकी लॉन्च पैड्स और उनके ठिकानों को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया था। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी उपलब्धि इसकी सर्जिकल प्रिसिजन (सटीकता) थी, जिससे बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के केवल लक्ष्यों को निशाना बनाया गया। वायुसेना ने इसे सटीक कार्रवाई और शाश्वत यादों वाला ऑपरेशन बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कार्रवाई ने दक्षिण एशिया के सुरक्षा समीकरणों को हमेशा के लिए बदल दिया है। सेना और वायुसेना का यह साझा संदेश उन ताकतों के लिए चेतावनी है जो सीमा पार से अस्थिरता फैलाने की कोशिश करते हैं। वीडियो के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि भारत अब केवल रक्षात्मक नहीं रहा, बल्कि प्रो-एक्टिव होकर खतरे को उसकी जड़ में खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है। यह ऑपरेशन साबित करता है कि भारत के पास अब ऐसी तकनीकी और सामरिक ताकत है, जिससे वह किसी भी हिमाकत का तत्काल और करारा जवाब दे सकता है। ऑपरेशन सिंदूर की यह बरसी न केवल जवानों के साहस को नमन करती है, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि भारत अब दुश्मन के घर में घुसकर प्रहार करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति रखता है।

बुजुर्ग महिला के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में थाना लालबाग पुलिस कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। बुजुर्ग महिला से लाखों रुपए धोखाधड़ी कर ठगने वाले आरोपी को लालबाग पुलिस ने गिरफ्तार किया पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना लालबाग में दर्ज अपराध क्रमांक 165/2026 धारा 420, 467, 468 भादवि के प्रकरण में पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण के संबंध में प्रार्थिया फगनी बाई साहू पति स्व0 जेठूराम साहू उम्र 65 वर्ष निवासी चमारराय टोलागांव, थाना लालबाग, जिला राजनांदगांव द्वारा लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि आरोपी महेश राम वर्मा पिता लिखन राम वर्मा उम्र 49 वर्ष निवासी मोतीपुर तालाब के पास वार्ड क्रमांक 02 थाना कोतवाली जिला राजनांदगांव द्वारा स्वयं को निवेश एवं बीमा संबंधी कार्य से जुड़ा होना बताकर प्रार्थिया से वर्ष 2014, 2022 एवं 2023 में किश्तों के माध्यम से कुल 5,42,000/- रुपये प्राप्त किये गये। आरोपी द्वारा उक्त राशि को निवेश कर दुगुना लाभ दिलाने का झांसा देकर विभिन्न बांड पेपर एवं दस्तावेज प्रदान किये गये। मामले की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक महोदया सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के मार्गदर्शन में थाना लालबाग पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही की गई। विवेचना के दौरान आरोपी से पूछताछ की गई, जिसमें आरोपी द्वारा प्रार्थिया से राशि प्राप्त करना स्वीकार किया गया। प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर धोखाधड़ी करना पाए जाने पर पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त हुए।

ACB को देख फर्श पर फेंके नोट, फिर भी शिकंजे से नहीं बच पाया सोनू पंवार

रिश्वतखोर कंप्यूटर ऑपरेटर ACB के हत्थे चढ़ा; मेडिकल लाइसेंस के नाम पर मांग रहा था 13,000

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) टोंक की टीम ने गुरुवार शाम एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण कार्यालय के संविदा कर्मी कंप्यूटर ऑपरेटर सोनू पंवार को 13 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मेडिकल स्टोर के लाइसेंस के एवज में यह राशि मांगी थी।

फर्श पर फेंके रुपए, पर बच नहीं सका आरोपी

ACB के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबरमल ने बताया कि जैसे ही टीम ने आरोपी को दबोचने की कोशिश की, उसने घबराकर रिश्वत की रकम पैंट की जेब से निकालकर फर्श पर फेंक दी। हालांकि, टीम ने तत्परता दिखाते हुए राशि बरामद कर ली और आरोपी को हिरासत में ले लिया।

पूरी घटना का घटनाक्रमः

शिकायतः परिवादी ने मेडिकल स्टोर लाइसेंस के लिए आवेदन किया था, जिसके बदले आरोपी सोनू पंवार ने 15 हजार रुपए की मांग की थी।

परिवादी ने जब दोबारा बात की तो आरोपी ने स्पष्ट कहा कि 13 हजार रुपए से एक रुपया भी कम नहीं होगा। ACB ने शिकायत का सत्यापन किया तो मामला सही पाया गया।

आचार्य पदवी निमित्त 8 मई को होगा सामूहिक सामायिक एवं जाप आराधना आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। इंदौर श्रीसंघ के उपकारी, शतावधान युग प्रवर्तक, वर्धमान तपोनिधि पूज्य आचार्य श्री नयपद्मसागर सूरीजी म.सा. के शिष्यरत्न इंदौर रत्न, अध्यात्मरसिक पूज्य गणि श्री ऋषभपद्मसागरजी म.सा. तथा सहस्त्रावधानी पूज्य गणि श्री अजितचंद्रसागरजी म.सा. के आचार्य पदवी निमित्त 8 मई 2026, शुक्रवार को शहर के विभिन्न जैन श्रीसंघों में सामूहिक सामायिक एवं मंत्र जाप आराधना का आयोजन किया जाएगा। श्री नरीमन-नवकार जैन संघ ट्रस्ट, नरीमन सिटी, इंदौर द्वारा आयोजित इस धार्मिक आयोजन में 'सोने में सुगंध धनंजय' की 495वीं ध्वजा दिवस के उपलक्ष्य में श्रद्धालु

'? ह्रीं अर्हं श्री सिद्धगिरिराजाय नमः' मंत्र का 108 बार जाप करेंगे तथा '? ह्रीं नमो आयरियाणं' मंत्र की आराधना करेंगे। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से 10 बजे तक आयोजित होगा। आयोजन में पिपली बाजार, रेसकोर्स रोड , तिलकेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ ट्रस्ट, कालानी नगर, नरीमन, आलोक नगर, क्लर्क कॉलोनी, महेश नगर, रतनबाग, हाई लिंक सिटी, पार्श्वनाथ नगर, राज नगर , जानकी नगर, वर्धमान नगर एवं वल्लभ नगर, राऊ श्री संघ सहित अनेक जैन श्वेतांबर श्रीसंघों की सहभागिता रहेगी। लाभार्थी परिवार की ओर से सामायिक एवं जाप करने वाले पुण्यशालियों के लिए प्रभावना की व्यवस्था भी रखी गई है। आयोजन समिति में प्रमुख रूप से शरद शाह, अभय खिंवसरा एवं सौरभ गोटावाला सक्रिय रूप से सेवाएं दे रहे हैं। वहीं SNP नरीमन शाखा के पिंकेश जैन गोटा वाला , विकास राजगढ़ वाला ,अमित मेहता एवं अंकित जैन भी आयोजन व्यवस्थाओं में सहयोग कर रहे हैं। आयोजकों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से अपने-अपने श्रीसंघों में पहुंचकर धर्म आराधना में सहभागी बनने की अपील की है।

अवैध रूप से शराब रखकर शराब बिक्री करने वाला गिरफ्तार

चिचोला चौकी पुलिस का अवैध शराब बिक्री करने वालो के खिलाफ कार्यवाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदया राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के द्वारा चलाये जा रहे नशा उन्मुलन अभियान एवं अवैध गतिविधियों के रोकथान हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अति0 पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव कीर्तन राठौर व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केसरीनंदन नायक के दिशा-निर्देशन पर पुलिस चौकी प्रभारी चिचोला निरीक्षक योगेश पटेल के नेतृत्व में हमराह स्टाप के द्वारा दिनांक 06.05.2026 को मुखबीर से सूचना मिला कि एक व्यक्ति ग्राम रंगीटोला से शराब खरीद कर बेचने हेतु ग्राम नारायणगढ जाने का मार्ग ग्राम लालबहादूर नगर के पास खडा था मौके में जाकर देखने पर पुलिस गाडी को देखकर भागने का प्रयास कर रहा था। जिसको घेराबंदी कर पकडा नाम पता पूछने पर अपना नाम वेदकुमार वर्मा उर्फ छोटे पिता मानसिंग वर्मा उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम नागतराई थाना डोंगरगढ का रहने वाला बताया एवं उसके कब्जे से एक पीला रंग सीमेंट प्लास्टिक बोरी में रखे 30 पौवा शोले प्लेन देशी मदिरा शराब प्रत्येक में 180- 180 एमएल भरी शीलबंद हालात में कुल मात्रा 5.400 बल्क लीटर कुल कीमती 2400 रू समक्ष गवाहन के बरामद कर जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया आरोपी द्वारा अवैध रूप से धन अर्जित करने हेतु अवैध शराब बिक्री कर रहा था आरोपी का कृत्य धारा- 34(2) आबकारी एक्ट का घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को विधिवत् गिरफतार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया सम्पुर्ण कार्यवाही में चौकी प्रभारी श्री योगेश पटेल, सउनि. बिरेन्द्र नाविक, प्रआर. 727 मप्रआरक्षक 846, आरक्षक 1800 171 का सराहनीय योगदान रहा।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 114 अंक गिरा, निफ्टी 24,326.65 पर फिसला

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई हैं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 114 अंक टूटकर 77,844.52 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.30 अंक नीचे आकर 24,326.65 पर बंद हुआ। आज सुबह गिफ्टी में कमजोरी दिख रही थी। बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव हावी रहा। लार्जकैप कंपनियों के शेयरों में दबाव को मिल रहा था जबकि मिडकैप स्टॉक्स में एक नई तेज़ी रही। .निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा बढ़त एचडीएफसी लाइफ में देखने को मिली, जिसमें 3.15 फीसदी की बढ़त देखने को मिली. इसके बाद, बजाज ऑटो में 2.78 फीसदी बढ़त, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 2.12 फीसदी की बढ़त, ग्रासिम इंडस्ट्रीज में 1.58 फीसदी की तेज़ी और एनटीपीसी में 1.40 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा गिरावट क्वालिटी वॉल्स में 2.95 फीसदी की रही। इसके बाद, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.94 फीसदी की गिरावट, टीसीएस में 1.40 फीसदी की गिरावट, टेक महिंद्रा में 1.27 फीसदी की गिरावट और टाइटन कंपनी में 1.20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। जापान के निक्केई और अमेरिकी शेयर बाजारों ने रिकॉर्ड नए स्तरों को छुआ, वहीं घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में गिरावट पर दिखे। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 95 अंकों की गिरावट के साथ 77,862 के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 16 अंक फिसलकर 24,314 पर पहुंच गया। आज एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 225 इंडेक्स जोरदार तेजी के साथ 5 फीसदी से अधिक चढ़कर पहली बार 62,000 के स्तर के पार पहुंच गया, जो एक नया रिकॉर्ड है।

पश्चिम एशिया संकट से मोटरसाइकिल की मांग में आई नरमीः बजाज ऑटो

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर भारत के दोपहिया बाजार पर भी दिखने लगा है। शुरुआती स्तर की मोटरसाइकिलों की मांग पर दबाव आया है, जबकि इलेक्ट्रिक स्कूटर की मांग बढ़ गई है। बजाज ऑटो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। दोपहिया वाहन विनिर्माता बजाज ऑटो के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने विश्लेषकों के साथ चर्चा में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 20 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़े मोटरसाइकिल बाजार के अब घटकर सात-नौ प्रतिशत की वृद्धि तक ही सीमित रह जाने का अनुमान है। उन्होंने मांग में सुस्ती के संकेतों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि पहले 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा मोटरसाइकिल उद्योग अप्रैल में सिर्फ नौ प्रतिशत की दर से बढ़ा। उन्होंने कहा कि मार्च और अप्रैल के बीच एक बदलाव का बिंदु देखने को मिला, जो पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट के विभिन्न प्रभावों के कारण हुआ। इस संकट की वजह से एलपीजी की किल्लत, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, महंगाई का दबाव और उपभोक्ता धारणा में नरमी देखी गई है।शर्मा ने कहा कि मांग कमजोर होने पर किफायती दोपहिया खंड पर ज्यादा असर पड़ता है, जबकि महंगे मोटरसाइकिल खंड में अपेक्षाकृत मजबूती बनी हुई है। यह खंड उद्योग की औसत दर से लगभग दोगुनी गति से बढ़ सकता है।उन्होंने कहा कि ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका ने उपभोक्ताओं का रुझान इलेक्ट्रिक स्कूटर की तरफ बढ़ाने का काम किया है। कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर 'चेतक' की बिक्री मार्च तिमाही में 40 प्रतिशत बढ़ी थी और अप्रैल में भी इसमें 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई।शर्मा ने कहा कि आगे बाजार की दिशा काफी हद तक ईंधन कीमतों और महंगाई को नियंत्रित करने के सरकारी प्रयासों पर निर्भर करेगी।

प्रोंटो को 2 करोड़ डॉलर का नया निवेश, मूल्यांकन 200 मिलियन डॉलर

लैची ग्रूम के नेतृत्व में निवेश के बाद सीरीज-बी चरण 4.5 करोड़ डॉलर पर संपन्न

नई दिल्ली।

घरेलू सेवाएं प्रदान करने वाले मंच प्रोंटो ने अपनी सेवाओं के विस्तार और तकनीकी उन्नयन के लिए 2 करोड़ डॉलर (लगभग 166 करोड़ रुपये) का नया निवेश सफलतापूर्वक जुटाया है। इस नवीनतम वित्तपोषण के साथ, कंपनी का मूल्यांकन लगभग एक महीने में दोगुना होकर 20 करोड़ डॉलर हो गया है, जो इसकी तेजी से बढ़ती बाजार उपस्थिति को दर्शाता है। इस निवेश दौर का नेतृत्व एआई रोबोटिक्स कंपनी फिजिकल इंटेलिजेंस के सह-संस्थापक एवं क्विक-कॉमर्स फर्म जेप्टो के शुरुआती निवेशक लैची ग्रूम ने किया। इस ताज़ा फंडिंग के साथ प्रोंटो ने अपना सीरीज-बी वित्तपोषण चरण कुल 4.5 करोड़ डॉलर पर बंद कर दिया है। अब तक प्रोंटो लगभग 6 करोड़ डॉलर जुटा चुका है, जिसके प्रमुख निवेशकों में जनरल कैटलिस्ट, बेन कैपिटल वेंचर्स, ग्लेड ब्रुक और एपिक कैपिटल शामिल हैं। प्रोंटो शहरी परिवारों को सफाई, कपड़े धोने और भोजन बनाने जैसे दैनिक कार्यों के लिए प्रशिक्षित और सत्यापित पेशेवरों से जोड़ता है। स्टार्टअप के अनुसार, सीरीज-बी के पहले चरण के बाद उसकी दैनिक बुकिंग बढ़कर 26,000 हो गई है, जबकि चार महीने में इसका कार्यबल 6,500 पेशेवरों तक पहुंच गया है, जो इसकी तेजी से बढ़ती पहुंच और स्वीकार्यता को दर्शाता है। प्रोंटो के एक अ धिकारी ने कहा कि असंगठित श्रम को संगठित करना आने वाले दशक में सेवा क्षेत्र का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव होगा। यह उपभोक्ता अर्थव्यवस्था की सबसे कठिन समस्याओं में से एक है। हमारा दीर्घकालिक लक्ष्य दुनिया का सबसे बड़ा श्रम संगठन मंच बनना है। यह निवेश प्रोंटो को अपने लक्ष्य की ओर एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने में मदद करेगा।

पीएम पैनल की निजी क्षेत्र में पितृत्व अवकाश की वकालत

निजी क्षेत्र में वैधानिक प्रावधान और वित्तपोषण मॉडल का प्रस्ताव

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने श्रम मंत्रालय से पितृत्व अवकाश नीतियों में चरणबद्ध सुधार लाने का आह्वान किया है। परिषद का कहना है कि वर्तमान में निजी क्षेत्र में ऐसे अवकाश के लिए कोई वैधानिक प्रावधान नहीं है, जिससे देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों में असंतुलन बना हुआ है। परिषद ने अपने शोधपत्र 'रीइमैजिनिंग द केयर इकनॉमी' में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। परिषद ने सिफारिश की है कि पहले चरण में निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए वैधानिक पितृत्व अवकाश का विस्तार किया जाए।

तेलंगाना सरकार का स्वयं सहायता समूहों को 27,000 करोड़ ऋण देने का लक्ष्य

हैदराबाद । तेलंगाना सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। राज्य ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इन समूहों को लगभग 27,000 करोड़ रुपये (26,621.47 करोड़ रुपये) का ऋण उपलब्ध कराने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डी. अनसूया सीताक्का ने बृहस्पतिवार को वार्षिक ऋण योजना जारी करते हुए इस लक्ष्य की घोषणा की। यह लक्ष्य पिछले वित्त वर्ष (2025-26) में बैंकों द्वारा दिए गए 25,228.89 करोड़ रुपये के ऋण से अधिक है, जो राज्य में महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। तेलंगाना में वर्तमान में 67 लाख सदस्यों के साथ महिला स्वयं सहायता समूहों का एक सशक्त नेटवर्क मौजूद है। सरकार एक करोड़ लोगों को करोड़पति बनाने के अपने व्यापक दृष्टिकोण के तहत इन समूहों को विभिन्न पहलों में शामिल कर रही है, जिनमें एसएचजी द्वारा संचालित सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना, अम्मा आदर्श पाठशाला का प्रबंधन और स्कूल यूनिफॉर्म की सिलाई जैसे कार्य शामिल हैं। ये कदम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

साइबर सुरक्षा में एयरटेल का बड़ा कदम; हाइब्रिड दफ्तरों के लिए देश का पहला यूनिफाइड ज़ीरो ट्रस्ट समाधान लॉन्च

कंपनियों के सुरक्षा खर्च में होगी 30त्न तक की बचत; एआई-संचालित हमलों से निपटने के लिए बनाया अभेद्य कवच

नई दिल्ली ।

एआई-संचालित साइबर हमलों के बढ़ते खतरों और जटिलताओं के बीच, भारती एयरटेल की बी2बी इकाई एयरटेल बिज़नेस ने आज 'एयरटेल सिक्योर वर्कफोर्स' लॉन्च किया है। यह हाइब्रिड मॉडल पर काम करने वाले उद्यमों के लिए भारत का पहला पूर्णतः प्रबंधित और एकीकृत ज़ीरो ट्रस्ट आर्किटेक्चर सुरक्षा समाधान है। वर्ष 2025 में दर्ज हुई 20 लाख से अधिक साइबर सुरक्षा घटनाओं को देखते हुए, यह प्लेटफॉर्म उद्यमों के लिए एंड-टू-एंड और नियमों के अनुरूप सुरक्षा तंत्र उपलब्ध कराता है।

एयरटेल बिज़नेस के सीईओ शरत सिन्हा ने बताया कि यह समाधान न केवल सुरक्षित कनेक्टिविटी प्रदान करता है, बल्कि उद्यमों के साइबर सुरक्षा खर्च में 30 प्रतिशत तक की कमी भी सुनिश्चित करेगा। एयरटेल के 24×7 विशेषज्ञों की निगरानी और राष्ट्रीय स्तर की सुरक्षा विशेषज्ञता संगठनों को अपने स्वयं के सुरक्षा बुनियादी ढांचे को चलाने के परिचालन बोझ से मुक्त करेगी, जिससे वे अपने मुख्य व्यवसाय के विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

भारत के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के अनुपालन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह समाधान उपयोगकर्ताओं, उपकरणों और नेटवर्क के हर टच पॉइंट को सुरक्षित करता है। इसका एकीकृत डैशबोर्ड उद्यमों को उनके पूरे नेटवर्क और डेटा का एक ही जगह पर सिंगल व्यू प्रदान करता है। इसके साथ ही, एयरटेल ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भी अनावरण किया है, जहाँ उद्यम इस अभेद्य सुरक्षा प्रणाली का लाइव अनुभव ले सकेंगे।

ऊर्जा बाधाओं से भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.6 फीसदी रहने का अनुमानः रिपोर्ट

विकसित भारत 2047 के लिए ऊर्जा व खाद्य सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली ।

ऊर्जा आपूर्ति में बाधाओं और बाहरी आर्थिक झटकों के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर में कमी आ सकती है।

एसएंडपी ग्लोबल और क्रिसिल ने एक संयुक्त रिपोर्ट में यह आशंका जताई, जिसमें देश की विकास दर 7.1 प्रतिशत के पिछले अनुमान से घटकर 6.6 प्रतिशत रहने की बात कही गई है।

यह गिरावट वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों और अस्थिर बाजार स्थितियों का परिणाम है। इंडिया फारवर्ड शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत इस समय ऊर्जा आपूर्ति बाधाओं, तेल और गैस की बढ़ती कीमतों तथा मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव जैसे बाहरी आर्थिक झटकों का सामना कर रहा है।

ऐसी स्थिति में विकसित भारत 2047 का लक्ष्य हासिल करने के लिए ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा से जुड़े सुधारों के साथ-साथ रणनीतिक भंडार तैयार करने के लिए एक व्यापक ऊर्जा भंडारण नीति की आवश्यकता पर बल दिया गया है। क्रिसिल के एक अर्थशास्त्री ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के लंबा खिंचने से रुपए में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी अर्थव्यवस्था पर दोहरा झटका डाल रही है, जिससे वृद्धि पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने मौजूदा हालात में ऊर्जा, खाद्य और उर्वरक सुरक्षा पर तत्काल ध्यान देने की वकालत की, खासकर रबी फसलों के लिए उर्वरक की संभावित कमी को देखते हुए। हालांकि, खरीफ फसलों के लिए स्थिति अभी बेहतर बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वैश्विक कच्चे

तेल की ऊंची कीमतों का असर थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर अधिक दिखेगा, जबकि सरकार द्वारा पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की कीमतों को स्थिर रखने के कारण खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) पर इसका प्रभाव सीमित रहेगा।

हालांकि, वाणिज्यिक एलपीजी के दाम बढ़ाए गए हैं। मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति 3.4 फीसदी के एक साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जबकि थोक मुद्रास्फीति 3.88 फीसदी के 38 महीने के उच्च स्तर पर रही। अप्रैल के मुद्रास्फीति आंकड़ों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है, जिससे केंद्रीय बैंक की चिंताएं बढ़ सकती हैं।

पेटीएम ने एनबीएफसी लाइसेंस योजना को खारिज किया

कंपनी ने लाभ में वापसी दर्ज की, आरबीआई कार्रवाई का कंपनी पर कोई प्रभाव नहीं

नई दिल्ली।

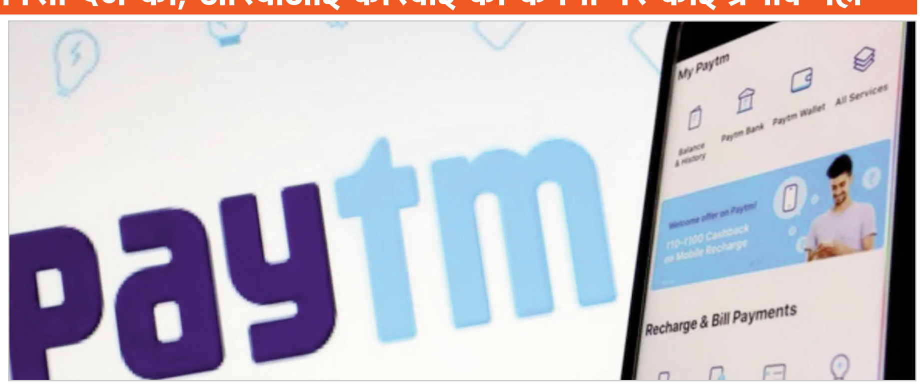

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस, जिसके पास लोकप्रिय भुगतान ब्रांड पेटीएम का स्वामित्व है, ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लाइसेंस के लिए आवेदन करने की योजना से इनकार किया है। कंपनी ने अपनी रणनीति स्पष्ट करते हुए साझेदारी मॉडल पर जोर दिया है, जहां वह वितरण, प्रौद्योगिकी और वसूली का काम संभालेगी, जबकि प्रतिष्ठित ऋण साझेदार पूंजी और जोखिम का प्रबंधन करेंगे। यह घोषणा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के खिलाफ हालिया कार्रवाई के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिसमें नियामक मानदंडों के अनुपालन में विफलता का हवाला दिया गया था। हालांकि, वन97 कम्युनिकेशंस ने स्पष्ट किया है कि पीपीबीएल पर आरबीआई की कार्रवाई का कंपनी पर कोई वित्तीय या व्यावसायिक प्रभाव नहीं पड़ेगा, और उसकी सभी सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं।

कंपनी ने अपनी जनवरी-मार्च तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन भी दर्ज किया है, जिसमें 183 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। पिछले साल की इसी अवधि में 545 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। पेटीएम ने भारत में भुगतान के बढ़ते बाजार को एक बड़ा अवसर बताया है, जिसमें उसकी बाजार हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 42 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.07 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 28 पैसे नीचे आकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.77 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के तनाव कम करने और बातचीत फिर से शुरू करने के लिए करार पर चर्चा करने की खबरों के बाद बाजार की भावना में अचानक बदलाव आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.77 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 28 पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया बुधवार को 69 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.49 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 98.01 पर रहा।

एलजी का मेगा 2026 धमाका अब भारत से दुनिया को जाएगी ठंडक, 22 देशों को एक्सपोर्ट होंगे मेड इन इंडिया प्रोडक्ट्स

एआई वाली वॉशिंग मशीन और बिना नल वाला जादुई फ्रिज लॉन्च; नोएडा बना ग्लोबल हब

नोएडा ।

कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर की दिग्गज कंपनी एलजी इंडिया ने गुरुवार को भारतीय बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत करते हुए वर्ष 2026 के लिए अपना फ्यूचर-रेडी होम अप्लायंसेज पोर्टफोलियो पेश कर दिया है। नोएडा में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान कंपनी ने अपनी प्रसिद्ध 'एसेंशियल सीरीज' के विस्तार के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक पर आधारित प्रीमियम वॉशिंग मशीन और अत्याधुनिक फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर्स की नई रेंज से पर्दा उठाया। एलजी की यह नई पहल न केवल प्रीमियम श्रेणी के ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए है, बल्कि इसके जरिए आधुनिक तकनीक को किफायती-प्रीमियम श्रेणी में लाकर मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं तक पहुँचाना भी कंपनी का मुख्य लक्ष्य है।

इस लॉन्च की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी एलजी का 'मेक-इन-इंडिया' से 'मेक-इंडिया-ग्लोबल' की ओर बढ़ता कदम है। कंपनी ने आधिकारिक घोषणा की है कि भारत अब उनके लिए केवल एक बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक नवाचार और विनिर्माण का एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। इसी रणनीतिक बदलाव के तहत नोएडा और पुणे के कारखानों में निर्मित इन विश्वस्तरीय उत्पादों को साल 2026 तक एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के 22 प्रमुख देशों में निर्यात किया जाएगा। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के प्रबंध निदेशक होंग जू जीयोन ने इस अवसर पर कहा कि उनका ध्येय ऐसी तकनीक प्रदान करना है जो भारतीय जीवनशैली को सरल और स्मार्ट बनाने के साथ-साथ वैश्विक मानकों पर भी खरी उतरे।

तकनीक के मोर्चे पर कंपनी ने कई फर्स्ट-इन-सेगमेंट फीचर्स पेश किए हैं जो उपभोक्ताओं के घरेलू कामों को बेहद आसान बना देंगे। कंपनी ने भारत का पहला ऐसा फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर पेश किया है जो बिना किसी बाहरी नल कनेक्शन या प्लंबिंग के ही ऑटो आइस मेकर की सुविधा प्रदान करता है। वहीं लॉन्ड्री सेगमेंट में एआई डीडी 2.0 तकनीक को शामिल किया गया है, जो कपड़ों के वजन और उनके फैब्रिक की कोमलता को स्वयं पहचानकर सबसे सटीक धुलाई चक्र का चयन करने में सक्षम है। इसके अतिरिक्त, भारतीय रसोई की विशेष जरूरतों और जिद्दी मसालों के दागों को ध्यान में रखते हुए 'ट्रू स्टीम' डिशवॉशर उतारा गया है, जो एक साथ 92 बर्तनों को साफ करने की अभूतपूर्व क्षमता रखता है।

आरबीआई ने बदले विदेशी मुद्रा नियम, अब नए एफएफएमसी लाइसेंस जारी नहीं

प्रिंसिपल-एजेंट मॉडल का विस्तार; तीन श्रेणियों में होंगे आवेदन

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) लेनदेन संबंधी नियमों में बड़ा बदलाव किया है। 30 अप्रैल को जारी अधिसूचना के अनुसार, अब नए फुल फ्लेज्ड मनी चेंजर्स (एफएफएमसी) को लाइसेंस जारी नहीं किए जाएंगे। केंद्रीय बैंक का लक्ष्य फॉरेक्स सेवाओं की पहुंच बढ़ाना और अनुपालन को सुगम बनाना है। आरबीआई ने अधिकृत संस्थाओं के मौजूदा ढांचे की समीक्षा कर प्रिंसिपल-एजेंट मॉडल का विस्तार करने का निर्णय लिया है, जिससे जांच-परख के बाद बेहतर विदेशी मुद्रा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। अब विदेशी मुद्रा से जुड़े किसी भी लेनदेन के लिए संस्थाओं को आरबीआई की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। नए आवेदनों पर तीन श्रेणियों में विचार किया जाएगा- एडी केटेगिरी-1 (बैंक), एडी केटेगिरी-2 न्यूनतम 2 साल के अनुभव वाले एनबीएफसी, मौजूदा एफएफएमसी या फॉरेक्स एजेंट) और एडी केटेगिरी-3 (नए व इनोवेटिव उत्पाद देने वाली संस्थाएं)। यह बदलाव विदेशी मुद्रा सेवाओं को अधिक

व्यवस्थित और कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।- प्रिंसिपल-एजेंट मॉडल का विस्तार; तीन श्रेणियों में होंगे आवेदन

इनक्रेड होल्डिंग्स का आईपीओ से15,000 करोड़ मूल्यांकन हा सिल करने का लक्ष्य

कंपनी ने सेबी के समक्ष अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल किए

नई दिल्ली।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) इनक्रेड होल्डिंग्स ने पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं।

कंपनी इस निर्गम के जरिए लगभग 3,000-4,000 करोड़ रुपये जुटाने और 15,000 करोड़ रुपये का मूल्यांकन हासिल करने का लक्ष्य बना रही है। इस प्रस्तावित आईपीओ में 1,250 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 9.9 करोड़ शेयरों तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल होगी

नए निर्गम से प्राप्त राशि मुख्य रूप से कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी, इनक्रेड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आईएफएसएल) के टियर-1 पूंजी आधार को मजबूत करने, ऋण गतिविधियों का समर्थन करने और पूंजी पर्याप्तता में सुधार के लिए डाली जाएगी। 2017 में स्थापित इनक्रेड होल्डिंग्स, आरबीआई-पंजीकृत एनबीएफसी आईएफएसएल के माध्यम से परिचालन करती है। कंपनी ने नवंबर में गोपनीय रूप से आईपीओ के दस्तावेज दाखिल किए थे और सार्वजनिक निर्गम लाने के लिए नियामक की मंजूरी भी प्राप्त कर ली है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी अब उचित समय पर बाजार में उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है।

पोस्ट ऑफिस एनएससी 7.7 फीसदी ब्याज दर से पाएं सुरक्षित और टैक्स-फ्री रिटर्न

सिर्फ 10 लाख रुपए निवेश पर मिलेगा 4.49 लाख रुपए ब्याज पक्का

मुंबई ।

अपनी गाढ़ी कमाई पर सुरक्षित और आकर्षक रिटर्न पाने के इच्छुक निवेशकों के लिए पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एसएससी) स्कीम एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभरी है। सरकार समर्थित होने के कारण इसमें निवेश पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है, वहीं मौजूदा 7.7 फीसदी सालाना ब्याज दर बैंकों की एफडी से काफी बेहतर है। यह योजना निवेशकों को न केवल चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ देती है, बल्कि आयकर की धारा 80सी के तहत टैक्स बचत का मौका भी प्रदान करती है। एनएससी में निवेश करने पर फिलहाल 7.7 प्रतिशत का सालाना ब्याज मिलता है, जो चक्रवृद्धि ब्याज के रूप में जुड़ता है। इस स्कीम का पूरा लाभ लेने के लिए 5 साल की लॉक-इन अवधि तक निवेश बनाए रखना जरूरी है। यह योजना महज 1000 रुपये से शुरू की जा सकती है और निवेश की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं है। बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए भी उनके नाम पर यह खाता खोला जा सकता है, जिसे माता-पिता द्वारा संचालित किया जा सकता है। टैक्स बचाने के लिहाज से भी एनएससी

फायदेमंद है। आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत निवेशक सालाना 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं।रिटर्न की बात करें तो, अगर आप इसमें 10 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश करते हैं, तो 7.7 प्रतिशत की दर से 5 साल बाद यह राशि बढ़कर करीब 14.49 लाख रुपये हो जाती है। इसमें लगभग 4.49 लाख रुपये सिर्फ ब्याज से प्राप्त होते हैं, जो बिना किसी जोखिम के एक मजबूत रिटर्न है। हालांकि, इस योजना में निवेश करते समय एक महत्वपूर्ण बात का ध्यान रखना आवश्यक है। यदि निवेशक मैच्योरिटी से पहले अपना खाता बंद करता है, तो उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है। नियमों के अनुसार एक साल बाद भी यदि खाता बंद किया जाता है, तो केवल मूल जमा राशि ही वापस मिलती है, और उस पर अर्जित ब्याज का कोई लाभ नहीं दिया जाता। इसलिए, योजना का पूरा फायदा उठाने के लिए पूरे 5 साल की अवधि तक निवेश बनाए रखना ही सबसे उचित है।

डायबिटीज के मरीज पर दवा जैसा असर करता है ये काला फल

गुठली से लेकर पत्ते तक हैं फायदेमंद

गर्मियों में शुगर के रोगियों के लिए एक बड़ा ही फायदेमंद फल आता है। जिसका नाम जामुन है। काला जामुन मधुमेह के रोगियों के लिए किसी दवा से कम नहीं है। आयुर्वेद में जामुन को बहुत ही फायदेमंद माना गया है। खासतौर से डायबिटीज को कंट्रोल करने में जामुन को असरदार माना जाता है। जामुन टॉयलेट और खून से शुगर की मात्रा को कम करता है। इसके अलावा जामुन पेट और डाइजेशन को बेहतर बनाने में भी असरदार साबित होता है। जामुन खाने से दांत, आंखें, चेहरे, किडनी स्टोन और लिवर के लिए भी फायदेमंद है। विटामिन और फाइबर से भरपूर जामुन शुगर में कैसे इस्तेमाल किया जाता है आइये जानते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो मधुमेह के रोगियों के लिए जामुन का सेवन बहुत फायदेमंद है। आयुर्वेद में जामुन के फल, गुठली और पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है।

डायबिटीज में जामुन का उपयोग

पहला तरीका– जामुन की गुठली को पीसकर चूर्ण बना लें। अब एक हिस्सा जामुन की गुठली का चूर्ण, एक हिस्सा शुण्ठी चूर्ण और इसमें दो हिस्सा गुड़मार बूटी मिक्स कर लें। सारी चीजों को पीसकर एक चूर्ण बना लें और छान लें। इस चूर्ण को एलोवेरा जूस में मिलाकर पी लें। आप चाहें तो इसकी गोलियां जैसी बनाकर दिन में 3 बार खा लें। इससे शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

दूसरा तरीका– करीब 100 ग्राम जामुन की जड़ लें और उसे अच्छी तरह से साफ कर लें। अब इसमें थोड़ा पानी मिलाकर पीस लें। तैयाप मिश्रण को 20 ग्राम मिश्री में मिला खा लें। सुबह शाम इस चूर्ण को खाने से मधुमेह में फायदा होगा।

तीसरा तरीका– 250 ग्राम पकी हुई जामुन लें और उन्हें आधा लीटर उबलते हुए पानी में डाल दें। थोड़ी देर उबलने के बाद जब पानी थोड़ा ठंडा हो जाए तो जामुन को मैश कर लें और इसे छान लें। अब इस पानी को दिन में 3 बार पिएं। इससे शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

चौथा तरीका– जामुन की छाल का उपयोग भी शुगर को कम करने के लिए किया जाता है। इसके लिए जामुन की छाल को को पीसकर राख बना लें। 625 मिलीग्राम से 2 ग्राम तक की मात्रा में राख का सेवन रोजाना करें। इससे मधुमेह को कम करने में मदद मिलेगी।

हेल्दी लिवर के लिए इन फूड्स को डाइट में करें शामिल

लिवर हमारे शरीर का एक बहुत ही जरूरी अंग है, जो डिटॉक्सिफिकेशन, पाचन और ऊर्जा संग्रहण जैसे काम करता है। लीवर समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विषहरण, चयापचय और पोषक तत्वों के भंडारण जैसे आवश्यक कार्य करता है। यदि आप लिवर को स्वस्थ बनाए रखना चाहते हैं, तो कुछ फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करना आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है।

हेल्दी लिवर के लिए फायदेमंद फूड्स :

लहसुन

लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। इसमें एलिसिन और सेलेनियम होता है, जो लिवर को साफ करता है। लीवर के स्वास्थ्य के लिए लहसुन से लाभ उठाने के लिए, इसे कच्चा, खाली पेट खाना सबसे अच्छा है, या इसे भोजन में शामिल करें। कच्चे लहसुन में एलिसिन होता है, जो एक यौगिक है जिसे खाना पकाने के दौरान पतला किया जाता है। प्रतिदिन 1–2 कच्चे लहसुन की कलियाँ या भोजन में 2–4 कलियाँ खाने की सलाह दी जाती है।

चुकंदर

चुकंदर खून को साफ करता है और लिवर फंक्शन को बेहतर करता है। इसमें बीटालाइन्स होते हैं, जो डिटॉक्स प्रक्रिया को सपोर्ट करते हैं। लीवर को स्वस्थ रखने के लिए चुकंदर को कच्चा, पकाकर या जूस के रूप में खाया जा सकता है। चुकंदर का जूस, खास तौर पर कच्चा, एंटीऑक्सीडेंट और बीटाइन का अच्छा स्रोत माना जाता है, जो लीवर को डिटॉक्सीफाई करने और इसके कामकाज को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियाँ

हरी पत्तेदार सब्जियाँ जैसे पालक, मेथी, सरसों—ये शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालती हैं। ये लिवर में बाइल (पित्त) प्रोडक्शन को बढ़ाती हैं। पत्तेदार सब्जियों को कच्चा या पकाकर खाया जा सकता है और इन्हें संतुलित आहार का हिस्सा होना चाहिए। आप इन्हें सलाद, स्मूदी या साइड डिश के रूप में शामिल कर सकते हैं। इन्हें भाप में पकाने, भूनने या तलने से इनका स्वाद और भी कोमल हो जाएगा।

एवोकाडो

एवोकाडो ग्लूटाथियोन नामक एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होता है, जो लिवर की सफाई करता है। एवोकाडो को कई तरह से खाया जा सकता है, जैसे कि टोस्ट पर फैलाकर डिप, सलाद या स्मूदी में इस्तेमाल करना। पौष्टिक और सेहतमंद नाश्ते या स्नैक के लिए मैश किए हुए एवोकाडो की एक पतली परत पूरे गेहूं के टोस्ट या क्रैकर्स पर फैलाएँ। अतिरिक्त स्वाद के लिए नींबू का रस निचोड़ें और काली मिर्च छिड़कें।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में कैटेचिन्स होते हैं, जो लिवर के फैट को कम करने में मदद करते हैं। ग्रीन टी के नियमित सेवन से सीरम एलानिन एमिनोट्रांस्फरेज और एस्पार्टेट एमिनोट्रांस्फरेज का मान कम हो जाएगा। लिवर के स्वास्थ्य के लिए, 1–2 कप ग्रीन टी पियें और फैटी लिवर को बढ़ने से रोकने के लिए दूध और चीनी मिलाने से बचें।

क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती है। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खान चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इस उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

पेट के लिए सबसे अच्छी मानी जाती हैं ये 5 चीजें

खाना का सीधा और सबसे पहले असर हमारी सेहत पर पड़ता है। हम जो भी खाते हैं वो पेट में जाकर पूरे शरीर में पहुंचता है। इसलिए खानपान पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। पिछले कुछ सालों में सबसे ज्यादा हमारा खाना बिगड़ा है। डाइट में जंग फूड, मैदा, चीनी, नमक की मात्रा बढ़ी है। खाने में केमिकल और प्रिजर्वेटिव्स की मिलावट होने लगी है। पैक्ड फूड का सेवन बढ़ा है, जो सेहत के लिए सबसे ज्यादा घातक है। अगर आप ज्यादा तीखा और चटपटा खाते हैं या ज्यादा तला भुना भोजन खाते हैं इससे पेट खराब हो सकता है। इसलिए आज हम आपको ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं जो पेट के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। इन चीजों को पेट के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। जानिए खाने में ऐसी क्या चीजें शामिल करनी चाहिए, जिससे पेट की सेहत और पाचन दुरुस्त हो।

पेट के लिए वरदान हैं ये 5 चीजें

दही– गट हेल्थ को बेहतर बनाने वाला सबसे अच्छा फूड है दही। रोजाना दही का सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। दही खाने से पेट में गुड बैक्टीरिया बढ़ते हैं। सुबह और दोपहर के खाने में दही को शामिल करना सबसे अच्छा माना जाता है।

साबुत अनाज– मोटा अनाज यानि साबुत अनाज को पेट

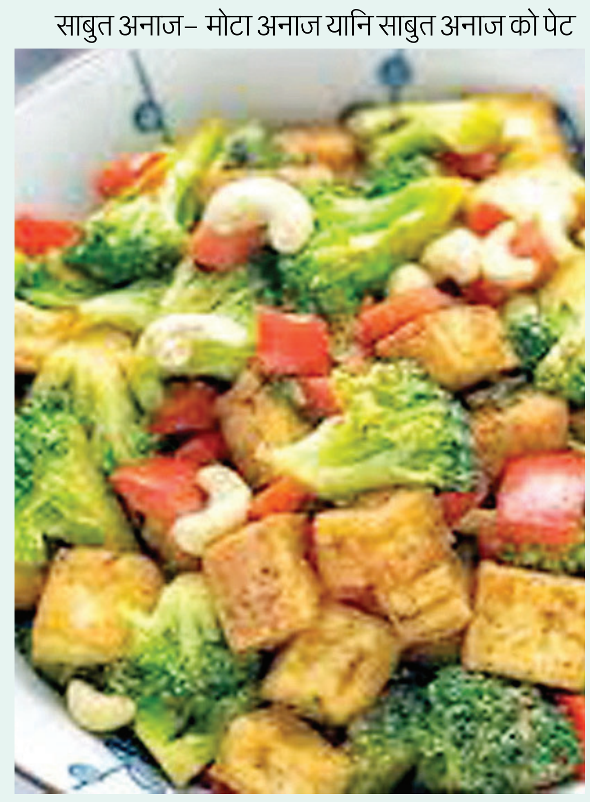

के लिए फायदेमंद माना जाता है। आप गेंहू, ओट्स, चावल और होल ग्रेन से बनी चीजें खा सकते हैं। ये चीजें पेट के लिए अच्छी होती हैं। इन चीजों में फाइबर ज्यादा होता है जिससे पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

केला– फलों में पका केला पेट के लिए बेहतरीन फल माना जाता है। केला में पौटेशियम पाया जाता है। केला खाने से पाचन बेहतर होता है और कई पेट से जुड़ी समस्याएं भी दूर हो जाती हैं। केला खाने से गैस्ट्रोइंटेस्टिनल समस्याएं भी कम होती हैं। इसलिए केला जरूर खाएं।

पपीता– पाचन को मजबूत बनाने के लिए पपीता जरूर खाएं। पपीता में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो पेट साफ कर कब्ज को दूर करते हैं। पपीते के एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाचन को बेहतर बनाते हैं। खाना पचाने से लेकर हार्टबर्न और अपच की समस्याएं इससे दूर होती हैं।

अदरक– पेट के लिए अदरक को भी अच्छा माना जाता है। जिन लोगों को जी मिचलाने या पेट में दर्द की समस्या होती है उन्हें अदरक का सेवन करना चाहिए। मॉर्निंग सिकनेस को खत्म करने में भी अदरक असरदार साबित होती है। डाइट में किसी तरह अदरक जरूर शामिल करें।

अस्थमा के मरीज भूलकर भी न करें इन चीजों का सेवन

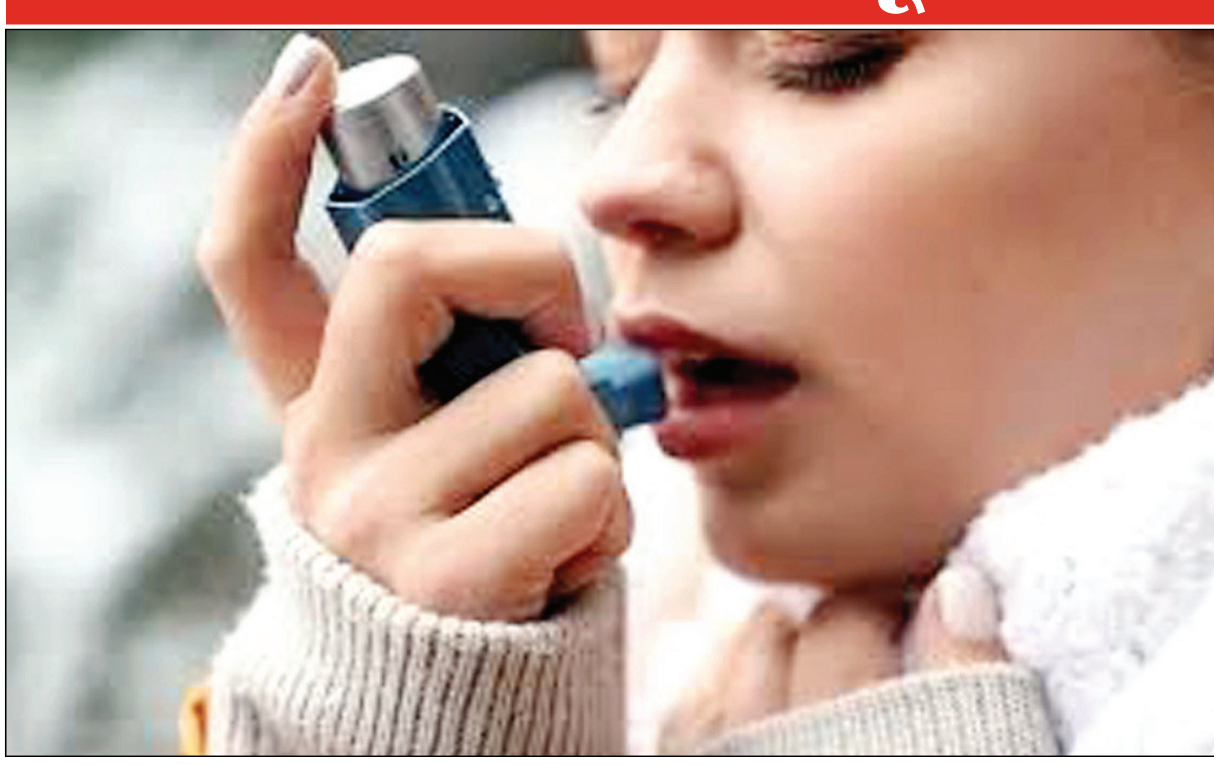

अस्थमा सांस से जुड़ी गंभीर बीमारी है ।यह बीमारी हमारे श्वसन तंत्र को बुरी तरह प्रभावित करती है। एक आंकड़े के अनुसार साल 2050 तक अस्थमा रोगियों की संख्या तीन गुना बढ़ जाएगी। अस्थमा कभी भी किसी को भी अचानक अपनी गिरफ्त में ले सकता है। इस लिए जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 6 मई को वर्ल्ड अस्थमा डे ; मनाया जाता है।

अस्थमा के मरीजों को अपनी डाइट का बेहद ख्याल रखना चाहिए। डाइट में लापरवाही करने पर यह बीमारी तेजी से ट्रिगर होती है। अस्थमा के मरीजों को कुछ चीज़ों को खाने से परहेज़ करना चाहिए, क्योंकि ये चीजें एलर्जी ट्रिगर, सूजन बढ़ाने, या श्वसन मार्ग को संकुचित करने का कारण बन सकती हैं। नीचे कुछ ऐसी चीजें दी गई हैं जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूरी बनानी चाहिए :

इन चीज़ों से बनाएं दूरी :

प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड : जो लोग प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड का सेवन ज़्यादा करते हैं उनमें अस्थमा का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में संतृप्त वसा पाया जाता है। जो इम्यूनिटी को कमजोर कर देता है। इनमें सल्फाइट्स, प्रिज़रवेटिव्स और आर्टिफिशियल फ्लेवर भी होते हैं जो अस्थमा को ट्रिगर कर सकते हैं।

ठंडी चीज़ें : आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक्स जैसी ठंडी चीज़ों से भी अस्थमा के मरीजों को दूरी बनानी चाहिए। ठंडा खाने या पीने से गले और फेफड़ों की नलियों में सिकुड़न हो सकती है, जिससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।

शराब का सेवन : शराब और बियर में सल्फाइट्स मिलाए जाते हैं। जिससे कि यह काफी समय तक खराब न हो। वहीं यह सल्फाइट्स अस्थमा के रोगियों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

डेयरी उत्पाद : दूध, चीज़, मक्खन जैसे डेरी प्रोडक्ट्स अस्थमा के मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकता है ।कुछ लोगों को डेयरी से म्यूकस (कफ) ज्यादा बनने लगता है, जिससे सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

कॉफी– अगर इम्यून सिस्टम कमजोर है तो कॉफी का सेवन नहीं करना चाहिए। कॉफी में मौजूद कैफीन एसिड रिफलेक्स को बढ़ा देती है। वहीं दमा के कुछ मरीजों में कॉफी का सेवन करने से फूड प्वाइजनिंग हो सकता है।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली और केकेआर का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शुक्रवार को यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से मुकाबला करेगी। कैपिटल्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर ये मैच जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना है। अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स अब तक 9 मैचों में 8 अंकों के साथ ही 7वें स्थान पर हैं, ऐसे में प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उसे इस मैच में बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। वहीं अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक तीन मैच जीते हैं जबकि उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इस प्रकार वह कुल 7 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर है। ऐसे में उसे भी प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने ये मैच किसी भी हाल में जीतना होगा। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो ही टीमों एक ही स्तर पर है। दोनो के ही बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। वहीं गेंदबाज लक्ष्य का बचाव करने में विफल रहे हैं। हाल ही में दिल्ली को अपने घरेलू मैदान पर सीएसके के हाथों हार का सामना करना पड़ा था जिससे उसका मनोबल गिरा हुआ है। वहीं केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल की है जिससे उसके हौसले बुलंद है जिसका लाभ उसे मिलेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 35 मुकाबले खेले गये हैं। इसमें से 15 दिल्ली जबकि 19 केकेआर ने जीते हैं। दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी केएल राहुल और पथुम निसांका पर आधारित है। वहीं गेंदबाजी की कमान मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी के पास रहेगी।

दूसरी ओर केकेआर की बात करें तो उसकी बल्लेबाज रहाणे के अलावा, रिंकू सिंह, कैमरून ग्रीन पर निर्भर करेगी। उसकी गेंदबाजी सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती पर आधारित रहेगी।

अरुण जेटली स्टेडियम की पिच पर आम तौर पर बड़े स्कोर बनने हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, समीर रिजवी, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन।

इम्पैक्ट प्लेयर- करुण नायर

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती

इम्पैक्ट प्लेयर- वैभव अरोड़ा

आईपीएल 2026 अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची सनराइजर्स, पंजाब किंग्स दूसरे नंबर पर खिसकी

हैदराबाद (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) मैच के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की अंक तालिका में बदलाव आया है और शुरुआत से ही शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स अब दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। वहीं सनराइजर्स पहले नंबर पर आ गयी है। पंजाब किंग्स को सनराइजर्स के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इसी कारण उसके हाथ से नंबर एक स्थान निकल गया। वहीं इस मैच के परिणाम से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर भी प्रभाव पड़ा है और वह दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गयी है।

सनराइजर्स अब अंक तालिका में शीर्ष पर हैं, जिसने 11 मैचों में 7 जीत के साथ कुल 14 अंक हो गये हैं। इतने अंक फिलहाल अन्य किसी टीम के नहीं हैं। वहीं, लगातार तीन मैचों में हार का सामना करने के बाद, पंजाब किंग्स 10 मैचों में 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई है। आरसीबी, जो इस मैच से पहले दूसरे पायदान पर थी, अब 9 मैचों में 6 जीत और 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई है। बेहतर नेट रन रेट के कारण वह चौथे स्थान पर मौजूद राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से आगे है, जिसने 10 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक हासिल किये हैं।

वहीं शीर्ष चार से बाहर, पांचवें स्थान पर गुजरात टाइटन्स (जीटी) है। जीटी ने भी 10 मैचों में 6 मुकाबले जीते हैं और उसके भी 12 अंक है, लेकिन नेट रन रेट में पिछड़ने के कारण वह शीर्ष 4 से बाहर है। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स 10 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक लेकर छठे स्थान पर बरकरार है। दिल्ली कैपिटल्स 10 मैचों में 4 जीत और 8 अंकों के साथ सातवें नंबर पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 9 में से 3 मैच जीते हैं और एक मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा, जिससे उसके खाते में 7 अंक हैं और वह आठवें स्थान पर है। अंक तालिका में नौवें स्थान पर मुंबई इंडियंस है, जिसने 10 मैचों में केवल 3 जीत हासिल की हैं और उसके 6 अंक हैं। सबसे निचले पायदान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है, जिसने इस सीजन के आधे से अधिक मुकाबले खेलने के बाद भी 9 मैचों में केवल दो जीत दर्ज की हैं और उसके पास सिर्फ 4 अंक हैं।

रियान पराग को बिना कुछ किये ही मिल गई रॉयल्स की कप्तानी : मांजरेकर

मुम्बई (एजेंसी)। अपने बयानों के कारण विवादों में रहने पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी रियान पराग को दिये जाने पर सवाल उठाये हैं। मांजरेकर ने कहा है कि रियान को बिना कुछ किये ही कप्तानी मिल गयी। मांजरेकर ने कहा कि रियान को कप्तानी एक प्राकर से इनाम के तौर पर मिली है। रॉयल्स ने नियमित कप्तान संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स जाने के बाद रियान को कप्तानी दे दी थी। आईपीएल 2025 में भी रियान ने कुछ मैचों में कप्तानी की थी पर वह सफल नहीं रहे थे। पर आईपीएल इसे वर्तमान सत्र में उन्होंने टीम को 10 में से 6 मैच जिताकर अपने को साबित किया है। इसके बाद भी मांजरेकर के उनपर सवाल उठाने से सभी हैरान हैं।

मांजरेकर ने पराग को लेकर कहा, वह आम भारतीय खिलाड़ियों में से एक नहीं है। वह फिट है, लेकिन मैं कहूंगा, इतने सालों में मैंने जिस तरह का प्रदर्शन देखा है, उसके बाद, यह कुछ ऐसा है जो मुझे थोड़ा अजीब लगता है कि राजस्थान रॉयल्स ने उसे इतना अधिक समर्थन दिया है। मांजरेकर ने आगे यह भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को बेकार ही ये जिम्मेदारी दी।

साथ ही कहा, मेरा मतलब है, संजू सैमसन ने कुछ सालों तक उनके लिए कप्तानी की और फिर उन्हें हटा दिया गया और रियान ने उनकी जगह ले ली। मुझे नहीं पता कि वहां क्या हुआ? लेकिन मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट के नज़रिए से, इसका कोई मतलब बनता है। मांजरेकर ने साफ शब्दों में अपनी असहमति जताते हुए कहा, यह कहना थोड़ा कठोर है, लेकिन उसे इनाम के तौर पर बहुत ज़्यादा मिल गया है। उन इनामों के लिए सच में कड़ी मेहनत नहीं की। इसलिए यह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ा एक बहुत ही दिलचस्प मामला है। रियान 2019 से राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं। आईपीएल 2026 के मौजूदा सीज़न में, उन्होंने 10 पारियों में 207 रन बनाए हैं।

दिल्ली कैपिल्स के लिए प्लेऑफ के दरवाजे अभी बंद नहीं, बड़े अंतर से जीतने होंगे सभी बचे हुए मैच

नई दिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है और उसे 10 में से 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनएं भी कमजोर हुई हैं हालांकि ये समाप्त नहीं हुई हैं। कैपिटल्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। टीम 6 हारने के बाद वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। टीम के अभी आठ अंक हैं और उसे अब बचे हुए सभी चार मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

उसे प्लेऑफ में पहुंचने इन सभी चारों मैचों में हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। ऐसा करने पर उनके अंकों की संख्या बढ़कर 16 पहुंच जाएगी। आईपीएल इतिहास पर ध्यान दें तो 16 अंकों वाली टीम को प्लेऑफ में अवसर मिल ही जाता है। उसे पर , अपने नेट रन रेट में भी सुधार करना होगा, जो वर्तमान में माइनस में है और करीबी मुकाबलों में निर्णायक साबित हो सकता है। दिल्ली कैपिटल्स को अब हर मैच जीतना होगा। एक भी हार उसे बाहर कर देगी। यदि वे बचे हुए चार मैचों में से एक भी मुकाबला हारते हैं, तो उनके अधिकतम अंक 14 तक ही पहुंच पाएंगे। इस बार 14 अंकों के साथ प्लेऑ में पहुंचना लगभग असंभव है। अंक तालिका की स्थिति देखें तो पाएंगे कि पहले से ही छह टीमों के खाते में 10 या उससे अधिक अंक हैं। इनमें से एक टीम के पास 13 अंक हैं और चार टीमें 12-12 अंकों के साथ शीर्ष-4 में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। ऐसे में 14 अंक पर टीम बाहर हो जाएगी। अधिकतर टीमें 16 या उससे अधिक अंक तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली के लिए राह और भी कठिन इस कारण से है क्योंकि उनके बाकी बचे चार मुकाबले आसान नहीं हैं। उन्हें दो बार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना है। इसके अलावा उसे पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स से भी खेलना है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछली टक्कर में दिल्ली को 264 रन बनाने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे पंजाब से सतर्क रहना होगा। वहीं, राजस्थान रॉयल्स इस सीजन की सबसे खतरनाक टीमों में से एक रही है, हालांकि लीग चरण में दिल्ली ने उन्हें एक बार हराया है।

ईशान ने पंजाब किंग्स का खराब फील्डिंग के लिए मजाक उड़ाया

हैदराबाद ।सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन ने पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में मिली 33 रनों जीत पर खुशी जताते हुए विरोधी टीम की खराब फील्डिंग पर तंज कसा है।इस मैच में पंजाब ने कई कैच छोड़े जिससे उसके हाथ से ये मैच निकल गया।इसी के साथ ही पंजाब टीम को छह जीत के बाद लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। मैच के बाद ईशान ने पंजाब किंग्स की खराब फील्डिंग की हंसी उड़ाते हुए सोशल मडिया में एक पोस्ट किया, जो तेजी से छा गयी।ईशान ने अपनी पोस्ट में केवल तीन शब्द लिखे अगर मुझे पकड़ सकते हो तो पकड़ों।इस पोस्ट से ईशान ने पंजाब के फील्डरों का एक प्रकार से मजाक उड़ाया है क्योंकि उनके तीन कैच पंजाब ने गिरा दिये थे।ईशान पहली बार जब 9 रन पर थे तभी कूपर कॉनॉली ने उनका कैच छोड़ दिया था।इसके बाद जब वह 18 रन पर थे, तब लॉकी फर्ग्यूसन ने भी कैच गिरा दिया।वहीं इसके बाद 20 रन पर प्रभसिमरन सिंह ने उनकी स्टंपिंग का अवसर छोड़ दिया था।इसी कारण ईशान 32 गेंदों में 55 रन बनाने में सफल रहे।ईशान ही नहीं, सनराइजर्स के दूसरे बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन का भी कैच गिरा था।इसके बाद क्लासने ने 43 गेंदों में 69 रनों की आक्रामक पारी खेली थी।इसका नुकसान पंजाब को हुआ था।

मुम्बई इंडियंस के साथ रायपुर नहीं पहुंचे हार्दिक , टीम में मतभेद की अटकलें लगीं

रायपुर।मुंबई इंडियंस टीम 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफा होने वाले मैच के लिए पहुंच गयी है पर टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या नहीं पहुंचे हैं।जिससे कई सवाल उठ रहे हैं।ये भी अटकले हैं कि टीम में सब कुछ ठीक नहीं हैं। महत्वपूर्ण मैच से पहले कप्तान की अनुपस्थिति से प्रशंसकों का आशंकित होना जायज भी है।वहीं आधिकारिक रूप से यह बताया नहीं गया है कि हार्दिक बाद में टीम के साथ जुड़ेंगे या नहीं।हार्दिक को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ पिछले मैच से पहले पीठ में जकड़न आ गयी थी।इसी कारण वह तब मुकाबले से बाहर हो गये थे।ऐसे में उनकी जगह पर अनुभवी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी।उस मैच में मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ को हराया था, जिससे टीम ने प्लेऑफ की अपनी संभावनएं बरकरार रखीं थीं।

सैमसन ने सीएसके में आते ही अपने को साबित किया : गायकवाड़

नई दिल्ली।बल्लेबाज संजू सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं।अब तक सीएसके को जीत मिली हैं। उसमें भी सैमसन की सबसे बड़ी भूमिका रही है।सैमसन को इसी साल सीएसके ने ट्रेड डील के जरिये राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था और उसका ये दांव सफल रहा। सैमसन ने उसकी ओर से अब तक इस सत्र में दो शतक लगा दिया है। वहीं कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने नाबाद 87 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने के साथ ही पलेऑफ की दौड़ में भी बनाये रखा है।इसी को देखते हुए टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने भी कहा है कि सैमसन ने आते ही कमाल कर दिया।अपने प्रदर्शन से वह टीम के सबसे भरोसमंद खिलाड़ी बन गये हैं।सैमसन ने तीसरी बार 80 से अधिक रन का स्कोर था, और एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि जब भी उन्होंने 40 रन का आंकड़ा पार किया है, सीएसके ने जीत हासिल की है।संजू की ये फार्म 2026 टी20 विश्व कप के अंतिम चरणों से ही लगातार जारी है।गायकवाड़ ने सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा, विश्व कप से लेकर अभी जिस तरह का टूर्नामेंट संजू ने खेला है, उसके बाद टीम में उनका होना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है।अब वह हमारी बल्लेबाजी की रीढ़ हैं।संजू के प्रदर्शन के कारण ही सीएसके 10 अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है।अब उसकी नजरें प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए अगले दो बेहद महत्वपूर्ण मुकाबलों पर होगी।

विनेश फोगाट डब्ल्यूएफआई द्वारा घोषित मानदंडों पर खरी नहीं उतरी, एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्सन ट्रायल में रही अयोग्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन बार की ओलंपियन विनेश फोगट को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) द्वारा घोषित मानदंडों के अनुसार एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल के लिए बुधवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया। फेडरेशन के अनुसार,सेलेक्शन ट्रायल के लिए पात्रता तीन घरेलू प्रतियोगिताओं - 2025 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप, 2026 सीनियर फेडरेशन कप और अंडर-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप के पदक विजेताओं तक सीमित है।

सीनियर नेशनल चैंपियनशिप दिसंबर में आयोजित की गई थी, जबकि फेडरेशन कप फरवरी में हुआ था। विनेश फोगाट ने इनमें से किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है, क्योंकि वह पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद से प्रतिस्पर्धा से दूर रही हैं और इसलिए पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं। उन्होंने ग्रीष्मकालीन खेलों के तुरंत बाद रेसलिंग से संन्यास ले लिया था, लेकिन पिछले साल दिसंबर में विनेश ने कुश्ती में फिर से वापसी की घोषणा की थी।

मैदान से दूर रहने के दौरान उन्होंने एक व्यक्तिगत उपलब्धि भी हासिल की, क्योंकि वह पिछले साल जुलाई में माँ बनी थीं। 31 वर्षीय भारतीय पहलवान ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट को अपनी वापसी के लिए चुना था। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के परिणाम चयन ट्रायल में पात्रता के लिए मान्य नहीं होंगे। फेडरेशन ने एशियन गेम्स के सेलेक्शन ट्रायल इसी महीने के अंत में दो दिनों में आयोजित करने का फैसला किया है। महिला कुश्ती के चयन ट्रायल 30 मई को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होंगे, जबकि पुरुषों की फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन प्रतियोगिताएं 31 मई को लखनऊ के क्षेत्रीय केंद्र में होंगी।

ये ट्रायल सभी 18 ओलंपिक भार वर्गों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक में तीन डिसिप्लिन में छह कैटेगरी होंगी। फेडरेशन ने यह भी स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया में पिछले प्रदर्शनों पर विचार नहीं किया जाएगा, केवल सेलेक्शन ट्रायल के रिजल्ट पर ही ध्यान दिया जाएगा। एशियन गेम्स 2026 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान में होंगे।

खराब फील्डिंग के कारण सनराइजर्स से हारे : श्रेयस अय्यर

हैदराबाद ।पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुई हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया है।पंजाब की टीम को इस मुकाबले में 33 रनों से हार का सामना करना पड़ा।इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तय ओवरों में 4 विकेट पर 235 रन बनाये।इस दौरान पंजाब के खिलाड़ियों ने तीन आसान कैच गिरा दिये।वहीं एक स्टंपिंग का अवसर भी टीम ने खो दिया।श्रेयस के अनुसार अगर इन अवसरों का लाभी उठाया जाता तो 30 से 40 रन कम बनते और मैच का परिणाम कुछ और होता।मैच के बाद अय्यर ने कहा, हमने खेल की शुरुआत में ही कई कैच गिरा दिये।अगर ऐसा नहीं होता से सनराइजर्स 30 से 40 रन कम बना पाती।कप्तान ने कहा कि टीम की गेंदबाजी और बल्लेबाजी भी इस मैच में उम्मीद के अनुसार नहीं रही।वहीं सनराइजर्स ने अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि मैच किस प्रकार अपने नाम किया जा सकता है।इस मैच में स्पिनर यजुवेन्द्र ने अच्छी गेंदबाजी की पर उन्हें एक ही विकेट मिल पाया क्योंकि उनके एक ही ओवर में एक कैच और स्टंपिंग का अवसर निकल गया।इस सत्र में चहल की गेंदों पर कुल 16 कैच उछले पर 8 कैच ही पकड़े जा सके।अय्यर ने चहल की प्रशंसा करते हुए कहा, उसने बिना किसी डर के आक्रामक गेंदबाजी की।उससे अपनी गेंदबाजी से दबाव भी बनाया पर हम उसका लाभ नहीं उठा पाये। इस मैच में पंजाब के बल्लेबाज भी उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पाये।युवा बल्लेबाज कूपर कोनोली ही टिक पाये।कोनोली ने 59 गेंदों में नाबाद 107 रन बनाए।इस मैच के साथ ही सत्र में पंजाब किंग्स की लगातार तीसरी हार है।टीम अब पांच दिन के आराम के बाद 11 मई को दिल्ली कैपिल्स से खेलेगी।श्रेयस ने कहा है कि अब हमें बचे हुए मैच में अपनी गलतियां सुधारनी होंगी।

नेमार ने टीनेजर रोबिन्हो जूनियर से माफी मांगी, थप्पड़ मारने का था आरोप

रियो डी जेनेरो ।स्टार फुटबॉलर नेमार ने कहा कि उन्होंने 'हद पार कर दी' और उन्होंने अपने सैंटोस टीम-साथी रोबिन्हो जूनियर से ट्रेनिंग सेशन के दौरान उस टीनेजर को थप्पड़ मारने के लिए माफी मांगी। ब्राजील के इस क्लब ने जांच शुरू कर दी थी, जब 18 साल के फॉरवर्ड ने कथित तौर पर नेमार पर रविवार को 'चेहरे पर जोरदार थप्पड़' मारने का आरोप लगाया था।यह घटना तब हुई थी जब वह 34 साल के नेमार को ड्रिबल करते हुए पीछे छोड़ गए थे। अब उन्होंने गलतफहमी दूर कर ली है और मंगलवार को कहा कि रे पेले ट्रेनिंग सेंटर में हुई यह घटना 'पूरी तरह सुलझ गई है'।नेमार ने कहा, 'अगर आप मीडिया के सामने माफी चाहते हैं, तो यह रही।' नेमार ब्राजील के अब तक के सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं जिनके नाम 79 गोल हैं।बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मन के पूर्व फॉरवर्ड ने मंगलवार को कोपा सुदामेरिकाना में रिकोलेटा के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में सैंटोस के लिए गोल करने का जश्न मनाते हुए सब्स्टीट्यूट रोबिन्हो जूनियर को गले लगाया। रोबिन्हो जूनियर उनके पूर्व ब्राजील टीम-साथी और मैनचेस्टर सिटी तथा रियल मैड्रिड के पूर्व अटैकर रोबिन्हो के बेटे हैं। नेमार ने कहा, 'हां, मैंने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी उसमें मैंने थोड़ी ज़्यादा ही प्रतिक्रिया दे दी।यह अलग तरह से हो सकता था, लेकिन आखिर में मैंने अपना आपा खो दिया। हर कोई गलतियां करता है।यह मेरी गलती थी, उसकी गलती थी; मैंने थोड़ी बड़ी गलती की।वह एक ऐसा लड़का है जिसे मैं बहुत पसंद करता हूं जिसके लिए मेरे मन में खास लगाव है।फुटबॉल में ऐसा होता रहता है - आप अपने दोस्त, अपने भाई से बहस कर लेते हैं।यही फुटबॉल है, यह खेल का ही एक हिस्सा है।' रोबिन्हो जूनियर ने कहा कि नेमार को 'तुरंत एहसास हो गया था कि वह बहुत आगे निकल गए हैं' और उन्होंने इस कहा-सुनी के लिए 'कई बार' माफी मांगी।उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसी स्थिति थी जिसने मुझे परेशान कर दिया, क्योंकि बचपन से ही वह मेरे आदर्श रहे हैं।हमारे आस-पास के लोग बहुत सी ऐसी बातें कहते हैं जो सच नहीं होतीं, और यह देखकर दुख होता है कि बात इस हद तक बढ़ गई।लेकिन मैं ठीक हूँ, मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूँ।हमने आपस में बात कर ली है और सब कुछ सुलझ गया है।'

सबालेंका बोली, खिलाड़ियों की मांगे नहीं मानी तो टूर्नामेंटों का बहिष्कार तक करेंगे

रोम (एजेंसी)। विश्व भर के स्टार टेनिस खिलाड़ी अब टूर्नामेंटों में राशि बढ़ाये जाने की मांग पर अड़ गये हैं। इन खिलाड़ियों ने आगाह किया है कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों का बहिष्कार करने के लिए भी मजबूर हो जाएंगे। बेलारुस की महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा है कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में बड़ी पुरस्कार राशि पाना खिलाड़ियों का अधिकार है और अगर ये नहीं मिलती है तो इसके लिए आंदोलन तक किया जाएगा। इटैलियन ओपन के दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो खिलाड़ी टूर्नामेंट का बहिष्कार तक कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के बिना कोई टूर्नामेंट या मनोरंजन संभव नहीं है, और इसलिए वे निश्चित रूप से अधिक राशि के अधिकारी हैं।

सबालेंका ने यह भी कहा कि किसी समय हम बहिष्कार भी करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है। उन्होंने लड़कियों की एकजुटता पर भरोसा जताया, यह कहते हुए कि हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। उनका मानना है कि खिलाड़ियों के साथ कुछ चीजें बहुत गलत हैं और यह स्थिति अपने शीर्ष स्तर पर पहुंचने वाली है।

गौरततब है कि पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम आयोजकों को दो पत्र भेजे थे, जिसमें पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास के बाद और मातृत्व के अवसर पर बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान की मांग की गई थी। इन पत्रों में टूर्नामेंट के राजस्व में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था, जो मेजर टूर्नामेंट को एटीपी मेन्स टूर और डब्ल्यूटीए टूर द्वारा चलाए जाने वाले नौ संयुक्त 1000-स्तरीय आयोजनों के बराबर लाता है।

हालांकि, महिला एकल में चार बार की फ्रेंच ओपन विजेता पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने बहिष्कार के फैसले का सही नहीं बताया। स्वियाटेक ने कहा, सबसे जरूरी बात गवर्निंग बॉडीज के साथ सही संवाद और चर्चा है। हमारे पास अपनी बात रखने की जगह होनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि फ्रेंच ओपन से पहले इस तरह की बैठक का मौका मिलेगा और उसमें समाधान निकलेगा। खिलाड़ियों ने हाल ही में फ्रेंच ओपन द्वारा पुरस्कार राशि में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा को पर्याप्त नहीं करार दिया है।

ईरान की फुटबॉल टीम फीफा विश्वकप शुरु होने दो सप्ताह पहले पहुंच सकती है अमेरिका

तेहरान ।ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच आमिर घालेनोई ने कहा कि उनकी फीफा विश्वकप शुरू होने से दो सप्ताह पहले अमेरिका पहुंचने की योजना है। ईरानी मीडिया ने यह जानकारी दी।घालेनोई ने कहा कि योजना टीम को विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी।उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को अभी भी दो या तीन अच्छे अभ्यास मैच कराने की जरूरत है।तय कार्यक्रम के मुताबिक, टीम 16 मई को तुकिर्ये के लिए रवाना होगी और वहां दो सप्ताह रहेगी।ईरान फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि वे विश्वकप में हिस्सा लेने के बारे में सबसे अच्छा फैसला लेने के लिए काम कर रहे हैं।अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की मेजबान में 11 जून से 19 जुलाई होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है।टीम 15 जून को लॉस एंजिल्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, उसके बाद 21 जून को उसी जगह पर बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलेगी।ईरान का आखिरी ग्रुप मैच 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ होगा।

‘टॉक्सिक’ जैसी सिनेमाई दुनिया पहले कभी नहीं देखी

‘कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1’ की सफलता का जश्न मना रही अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत अब अपनी अगली बड़ी फिल्म ‘टॉक्सिक: अ फेरीटेल फॉर ग्रो-अप्स’ को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। हाल ही में रुक्मिणी ने फिल्म के भव्य स्केल और अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। उन्होंने कहा, ‘इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस दुनिया को देखकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। रुक्मिणी ने बताया, ‘मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।‘

उन्होंने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएंशंस के बैनर तले बन रही है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

’टॉक्सिक’ हिंदी, तेलुगु के साथ तमिल, मलयालम समेत कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा, जिससे यह पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सकेगी। रुक्मिणी वसंत इस फिल्म के अलावा जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं। उनके पास कुछ अनऑनाउंस्ड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

उर्वशी रौतेला की वापसी से और दमदार होगा

इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2

क्राइम और सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज ‘इंस्पेक्टर अविनाश’ एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने जा रही है। मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है और इस बार कहानी पहले से ज्यादा रोमांच से भरी होगी। सीरीज में एक बार फिर उर्वशी रौतेला अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। वह इस रोल को अपने करियर के सबसे खास किरदारों में से एक मानती हैं। उर्वशी रौतेला ने कहा, ‘ ’मेरे लिए ‘इंस्पेक्टर अविनाश’ सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर रहा है। मेरा किरदार असली जिंदगी से प्रेरित है, इसलिए इसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाने की कोशिश की है। निर्देशक नीरज पाठक की लिखी स्क्रिप्ट ने मुझपर काफी प्रभाव डाला है। जैसे ही मैंने कहानी पढ़ी, मुझे महसूस हुआ कि यह किरदार सिर्फ अभिनय करने का मौका नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है।’’ उन्होंने कहा, ‘ ’सीरीज का दूसरा सीजन अपराध और पुलिस की दुनिया को गहराई से दिखाएगा। हालांकि, इस बार कहानी सिर्फ अपराध और जांच तक सीमित नहीं रहेगी। इसमें उन परिवारों की जिंदगी को भी दिखाया जाएगा, जो पुलिस अधिकारियों के साथ हर मुश्किल दौर में खड़े रहते हैं। मेरा किरदार इसी भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा। सीरीज यह दिखाने की कोशिश करेगी कि एक पुलिस अधिकारी की नौकरी सिर्फ उसी इंसान को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करती है। उनके परिवारों को भी डर, तनाव और त्याग के साथ जीना पड़ता है।’’

अपने किरदार को असली बनाने के लिए उर्वशी ने काफी मेहनत की। उन्होंने बताया, ‘ ’तैयारी के दौरान मैं असली इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा की पत्नी से मिलीं। मुझे उनकी सादगी, धैर्य और मानसिक मजबूती ने काफी प्रभावित किया। उनके साथ समय बिताने के बाद मुझे समझ आया कि पुलिस अधिकारी की पत्नी होना कितना मुश्किल होता है। बाहर से यह जिंदगी सामान्य दिख सकती है, लेकिन अंदर ही अंदर बहुत संघर्ष और चिंता छिपी होती है। इसी अनुभव ने मुझे अपने किरदार को और बेहतर तरीके से समझने में मदद की।’’ उर्वशी ने कहा, ‘ ’मैंने इस किरदार के लिए करीब दो साल तक तैयारी की। छोटी-छोटी आदतों और व्यवहार को समझने की कोशिश की। बोलने का तरीका, बॉडी लैंग्वेज, चलने का अंदाज और यहां तक कि साड़ी पहनने के तरीके तक पर भी ध्यान दिया। मैं चाहती हूं कि दर्शकों को मेरा किरदार पूरी तरह असली लगे।’’ उन्होंने कहा, ‘ ’यह किरदार मेरे पिछले सभी किरदारों से काफी अलग है और यही बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है। मैं हमेशा से ऐसे किरदार निभाना चाहती थीं जिनमें भावनात्मक गहराई हो।’’

दिलजीत दोसांझ का अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है

मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ भारत समेत पूरे विश्व में अपनी कला का परचम लहराते रहते हैं। उनकी लोकप्रियता का खुमार लोगों में इस कदर होता है कि कॉन्सर्ट के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं। अभिनेता के प्रति दीवानगी आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत के बड़े सितारों में भी देखने को मिलती है, जिनमें पंजाबी सिनेमा की अभिनेत्री गीता बसरा का नाम भी शामिल है। गीता बसरा ने पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स 2026 के दौरान दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि वे दिलजीत उनके ‘ऑल-टाइम फेवरेट’ पसंदीदा पंजाबी कलाकार हैं।

अभिनेत्री ने दिलजीत की खूबियों पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। गीता ने कहा, ‘दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि गायक भी हैं। उनकी आवाज में वो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक शानदार सिंगर होने के साथ-साथ कमाल के एंटरटेनर भी हैं। सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं।‘ गीता ने कहा कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी। वे कहती हैं, ‘जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं। उन्होंने दुनिया के बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन किया है। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं।’ दिलजीत दोसांझ का चुलबुला अंदाज और अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। चाहे उनकी फिल्में हों या लाइव परफॉरमेंस, उनकी एनर्जी हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देती है।

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म ‘द इंडिया स्टोरी’ की रिलीज डेट का एलान

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। यह एक सोशल-पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। फिल्म का नाम ‘द इंडिया’ स्टोरी है। इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है। फिल्म जुलाई में दर्शकों तक पहुंचेगी।

कब रिलीज होगी काजल-श्रेयस की फिल्म?

काजल और श्रेयस तलपड़े की ‘द इंडिया स्टोरी’ 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में खेती में रसायनों के दुरुपयोग और उनके खतरनाक प्रभावों के बारे में दर्शाया जाएगा। खासतौर पर यह फिल्म कीटनाशक खेती और उससे जुड़े घोटालों के संदर्भ में है। यह फिल्म मूल रूप से किसी एक व्यक्ति की कहानी से आगे बढ़कर एक बड़े व्यवस्थागत संकट पर केंद्रित है। यह पर्यावरणीय चिंताओं और औद्योगिक लापरवाही पर प्रकाश डालती है और साथ ही कॉर्पोरेट जवाबदेही पर भी सवाल उठाती है। स्क्लत्र प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से जी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी सागर बी. शिंदे ने लिखी और इसका निर्माण भी उन्होंने ही किया है।

लोगों को जागरुक करने की कोशिश

फिल्म की थीम के बारे में बात करते हुए प्रोड्यूसर सागर बी. शिंदे ने कहा कि यह कहानी एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है, जो अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है, लेकिन अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है।

उन्होंने एक बयान में कहा, ‘हमने यह कहानी इसलिए चुनी, क्योंकि यह एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है जो अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है, लेकिन पूरे देश में अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है।

केमिकल्स का गलत इस्तेमाल, खासकर कीटनाशक वाली खेती में, सिर्फ पर्यावरण से जुड़ी चिंता ही नहीं है, बल्कि यह एक मानवीय संकट भी है। हम चाहते हैं कि इस फिल्म के जरिए लोगों में जागरूकता फैले और वे जवाबदेही और बदलाव के बारे में सार्थक बातचीत शुरू करें’। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज होगी।

इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी

अरशद वारसी ने अपने तीन दशक लंबे करियर में हर तरह के किरदार निभाए हैं। कॉमेडी रोल से अपनी पहचान बनाने वाले अरशद ने ग्रे शेड कैरेक्टर, सीरियस कैरेक्टर और निगेटिव रोल भी अदा किए हैं। यही कारण है कि अरशद वारसी का ऐसा मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में उनके लिए हमेशा एक जगह रहेगी। अरशद वारसी ने कॉमेडियंस या कॉमेडी करने वाले अभिनेताओं को कमतर आंके जाने पर निराशा जताते हुए ये उम्मीद जताई कि ऐसे कलाकारों को वो सम्मान मिले, जिसके वे हकदार हैं। बातचीत में अरशद वारसी ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल सिर्फ एक संख्या नहीं है। यह एक उपलब्धि है। यह महत्वाकांक्षा से कहीं अधिक धैर्य का प्रमाण। बेशक इंडस्ट्री आपकी परीक्षा लेगा। कड़ी मेहनत तो हर कोई करता है, लेकिन अगर आप खुद पर और अपनी क्षमता पर दृढ़ विश्वास रखते हैं और धैर्य बनाए रखते हैं, तो निश्चिंत रहें कि एक दिन दूसरे भी आप पर विश्वास करेंगे। यही चीज मुझे आगे बढ़ाती रही। मैंने कभी हार नहीं मानी, न तब जब काम धीमा हो गया, न तब जब पहचान एक समान नहीं थी और न तब जब सिस्टम मेरे खिलाफ झुका मालूम हुआ। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं एक अच्छा अभिनेता हूं और इस इंडस्ट्री में मेरे लिए जगह है। वास्तव में इस इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी।

कॉमेडी को नहीं मिलता सम्मान

अपनी बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अरशद ने इस बात पर चिंता जताई कि कॉमेडी को अक्सर मुख्य भूमिकाओं से कैसे जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर कॉमेडियन, अभिनेता या उभरते हुए कलाकार जो कॉमेडी में माहिर हैं, उनके लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम इसे कमतर आंकते हैं। यह वाकई दुखद है। मुझे नहीं लगता कि कोई कभी किसी अभिनेता से पूछेगा कि क्या अभिनय में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा बनता है। या क्या रोमांस और ड्रामा में माहिर होना एक सीमा बन जाता है। तो फिर कॉमेडी में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा क्यों माना जाता है? कॉमेडी करने वाले लोगों को अक्सर सतही, गैर-गंभीर और कम बुद्धिमान समझा जाता है। जबकि असल में मजेदार होने के लिए आपको बेहद बुद्धिमान, जानकार, तेज और गंभीर होना पड़ता है। हर कोई जानता है कि कॉमेडी एक्टिंग का सबसे कठिन रूप है। ऐसे बहुत कम अभिनेता हैं जो वास्तव में कॉमेडी कर सकते हैं। कृपया उन्हें वह सम्मान दें जिसके वे हकदार हैं।

अरशद वारसी की पाइपलाइन में हैं कई बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो अरशद वारसी पिछले साल ‘जॉली एलएलबी 3’ और ‘बैड्स ऑफ बॉलीवुड’ में नजर आए थे। इस साल भी उनकी पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। इनमें ‘वेलकम टू द जंगल’ और ‘धमाल 4’ जैसी फ्रेंचाइजी फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा उनके राजकुमार हिरानी के निर्देशन में भी नजर आने की संभावना है। वहीं अरशद तिग्मांशु धूलिया की आगामी फिल्म ‘घमासान’ में भी नजर आएंगे, इसमें वो कुख्यात डाकू ददुआ की भूमिका में दिखाई देंगे। जबकि इन दिनों अरशद ‘गोलमाल 5’ की शूटिंग में व्यस्त हैं।

ओटीटी को लेकर चिंतित नहीं हैं अरशद

ओटीटी के बढ़ते वर्चस्व को लेकर अरशद वारसी का कहना है कि मुझे जिस तरह की फिल्में पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। मैं हमेशा से ऐसा अभिनेता रहा हूं जिसे कमर्शियल फिल्में पसंद थीं, लेकिन उनमें वास्तविकता का पुट होना चाहिए। मुझे तर्कहीन कहानी कहने का तरीका पसंद नहीं था। इसलिए मेरे लिए यह एक शानदार समय है क्योंकि जिस तरह की फिल्में मुझे पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। सिनेमा में आए सभी बदलावों को दिल से पसंद करता हूं। चाहे वो पहले कैसा भी रहा हो और आज जैसा भी हो। मुझे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का यह दौर अच्छा लगता है और मैं फिल्ममेकिंग के कमर्शियल और पैरलल दोनों पहलुओं की सराहना करता हूं। आखिरकार हमारी फिल्में अंतरराष्ट्रीय स्तर की दिख रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

विवेक रामास्वामी बने ओहायो गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार, केसी पुच को प्राइमरी चुनाव में हराया

कोलंबस (ओहायो), एजेंसी। भारतीय मूल के उद्यमी और डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक विवेक रामास्वामी ने मंगलवार को ओहायो के गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन जीत लिया है। प्राइमरी चुनाव के अनौपचारिक नतीजों के अनुसार, उन्होंने कार डिजाइनर केसी पुच को हराकर अपनी जगह पक्की की। अब वह रस्ट बेल्ट के इस महत्वपूर्ण प्रांत में रिपब्लिकन पार्टी का चेहरा होंगे। बायो-टेक एंटरप्रेन्योर विवेक रामास्वामी ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप के खिलाफ दावेदारी पेश की थी। हालांकि वे प्राइमरी में हार गए थे, लेकिन उस अभियान ने उन्हें पूरे अमेरिका में एक प्रभावशाली वक्ता और नेता के रूप में पहचान दिलाई। बाद में उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का समर्थन किया और अब वे उनके आशीर्वाद के साथ ओहायो की राजनीति में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। आम चुनाव में रामास्वामी का सामना डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन से होगा। एमी एक्टन ओहायो की पूर्व सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक रही हैं और वे अपनी पार्टी की ओर से निर्विरोध चुनी गई हैं। रामास्वामी ने अपने प्रचार के दौरान एमी एक्टन की स्वास्थ्य नीतियों और 'कोविड विचारधारा' पर तीखे हमले किए हैं। ओहायो के वर्तमान गवर्नर माइक डीवाइन का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और वे नियमों के कारण दोबारा चुनाव नहीं लड़ सकते। रामास्वामी की इस जीत ने ओहायो की राजनीति में एक नए युग का संकेत दिया है। रिपब्लिकन पार्टी को उम्मीद है कि रामास्वामी की युवा ऊर्जा और ट्रंप के समर्थकों का आधार उन्हें नवंबर में होने वाले आम चुनाव में जीत दिलाएगा।

जमैका के बाद सूरीनाम पहुंचे जयशंकर, पारामारीबो में हवाई अड्डे पर हुआ गर्मजोशी से स्वागत

पारामारिबो (सूरीनाम), एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को सूरीनाम पहुंचे, जहां उनकी वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता होने वाली है। तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के दूसरे चरण में उन्होंने अपने समकक्ष मेल्विन बुवा से मुलाकात की, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जयशंकर ने कहा कि वह पहली बार पारामारिबो (सूरीनाम की राजधानी) पहुंचे हैं और बातचीत को लेकर उत्साहित हैं। इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और सूरीनाम के बीच खास संबंध हैं, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में गिरमिटिया समुदाय के लोग रहते हैं। ये वे भारतीय मजदूर थे जो 19वीं सदी में अनुबंध के तहत विदेश में काम करने गए थे और बाद में वहीं बस गए। इस यात्रा के बाद जयशंकर त्रिनिदाद और टोबैगो भी जाएंगे। इससे पहले वह जमैका का दौरा कर चुके हैं, जहां कई अहम समझौते हुए और सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई है। भारत ने जमैका को स्वास्थ्य और आपदा राहत के तहत डायलिसिस यूनिट, मछली पकड़ने वाली नावें और जीपीएस उपकरण देने का निर्णय लिया है। यह सहायता पिछले साल आए तूफान के बाद पुनर्निर्माण में मदद के लिए दी जा रही है। जयशंकर ने जमैका में कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए और दोनों देशों ने डिजिटल, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए जमैका के समर्थन और आतंकवाद के खिलाफ रुख पर एकजुटता की सराहना की। इस दौरान उन्होंने प्रवासी भारतीय समुदाय से भी मुलाकात की और वहां के विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

ट्रंप का 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोकने का ऐलान, जारी रहेगी नाकेबंदी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (लोकल टाइम) को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोकने का ऐलान किया. साथ ही ये भी स्पष्ट किया कि ईरान के पोर्ट्स पर नाकेबंदी जारी रहेगी. 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' का मकसद खाड़ी में बढ़ते क्षेत्रीय टेंशन के बीच होर्मुज स्ट्रेट में फंसे कमर्शियल जहाजों को निकलने में मदद करना है. ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के अनुरोध के बाद लिया गया, जो वॉशिंगटन और तेहरान और दूसरे देशों के बीच शांति समझौते के लिए मध्यस्थ के तौर पर काम कर रहा है. ट्रंप ने आगे दावा किया कि यह फैसला ईरान के खिलाफ कैंपेन के दौरान मिली बड़ी मिलिट्री बढ़त और ईरानी प्रतिनिधियों के साथ संभावित समझौते की दिशा में हुई प्रगति के बाद लिया गया. अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि यह रोक इसलिए लगाई गई थी ताकि यह देखा जा सके कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच एग्रीमेंट को फाइनल किया जा सकता है या नहीं और उस पर साइन किया जा सकता है या नहीं. पोस्ट में कहा गया, 'पाकिस्तान और दूसरे देशों की रिक्वेस्ट के आधार पर ईरान देश के खिलाफ कैंपेन के दौरान हमें जो जबरदस्त मिलिट्री कामयाबी मिली है।

स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ीं?: स्थानीय चुनावों में भारी नुकसान का डर, पार्टी में उठे बगावत के सुर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में इस वक्त राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। गुरुवार को होने वाले स्थानीय चुनाव ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन गए हैं। इन चुनावों के नतीजे यह तय कर सकते हैं कि स्टार्मर अपनी कुर्सी पर बने रहेंगे या उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ेगा। यह चुनाव साबित कर देंगे कि अब ब्रिटेन एक बंटी हुई राजनीति के दौर में प्रवेश कर चुका है। माना जा रहा है कि देश की जनता प्रधानमंत्री से काफी नाराज है और इसका सीधा असर चुनाव की वोटिंग में देखने को मिलेगा। ब्रिटेन की राजनीति अब कई अलग-अलग पार्टियों में बंटती हुई नजर आ रही है, जिससे सत्ताधारी पार्टी की मुश्किलें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं।

कीर स्टार्मर की 'लेबर पार्टी' को इंग्लैंड की स्थानीय परिषदों के साथ-साथ स्कॉटलैंड और वेल्स की विधानसभाओं में होने वाले इन चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। कमजोर अर्थव्यवस्था और जनता की नाराजगी के कारण प्रधानमंत्री की लोकप्रियता काफी नीचे गिर गई है। विपक्षी पार्टियां गुरुवार को होने वाले इस चुनाव को स्टार्मर सरकार के दो साल के कामकाज पर एक कड़े जनमत संग्रह की तरह पेश कर रही हैं।

धुर-दक्षिणपंथी पार्टी 'रिफॉर्म यूके' ने तो इस चुनाव में अपना खास नारा ही 'रिफॉर्म को वोट दें, स्टार्मर को बाहर करें' रख लिया है। वैसे तो अगला राष्ट्रीय चुनाव साल 2029 तक नहीं होना है, लेकिन अगर गुरुवार को लेबर पार्टी बुरी तरह हारती है, तो स्टार्मर के खिलाफ उनकी अपनी ही पार्टी में एक बड़ी बगावत शुरू हो सकती है। एक विशेषज्ञ के अनुसार, भारी जीत के दो साल के अंदर ही स्टार्मर अब लोगों की निराशा का बहुत बड़ा कारण बन गए हैं।

बढ़ा दी है प्रधानमंत्री की परेशानी : जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही कीर स्टार्मर ने कई ऐसी गलतियां की हैं, जिससे उनकी साख को भारी धक्का लगा है। उनकी सरकार अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, खस्ताहाल बुनियादी सेवाएं सुधारने और महंगाई कम करने के अपने वादों में पूरी तरह नाकाम रही है। इसके साथ ही, ईरान के साथ अमेरिकी-इस्राइली युद्ध के कारण यह काम और भी मुश्किल हो गया है। इस युद्ध ने होर्मुज के रास्ते से आने वाले तेल की सप्लाई को रोक दिया है। इसके अलावा, एक दागी छवि वाले पीटर मैंडेलसन को वाशिंगटन का राजदूत बनाने के उनके अजीब फैसले से भी देश की जनता और पार्टी के नेता बहुत ज्यादा खफा चल रहे हैं। स्टार्मर की जगह कौन सा नेता लेगा? जानकारों का अनुमान है कि लेबर पार्टी इंग्लैंड की 2,500 में से आधी से ज्यादा सीटें बहुत बुरी तरह हार सकती है। यह लेबर पार्टी और प्रधानमंत्री दोनों के लिए बहुत ही खतरे की घंटी है। अगर चुनाव में इतनी करारी हार होती है, तो स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग, पूर्व उप प्रधानमंत्री एंजेला रेनर या मेयर एंडी बर्नहैम जैसे बड़े नेता स्टार्मर को पद से हटाने के लिए सीधी चुनौती दे सकते हैं। नियम के अनुसार किसी भी नेता को ऐसा करने के लिए संसद में कम से कम 80 सांसदों के समर्थन की सख्त जरूरत होगी। जानकारों का साफ कहना है कि अब यह सवाल नहीं है कि स्टार्मर जाएंगे या नहीं, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि वह कब जाएंगे। ब्रिटेन का राजनीति बदलने वाली हैं? दशकों से ब्रिटेन में केवल दो ही मुख्य पार्टियां सत्ता के आस-पास रही हैं, लेकिन अब यहां की राजनीति पूरी तरह बदल रही है। इस बार लेबर पार्टी का वोट 'ग्रीन पार्टी' और 'रिफॉर्म यूके' जैसी पार्टियों में बंटने की पूरी उम्मीद है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि ब्रिटेन अब 'पांच-पार्टी सिस्टम' की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। वेल्स में एक सदी से राज कर रही लेबर पार्टी अब तीसरे नंबर पर खिसक सकती है और वहां 'प्लेड सिमरू' पार्टी चुनाव जीत सकती है। वहीं, स्कॉटलैंड में 'स्कॉटिश नेशनल पार्टी' ने कड़ा ऐलान किया है कि अगर वह चुनाव जीती तो ब्रिटेन से आजादी के लिए एक नया जनमत संग्रह कराएगी। अब पुरानी राजनीति खत्म हो रही है और बदलाव तय माना जा रहा है।

पाकिस्तान के पेशावर में अमेरिका बंद करेगा वाणिज्य दूतावास, सुरक्षा के डर से ट्रंप का फैसला

चेन्नई, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान में एक बहुत बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान के पेशावर शहर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को पूरी तरह से बंद करने का बड़ा एलान कर दिया है। यह फैसला अचानक एक झटके में नहीं लिया गया है, बल्कि इसे चरणबद्ध तरीके से यानी धीरे-धीरे लागू किया जाएगा। अमेरिका के इस बड़े फैसले से पाकिस्तान में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका ने दुनिया को साफ कर दिया है कि उसके लिए अपने राजनयिकों और कर्मचारियों की जान की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है और वह इस मामले में कोई समझौता नहीं कर सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान जारी करके इस बड़े फैसले की जानकारी पूरी दुनिया को दी। बयान में बताया गया है कि अमेरिका अपने पेशावर वाणिज्य दूतावास के कामकाज को हमेशा के लिए समेट रहा है। अब तक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के साथ कूटनीतिक बातचीत और कामकाज की जो जिम्मेदारी पेशावर दूतावास के पास थी, वह अब सीधे इस्लामाबाद में स्थित अमेरिकी दूतावास को सौंप दी जाएगी। यह कदम बताता है कि अमेरिका पाकिस्तान के उस इलाके में अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर कितना ज्यादा चिंतित है।

टेक्सास में अंधाधुंध फायरिंग में 2 की मौत और 3 घायल, पुलिस ने हमलावर को किया अरेस्ट

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका में एक माल में अंधाधुंध फायरिंग में 2 की मौत और 3 लोगों के घायल होने के बाद इलाके में भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। यह दर्दनाक घटना अमेरिका के टेक्सास राज्य में डलास के उत्तरी शहर कैरोलटन में मंगलवार को घटी है। एक अज्ञात व्यक्ति ने अचानक से वहां मौजूद पांच लोगों पर ताबड़तोड़ तरीके से गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस भयानक और हिंसक वारदात में दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस हमले के मुख्य आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच के अनुसार यह कोई अचानक किया गया हमला नहीं था बल्कि एक सोची-समझी साजिश लग थी। हमलावर और पीड़ित एक-दूसरे को पहले से जानते थे और उनके बीच कोई पुराना विवाद था। घायलों को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल भेजा गया है और पूरे इलाके की बहुत ही कड़ी सुरक्षा की जा रही है। घातक हमले की क्या है असली वजह? कैरोलटन पुलिस प्रमुख रॉबर्टो एरेडोंडो ने बताया कि यह सभी लोग किसी खास व्यावसायिक मीटिंग के लिए मिले थे। हमले का असली मकसद अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन आपसी रंजिश की बड़ी आशंका जताई है। पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि आखिर इस हिंसक वारदात को अंजाम देने की असली वजह क्या थी। यह दिल दहला देने वाली घटना कैरोलटन के कोरियाटाउन इलाके में स्थित एक प्रसिद्ध के टाउन प्लाजा में घटी है। यह प्लाजा डलास शहर से करीब 32.1 किलोमीटर दूर स्थित है और यहां हमेशा लोगों की काफी ज्यादा भीड़ रहती है। अचानक गोलीबारी की आवाज सुनते ही पूरे प्लाजा में भारी दहशत फैल गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कई पुलिस अधिकारी प्लाजा के अंदर हथियारों के साथ तलाशी लेते नजर आ रहे हैं। इस बड़े मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस के साथ एफबीआई की टीम भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई है। अन्य कई संघीय जांच एजेंसियां भी इस बड़े मामले की जांच करने में स्थानीय प्रशासन की मदद कर रही हैं। कारोबार के विवाद में किया हमला स्थानीय पुलिस के अनुसार व्यावसायिक मीटिंग के दौरान ही किसी बात को लेकर इन लोगों के बीच विवाद हुआ था। इसी गंभीर विवाद के चलते हमलावर ने गुस्से में आकर अपने ही साथियों पर जानलेवा फायरिंग करना शुरू कर दिया था। गिरफ्तार किए गए आरोपी से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है ताकि इस पूरे मामले की सच्चाई का पूरी तरह पता चल सके।

खैबर पख्तूनख्वा में मौलाना की हत्या, लोग सड़कों पर उतरे, हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग

इस्लमाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में प्रसिद्ध मौलाना मोहम्मद इदरीस की अज्ञात लोगों ने बेरहमी से गोलीमार कर हत्या कर दी है। इस भयानक हमले से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है और लोग भारी संख्या में सड़कों पर उतर आए हैं। जेयूआई-एफ के नेता मौलाना इदरीस पार्टी प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के बेहद करीबी माने जाते थे। पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने इस पूरी घटना को टारगेट किलिंग करार देते हुए सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मौत की खबर फैलते ही आक्रोशित समर्थकों ने चारसादा शहर में मार्च निकालकर मुख्य सड़कों को पूरी तरह जाम कर दिया। हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर फारूक-ए-आजम चौक पर लोगों ने बड़ा धरना शुरू कर दिया है। आतंकवादियों ने की मौलाना की हत्या, जांच जारी काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट और पुलिस की संयुक्त जांच टीम ने बताया कि चार आतंकवादियों ने मिलकर मौलाना को निशाना बनाया। सेफ सिटी कैमरों की मदद से इन सभी संदिग्ध हमलावरों की तस्वीरें निकाल ली गई हैं और आगे की पहचान की जा रही है। पुलिस इन सभी आतंकवादियों को जल्द पकड़ने के लिए कई अहम ठिकानों पर लगातार भारी छापेमारी कर रही है। मौलाना इदरीस के परिवार में इस तरह का यह पहला भयानक हमला नहीं है, इससे पहले भी उनके ससुर की जान जा चुकी है। उनके ससुर और प्रसिद्ध विद्वान मौलाना हसन जान की भी साल 2007 में आतंकवादियों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। उन्होंने उस समय देश में सशस्त्र संघर्ष का भारी विरोध किया था जिसके कारण उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी थी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस दुखद हत्या पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि ऐसी कायरतापूर्ण हरकतें पूरे देश का मनोबल किसी भी कीमत पर बिल्कुल नहीं गिरा सकती हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी और राज्यपाल फैसल करीम कुंडी ने भी इस बड़े हमले की कड़ी निंदा की है। अवामी नेशनल पार्टी के अध्यक्ष ऐमल वली खान ने इस घटना पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है।

ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म, लेकिन शांति अभी दूर, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी पर अमेरिकी विदेश मंत्री का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार तड़के घोषणा की कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। इसके साथ ही दो महीने से अधिक समय से चल रही अशांति का अंत हो गया है, जो अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए एक बड़े सैन्य संघर्ष के कारण उत्पन्न हुई थी। अली खामेनेई की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने के उद्देश्य से शुरू हुए इस संघर्ष ने तेहरान में भी भारी राजनीतिक उथल-पुथल मचा दी थी। खामेनेई की हत्या के बाद, उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया, जो सत्ता में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतीक था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में इज़राइल की साझेदारी में शुरू किया गया व्यापक सैन्य अभियान, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी, 28 फरवरी को शुरू हुआ और खाड़ी क्षेत्र और व्यापक मध्य पूर्व को तीव्र अस्थिरता और संघर्ष के दौर में धकेल दिया।

ऑपरेशन की समाप्ति की घोषणा करते हुए रुबियो ने कहा कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। हमने इस अभियान के उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया है। हम ऐसी किसी और स्थिति की कामना नहीं करते। हम शांति का मार्ग अपनाना चाहेंगे। ट्रम्प एक समझौते को प्राथमिकता देंगे... जो कि अब तक ईरान ने नहीं चुना है। रुबियो ने क्षेत्र में विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में, जो एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल पारगमन मार्ग है, समुद्री स्थिरता को बहाल करने के रणनीतिक महत्व पर भी जोर दिया। कई देशों ने - कुछ ने निजी तौर पर और कुछ ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका से अपने जहाजों को मुक्त कराने और होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करने में मदद करने का अनुरोध किया... और इसलिए राष्ट्रपति ट्रम्प ने आगे बढ़कर उनकी मदद की गुहार सुनी और अमेरिकी सेना को इन फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का निर्देश दिया और यह जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और इस शासन के आर्थिक विनाश के कृत्य को समाप्त करने की दिशा में पहला कदम है। हम यह सिर्फ इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमसे अनुरोध किया गया था, बल्कि इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम ही एकमात्र ऐसे हैं जो ऐसा कर सकते हैं... राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में, संयुक्त राज्य अमेरिका अपने मित्रों की मदद करेगा। हम तेहरान जैसे दुष्ट शासनों का डटकर सामना करेंगे और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने में संकोच नहीं करेंगे। तेहरान को कड़ी चेतावनी देते हुए रुबियो ने कहा, 'उनके लिए यह समझना बेहद ज़रूरी है कि उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका की इच्छाशक्ति को परखने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, कम से कम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शासनकाल में तो बिल्कुल नहीं। उन्होंने बार-बार साबित किया है कि वे अपने कहे पर खरे उतरते हैं। और अगर वे उन्हें चुनौती देंगे।

ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार: राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान

तेहरान , एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने इराक के प्रधानमंत्री-नामित अली अल-जैदी के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान पेजेशकियान ने कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वह किसी भी दबाव के आगे झुकेगा नहीं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, एक आधिकारिक बयान में राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा, 'हमारी समस्या यह है कि एक ओर अमेरिका देश पर दबाव की नीति अपना रहा है और दूसरी ओर वह चाहता है कि ईरान बातचीत की मेज पर आए और आखिरकार उसकी एकतरफा मांगों के सामने आत्मसमर्पण कर दे। लेकिन यह असंभव है।' उन्होंने कहा कि ईरान मूल रूप से युद्ध और असुरक्षा को किसी भी तरह से उचित विकल्प नहीं मानता। इसके साथ ही, पेजेशकियान ने कहा कि ईरान को परमाणु तकनीक से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अमेरिका ऐसे व्यवहार कर रहा है जैसे ईरान को परमाणु उद्योग रखने का अधिकार ही नहीं है। वह अत्यधिक मांगें सामने रखकर देश पर अतिरिक्त दबाव डालता है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने आगे कहा कि पिछली सभी वार्ताओं में ईरान पूरी तरह तैयार था कि अंतरराष्ट्रीय नियमों और वैश्विक निगरानी के तहत जो भी आवश्यक हो, वह सब कुछ उपलब्ध कराए ताकि उसके परमाणु गतिविधियों के शांतिपूर्ण स्वरूप को सुनिश्चित किया जा सके।

दूसरी ओर, अल-जैदी ने इराक की ओर से ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता करने की तत्परता जताई, ताकि क्षेत्रीय संकटों को कम किया जा सके। अल-जैदी के मीडिया कार्यालय के एक बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने भविष्य में आधिकारिक यात्राओं के आदान-प्रदान पर भी सहमति जताई, ताकि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया जा सके। बता दें कि 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर तेहरान और ईरान के अन्य शहरों पर हमले किए थे, जिसमें तत्कालीन सुप्रीम लीडर अली खामेनेई, वरिष्ठ कमांडरों और नागरिकों की मौत हुई थी। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। 8 अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम हुआ, जिसके बाद 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता हुई, लेकिन वह बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई थी। फिलहाल, अमेरिका और ईरान लगातार समझौते के तहत युद्धविराम को जारी रखने की कोशिशों में जुटे हैं।

चीनी विदेश मंत्री की ईरानी समकक्ष से मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों और प. एशिया संकट पर चर्चा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बुधवार को बीजिंग में अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात की। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इस बैठक की जानकारी दी। हालांकि, इसमें अधिक विवरण साझा नहीं किया गया। अराघची की यह पहली चीन यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में तनाव जारी है। इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उम्मीद जताई कि चीन इस यात्रा के दौरान ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण कम करने की बात करेगा और क्षेत्र में तनाव घटाने की दिशा में संदेश देगा। इससे पहले ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने जानकारी दी थी कि इस दौरे के दौरान अराघची अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय संबंधों और पश्चिम एशिया में जारी संकट समेत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

अपने चीन दौरे को लेकर अराघची ने क्या कहा था : अपनी यात्रा के दौरान अराघची चीन के अपने समकक्ष वांग यी के साथ दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने और मौजूदा वैश्विक स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि अराघची की यह यात्रा वांग यी के निमंत्रण पर हो रही है और दोनों नेताओं के बीच बातचीत होगी। अराघची ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि यह यात्रा कई देशों के साथ जारी कूटनीतिक बातचीत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह चीन

के साथ द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

चीन से पहले तीन देशों का किया दौरा : कुछ दिनों पहले ही उन्होंने पाकिस्तान, ओमान और रूस का दौरा किया है। ये दौरे पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच बातचीत का हिस्सा हैं। पिछले महीने रूस दौरे के दौरान अराघची ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। पुतिन ने कहा था कि रूस पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के लोग अपनी संप्रभुता के लिए बहादुरी से लड़ रहे हैं। इस मुलाकात में अराघची ने अमेरिका और इस्राइल से संघर्ष और हमलों पर भी विस्तार से चर्चा की। पुतिन ने कहा कि रूस ईरान के हितों का समर्थन करेगा और क्षेत्र में शांति बहाल करने में मदद करेगा। पाकिस्तान दौरे के दौरान अराघची ने ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इसके बाद ओमान की यात्रा में उन्होंने समुद्री सुरक्षा पर फोकस दिया। वहां होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चर्चा हुई, जो एक अहम समुद्री मार्ग है। अराघची ने कहा कि ईरान और ओमान दोनों इस जलडमरूमध्य के तटीय देश हैं।

अमेरिका में फिर शुरू होगा पुराना 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम, ट्रंप ने की घोषणा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक पुराने 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम पहले अमेरिकी स्कूलों में बच्चों की शारीरिक फिटनेस जांचने के लिए चलाया जाता था, लेकिन बराक ओबामा सरकार के दौरान इसे बंद कर दिया गया था। व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने खिलाड़ियों, अधिकारियों और बच्चों के साथ मिलकर युवाओं में फिटनेस और खेल भावना को बढ़ावा देने की बात कही। इस कार्यक्रम में मशहूर गोल्फ ब्रायसन डीचैम्ब्यू, गोल्फर गैरी प्लेयर और पूर्व एनएचएल खिलाड़ी टी. जे. ओशी जैसे पेशेवर एथलीट भी शामिल हुए। ट्रंप ने कहा, 'आज मैंने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें राष्ट्रीय युवा खेल और फिटनेस को मान्यता दी गई है। साथ ही, मैंने नए और फिर से शुरू किए गए 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट अवार्ड' की पहली प्रति पर भी हस्ताक्षर किए हैं। यह एक ऐसा प्रमाणपत्र है जो शारीरिक फिटनेस के 'गोल्ड स्टैंडर्ड' (सर्वोच्च मानक) को हासिल करने की उपलब्धि को मान्यता देता है।'

यह कार्यक्रम जॉन एफ. केनेडी के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। 2013 में एक नया कार्यक्रम आने से पहले यह लंबे समय तक अमेरिकी स्कूलों का एक अहम हिस्सा रहा था। ट्रंप ने अपने भाषण में खेल प्रतियोगिता और अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा अमेरिका की पहचान है और देश को आगे बनाए रखने के लिए जरूरी है। स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने कहा, 'अब हम दुनिया के सबसे ज्यादा बीमार देशों में से एक बन गए हैं। हमारे बच्चों में मोटापे का स्तर 5 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। 70 प्रतिशत वयस्क मोटे या ज़्यादा वज़न वाले हैं और 77 प्रतिशत बच्चे सैन्य सेवा के लिए जरूरी शारीरिक मानकों को पूरा नहीं कर पाते हैं। केनेडी ने अपने अंकल, राष्ट्रपति कैनेडी के कार्यकाल में शुरू किए गए मूल कार्यक्रम की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक ऐसी यादगार और अहम रस्म थी, जिसे मेरी पीढ़ी का हर व्यक्ति आज भी याद करता है।' अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि युवाओं की शारीरिक फिटनेस सीधे सेना की तैयारी से जुड़ी हुई है। उन्होंने चिंता जताई कि लगभग तीन-चौथाई अमेरिकी युवा सेना में भर्ती होने के योग्य नहीं हैं। प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट को शीत युद्ध के दौर में राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया गया था, जब यूरोपीय युवाओं की तुलना में अमेरिकी युवाओं की शारीरिक तैयारी को लेकर चिंताएं बढ़ रही थीं। इस टेस्ट में आम तौर पर पुल-अप्स, सिट-अप्स, शटल रन और सहनशक्ति वाले व्यायाम शामिल होते थे और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाते थे। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत समेत कई देशों में बच्चों के बीच बढ़ते मोटापे, मोबाइल और स्क्रीन की लत तथा कोविड महामारी के बाद कम हुई शारीरिक गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ रही है। इसी कारण कई सरकारें फिटनेस, खेल और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चला रही हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.